भारत में सोने की मांग अप्रैल जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटी - 10

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, बैठक दिनभर के लिए स्थगित-7

तमिलनाडु में मां-बेटी ने एक साथ पास की नीट - 11

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप : क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित-12

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.34

सूर्यास्त 07.03

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी 04:58 विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 252, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बालटाल मार्ग से फिर अमरनाथ यात्रा शुरू

श्रीनगर/जम्मू। कश्मीर घाटी में बालटाल मार्ग से गुरुवार को अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई लेकिन खराब मौसम के कारण इसे जम्मू से स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। बारिश के बाद अमरनाथ यात्रा मार्ग के पहलगाम मार्ग पर रखरखाव कार्यों के मद्देनजर, यात्रा केवल बालटाल मार्ग से ही जारी रहेगी। कश्मीर में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कों पर आवाजाही असुरक्षित हो गई थी, जिसके बाद बुधवार को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। आज सुबह बालटाल मार्ग से यात्रा फिर से शुरू हो गई।

एयर इंडिया की लंदन जाने वाली उड़ान रद्द

नई दिल्ली। लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-9 विमान तकनीकी समस्या के कारण गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान नहीं भर सका। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 31 जुलाई को दिल्ली से लंदन जाने वाली 'एआई2017' संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण उड़ान नहीं भर सकी। चालक दल के सदस्यों ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए उड़ान नहीं भरने का फैसला किया और विमान को एहतियाती जांच के लिए वापस लाया गया। एक सूत्र ने बताया कि उड़ान का संचालन बोइंग 787-9 विमान से किया जाना था।

अंदर देखें ... यूरेका

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

यूपी के नए मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनोज कुमार सिंह से संभाला पद का दायित्व

अमृत विचार : यूपी कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अफसर शशि प्रकाश गोयल को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया है। गोयल ने दोपहर बाद मुख्य सचिव कार्यालय जाकर कार्यभार संभाला। उन्होंने मनोज कुमार सिंह से कार्यभार ग्रहण किया।

30 जून 2024 से मुख्य सचिव रहे मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र सरकार से आदेश नहीं आया। केंद्र ने योगी आदित्यनाथ के पहली बार

मुख्यमंत्री बनने के साथ 19 मई 2017 से उनके कार्यालय प्रमुख का दायित्व संभाल रहे शशि प्रकाश गोयल को मुख्य सचिव बनाने के आदेश जारी किए। गोयल जनवरी 2027 तक पद पर रहेंगे।

ट्रंप को चुभ रहीं भारत-रूस की नजदीकियां

वाशिंगटन, एजेंसी

- अब बोले-दोनों अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे परवाह नहीं
- अमेरिका आज से लागू करेगा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और रूस के करीबी संबंधों को लेकर उन पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने नई दिल्ली और मॉस्को की आलोचना करते हुए यह टिप्पणी तब की है जब कुछ घंटों पहले उन्होंने भारत के खिलाफ 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ उसके व्यापार के लिए जुर्माना लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के

साथ क्या करता है। वे एक साथ अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को गर्त में ले जा सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके शुल्क बहुत अधिक हैं। ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उन्होंने रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने के लिए भी भारत पर जुर्माना लगाने की घोषणा की। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इससे एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों को अप्रिय बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा।

भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया

यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है। भारत रूसी आयात के लिए जुर्माने का सामना करने वाला पहला देश है। रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0.2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत हमारा मित्र है कि लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे हैं जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।

साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सभी सातों आरोपी बरी

मालेगांव विस्फोट मामला : 17 साल बाद विशेष अदालत ने सुनाया निर्णय

मुंबई, एजेंसी

समीर कुलकर्णी | रमेश उपाध्याय | पुरोहित | प्रज्ञा सिंह ठाकुर

अजय राहिरकर | सुधाकर चतुर्वेदी | सुधाकर द्विवेदी

- ठोस सबूत नहीं, धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकते : कोर्ट

मालेगांव विस्फोट में छह लोगों की मौत होने के करीब 17 साल बाद एक विशेष अदालत ने भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकती। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मामलों की सुनवाई के लिए यहां नियुक्त विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और जांच में कई खामियों को उजागर किया और कहा कि आरोपी व्यक्ति संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे। इस मामले के आरोपियों में ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। अदालत ने जैसे ही सातों आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया तो उन सभी के चेहरों पर मुस्कान छा गई और उन्होंने राहत की सांस ली। न्यायाधीश ने कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि कुल मिलाकर सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने कहा कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। अदालत ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया था। उसने कहा कि यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर मोटरसाइकिल पर लगाए गए बम से हुआ था। अभियोजन पक्ष का दावा था कि विस्फोट दक्षिणपंथी चरमपंथियों द्वारा स्थानीय मुस्लिम समुदाय को आतंकित करने के इरादे से किया गया था।

आतंकवाद न कभी भगवा था और न होगा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फैसले की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद न कभी भगवा था और न कभी होगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस फैसले ने हिंदू समुदाय पर लगे कलंक को मिटा दिया है। शिंदे ने दावा किया कि हिंदू कभी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो सकते।

50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राइमरी स्कूलों का विलय नहीं

पेयरिंग स्कूल की दूरी भी एक किलोमीटर से ज्यादा नहीं होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कोई स्कूल बंद नहीं होगा और न ही समाप्त किए जाएंगे पद

अमृत विचार : प्रदेश में अब एक किलोमीटर से अधिक दूरी और 50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों का विलय (पेयरिंग) नहीं होगा। साथ ही, जहां इन मानकों के विपरीत विलय हो गया है, उसे फिर से बहाल किया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों के विलय को लेकर विपक्षी दलों और शिक्षकों-अभिभावकों के भारी विरोध के बीच राज्य सरकार ने गुरुवार को यह फैसला लिया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने गुरुवार को लोक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार के फैसले की जानकारी दी।

राज्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले के तहत अब विलय होने वाले परिषदीय विद्यालयों की दूरी एक किलोमीटर के अंदर होगी। उन्हीं विद्यालयों का विलय होगा जिनमें छात्रों की संख्या से 50 से बहुत कम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विलय के बाद न तो कोई स्कूल बंद होगा और न ही पद समाप्त किए जाएंगे। छात्रों की संख्या बढ़ने पर पुराने विद्यालयों को फिर शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया शुरू

होने के बाद जिलों से कई शिकायतें आई हैं, जिसके बाद कुछ स्कूलों को पूर्ववत संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अन्य भवनों में बाल वाटिकाएं और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जाएंगे। साथ ही बताया कि स्कूलों का विलय होने के बाद यदि कहीं बैठने की असुविधा होगी या बच्चों की संख्या बढ़ेगी तो पुराने भवन में फिर से स्कूल शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि 15 अगस्त तक कोई भी स्कूल खाली न रहे। सभी विद्यालयों में प्री प्राइमरी और बाल वाटिका संचालित हो जाएं। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया के बाद प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक उपलब्ध होंगे। शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर होगा और शिक्षण गुणवत्ता बढ़ेगी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि यूपी कोई पहला राज्य नहीं है जहां पर स्कूलों की पेयरिंग (विलय) की जा रही है। इसके पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा जैसे राज्यों में यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। राजस्थान में वर्ष 2014 में इस प्रक्रिया के तहत 20 हजार स्कूलों का विलय किया गया। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में पहले चरण में 36 हजार विद्यालयों को और लगभग 16 हजार समेकित परिसरों को निर्मित किया गया।

कोर्ट के फैसले का करेंगे अनुपालन

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा सरकार उसका पालन करेगी। सरकार कोर्ट की किसी भी प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकती है। पहले शिक्षक अपनी जगह दूसरों को पढ़ाने को नियुक्त कर देते थे, अब ऐसा नहीं है।

आपराधिक मामला लंबित होने पर भी अनुकंपा नियुक्ति संभव

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- हाईकोर्ट ने कहा-विवेकाधिकार का इस्तेमाल करें नियोक्ता

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल आपराधिक मामले का लंबित होना अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने का आधार नहीं हो सकता। नियुक्ति देने के लिए नियोक्ता के विवेकाधिकार का उपयोग निष्पक्ष रूप से किया जाना चाहिए।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकल पीठ ने महेश कुमार चौहान द्वारा दाखिल याचिका को अनुमति देते हुए की।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यद्यपि आपराधिक मामले में फंसे होने पर उम्मीदवार को नियुक्ति मांगने का अधिकार नहीं है। फिर भी केवल आपराधिक मामले का लंबित होना ही किसी को नियुक्ति देने से इनकार का ठोस आधार नहीं हो सकता है।

खास राशि जमा करने के आश्वासन पर न दें जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और अधीनस्थ अदालतों को दिए निर्देश
- पीठ ने कहा-अदालतों को गुमराह कर जमानत ले रहे हैं वादी

उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों को निर्देश दिया है कि वे किसी आरोपी या उसके परिवार के सदस्यों की ओर से निर्धारित रकम जमा करने के लिए दिए गए शपथपत्र के आधार पर जमानत (बेल) आदेश पारित न करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस प्रथा को रोकना होगा।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि वादी अदालतों को गुमराह कर रहे हैं और उच्च न्यायालय तथा निचली अदालतें नियमित या अग्रिम जमानत के अनुरोध वाली याचिका पर मामले के गुण-दोष के आधार पर फैसला लेंगी। पीठ ने कहा कि इस आदेश के जरिए हम यह स्पष्ट करते हैं और वह भी निर्देशों के रूप में कि अब से कोई भी निचली अदालत या उच्च न्यायालय किसी भी ऐसे शपथपत्र पर नियमित जमानत या अग्रिम जमानत देने का आदेश पारित नहीं करेगा, जिसे आरोपी उचित राहत पाने के मकसद से पेश करने के लिए तैयार हो।

शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को बंबई उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी के एक मामले में जमानत पर रिहा आरोपी को चार हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। आरोपी को जमानत तब दी गई थी, जब उसने उच्च न्यायालय में एक शपथपत्र दायर कर कहा था कि वह 25 लाख रुपये जमा करने को तैयार है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपी ने जमानत पर रिहाई तो हासिल कर ली, लेकिन वह उच्च न्यायालय के समक्ष दायर शपथपत्र में दिए गए आश्वासन के अनुसार तय राशि जमा कराने में विफल रहा।

सख्त कदम

आउट सोर्स महिला कर्मचारी ने की थी समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से छेड़छाड़ की शिकायत

पीएस ने की अश्लील हरकत, मंत्री ने कराया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पुलिस की गिरफ्त में मंत्री का निजी सचिव जय किशन सिंह।

मंत्री से की शिकायत तो हुई कार्रवाई

गुरुवार को अभ्युदय सचिवालय विभागीय मंत्री असीम अरुण पहुंचे। किसी तरह हिम्मत कर पीड़िता ने लिखित शिकायती पत्र मंत्री को दिया। मंत्री ने अपने स्तर से जांच कराई तो मामला सही निकला। तत्काल गोमतीनगर इंस्पेक्टर को भागीदारी भवन बुलावाया। पीड़िता के शिकायती पत्र को सौंपकर रिपोर्ट दर्ज करने को कहा और कार्यालय में मौजूद निजी सचिव जय किशन सिंह को पुलिस के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी के मुताबिक पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर निजी सचिव को गिरफ्तार कर लिया है।

> आरोपी निजी सचिव के खिलाफ पुलिस अपना काम करेगी। सचिवालय प्रशासन को भी विभागीय कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। महिलाओं को कार्यस्थल के साथ सभी जगहों पर सुरक्षित माहौल देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।
> -असिम अरुण, समाज कल्याण राज्य मंत्री

अमृत विचार : भागीदारी भवन के अभ्युदय सचिवालय में आउट सोर्सिंग पर तैनात महिला कर्मचारी ने विभागीय मंत्री असीम अरुण के निजी सचिव (पीएस) पर छेड़छाड़ व धमकी देने का आरोप लगाया।

इस संबंध में महिला ने प्रार्थना पत्र विभागीय मंत्री को दी। शिकायत सही मिलने पर उन्होंने तत्काल गोमतीनगर इंस्पेक्टर को बुलाया और निजी सचिव को सुपुर्द कर दिया। पुलिस पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता समाज कल्याण विभाग में आउट सोर्सिंग पर कई वर्षों से काम करती है। वर्तमान में उसकी तैनाती भागीदारी भवन स्थित अभ्युदय सचिवालय में है। इसी कार्यालय में विभागीय मंत्री असीम अरुण भी बैठते हैं। विभागीय मंत्री के निजी सचिव जय किशन सिंह हैं। पीड़िता का आरोप है कि निजी सचिव कई दिनों से उसके साथ अश्लील हरकतें करते थे। 28 जुलाई को जय किशन ने पीड़िता को अकेला पाकर छेड़छाड़ की, विरोध करने पर नौकरी से निकलवाने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता डर के कारण इसकी शिकायत नहीं कर पा रही थी। आरोपी मूलरूप से प्रयागराज के बमरौली का रहने वाला है। लखनऊ में वह चिन्हट इलाके के विक्रांत खंड में सपरिवार रहता है।

प्रेमिका की राह में रोड़ा बन रही पत्नी को बांका से काट डाला

कार्यालय संवाददाता, बरेली

मृतका अमरवती

- पूर्णागिरि से दर्शन कर लौटते समय पति ने दिया वारदात को अंजाम

अमृत विचार : दूसरी की राह में रोड़ा बन रही पत्नी को बांका से मौत के घाट उतार दिया। बाइक से घर लौट रहे पति ने हत्या के बाद पुलिस को लूट के बाद बदमाशों द्वारा हत्या करने की सूचना दी। पुलिस ने शक के आधार पर पति से पूछताछ की तो राजफाश हो गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

बदायूं के थाना वजीरगंज के गांव ब्योली निवासी ओमसरन पत्नी अमरवती (35) के साथ पूर्णागिरि देवी के दर्शन करने गया था। बुधवार की रात लौटने पर आंवला के गांव मोतीपुरा स्थित ससुराल से साले भगवान दास मौर्य की बाइक लेकर पत्नी के साथ घर के लिए निकला था। आंवला वजीरगंज रोड के कंथरी और उसैता गांव के बीच देर रात पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को लूट की सूचना दी। एसएसपी अनुराग आर्य समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर जांच की।

गर्भवती पत्नी को पीट कर मार डाला

भुता थाना क्षेत्र के ग्राम मगरासा में बुधवार रात पति सोमपाल ने शराब के नशे में गर्भवती पत्नी सुमन (25) की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी। क्लोड़िया थाना क्षेत्र के मरगापुर निवासी सुमन के पिता पूरनलाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मृतका सुमन

न्यूज ब्रीफ

बीबीए में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 31 अगस्त

अमृत विचार, लखनऊ: पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) लखनऊ में तीन वर्षीय बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) कोर्स में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक छात्र अब बढ़ाई गई समयसीमा तक लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

चार माह से बिना वेतन 350 कर्मचारी

अमृत विचार लखनऊ : प्रदेश में सूडा की तरफ से दीनदयाल राष्ट्रीय आजीविका मिशन (डेएनयूएलएम) में तैनात कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिला है। योजना का विस्तार न होने की वजह से कर्मचारी अधर में हैं और कार्यालयों पर हाजिरी लगा रहे हैं। मुख्यालय और जिलों डेएनयूएलएम योजना के तहत आउटसोर्स पर स्टेट मिशन मैनेजर, सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक आयोजक, सहायक स्टाफ और कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 350 कर्मचारी तैनात हैं। इन्हें इस वित्तीय वर्ष में वेतन नहीं मिला है।

टेक्नीशियनों को मिलेगी पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से कार्यरत फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियन, जिन्हें ससमय पदोन्नति नहीं मिली है, उन्हें पदोन्नति मिलेगी। इसके लिए स्वास्थ्य महानिदेशालय ने सभी सरकारी अस्पताल प्रशासन आदि से अभिलेख 15 अगस्त 2025 तक मांगे गए हैं।

जीरो टॉलरेंस, जीरो करप्शन होगा मूल मंत्र

लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद बोले यूपी के 56वें मुख्य सचिव : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन में कार्यभार संभालते नवनिर्वाचित मुख्य सचिव एसपी गोयल, साथ में मनोज कुमार सिंह व अन्य।

मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद सीएम आवास पर मुख्यमंत्री योगी को गुलदस्ता भेंट कर मुलाकात करते एसपी गोयल।

अमृत विचार : यूपी के 56वें मुख्य सचिव बनाए गए एसपी गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस, जीरो करप्शन, औद्योगिक विकास एवं आर्थिक विकास की नीतियों को धरातल पर उतारने का पूरा जोर रहेगा।

वे गुरुवार को लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने व प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के पूरे प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराना सुनिश्चित किया जायेगा। प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिये ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे प्रदेशवासियों को एक खुशहाल प्रदेश एवं युवाओं को एक बेहतर भविष्य मिल सके।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक श्री एम देवराज, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मोदी-योगी सरकार में काम का अच्छा अनुभव : मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ भी अच्छा अनुभव है। वे बीते आठ वर्ष से अधिक के समय से प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के पद पर तैनात रहे। प्रदेश के एक-एक जिले पर उनकी गहरी पकड़ के साथ दिल्ली की ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक समझ में भी उनकी गहरी पकड़ मानी जाती है।

आईएएस टॉपर गोयल की पहली नियुक्ति थी इटावा : लखनऊ जन्मे व पले-बढ़े एसपी गोयल 1989 बैच के आईएएस टॉपर रहे हैं। उन्होंने बीएससी (ऑनर्स), एमसीए, ईएमआईबी (आईआईएफटी) किया है। उनकी पहली नियुक्ति असिस्टेंट मजिस्ट्रेट इटावा के रूप में हुई थी। इसके बाद अलीगढ़, बहराइच व मेरठ में मुख्य विकास अधिकारी रहे। गोयल इस बाद मथुरा, इटावा, प्रयागराज व देवरिया जिले के डीएम भी रहे। बसपा सरकार में वह कैबिनेट सेक्रेटरी रहे शशांक शेखर सिंह स्टाफ अफसर थे और अखिलेश यादव सरकार में सचिव नियोजन और कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग रहे। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद वह मानव संसाधन एवं उच्च शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव रहे।

गोयल व संजय प्रसाद को मिलीं नई जिम्मेदारियां

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव के रूप में कार्य करते समय एसपी गोयल के पास नागरिक उड्डयन, राज्य संपत्ति एवं प्रोटोकॉल विभाग की जिम्मेदारी भी थी। अब इसे मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह एवं सूचना के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को दे दी गई है। जबकि एसपी गोयल को मुख्य सचिव के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी व यूपीडास्प के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री से मिले गोयल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्रकूट दौरे से लौटने के बाद नए मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण करने वाले एसपी गोयल ने उनसे मुलाकात की। सीएम आवास पर योगी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई दी और दायित्वबोध कराया।

मानक के अनुरूप होंगे विद्यालय में शिक्षक : संदीप सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता करते बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह।

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के विलय के बाद भी शिक्षकों और रसोइयों की भूमिका यथावत रहेगी। किसी भी पद को समाप्त नहीं किया जा रहा है, बल्कि इस योजना के अंतर्गत जहां 50 छात्र पंजीकृत हैं, वहां तीन शिक्षकों की अनिवार्य तैनाती की जाएगी। 50 से अधिक छात्र वाले विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। राज्यमंत्री लोकभवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब तक 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 96 प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं से लैस किया गया है। राज्यमंत्री ने कहा कि समायोजित करते समय विद्यालय तक बच्चों की पहुंच सरल, सुगम और सुरक्षित हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। विद्यालयों के विलय होने के बाद अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, अतिरिक्त कक्ष, कम्पोजिट ग्रांट, टीएलएम और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

कम्पोजिट विद्यालय हो रहे विकसित

राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा एकीकृत रूप से दी जाएगी। इस क्रम में ही परिषदीय शिक्षकों के लिए 2.6 लाख टैबलेट्स, 31 हजार से अधिक स्मार्ट क्लास और 14 हजार से अधिक विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 746 कस्तूरबा विद्यालयों में 82 हजार से अधिक बालिकाओं को आवासीय सुविधाएं दी जा रही हैं।

दो डॉक्टर तीन नर्स हुए निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन टेबल पर गलत मरीज लिटाए जाने के मामले में सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु शर्मा, सीनियर रेजिडेंट डॉ. विशाल त्यागी व तीन नर्सों ऊषा देवी, अमरपाली एस लाल एवं स्नेहप्रभा को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई गुरुवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हुई। साथ ही दो सदस्यीय कमेटी गठित कर घटना की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने घटना को बेहद लापरवाही पूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन डॉ. पुनीत अवस्थी की एक संयुक्त कमेटी गठित कर की दी गयी है। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

औद्योगिक मांग के अनुरूप तैयार होगी कार्यशक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कौशल विकास मिशन ने इस साल किया रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटन**

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटन किया गया है। पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए जिलों की औद्योगिक मांग, उपलब्ध संसाधनों, सेवायोजन क्षमता और पूर्व उपलब्धियों का गहराई से विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर प्रशिक्षण प्रदाताओं को कार्यशक्ति तैयार करने के लक्ष्य दिए गए।

इस बार हर प्रशिक्षण प्रदाता को अधिकतम पांच जिलों तक सीमित किया गया है, ताकि कुछ संस्थानों का वर्चस्व न रहे और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। आकांक्षी जनपदों और ब्लॉकों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शत प्रतिशत प्रशिक्षण केंद्रों से आच्छादित किया गया है। जहां पिछले वर्ष आवासीय प्रशिक्षण मात्र 1 फीसदी था, उसे बढ़ाकर 36 फीसदी कर दिया गया है क्योंकि ऐसे प्रशिक्षण में छात्रों की उपस्थिति और गुणवत्ता बेहतर देखी गई है। वहीं, औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 47 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण और बेहतर सेवायोजन सुनिश्चित हो सके।

महिलाओं और दिव्यांगों को प्राथमिकता : प्रशिक्षण प्रदाताओं के लिए महिलाओं के लिए 33 और दिव्यांगों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

इस बार ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी, कंटेंट क्रिएटर, ग्रीन जॉब्स और सोलर एनर्जी जैसे भविष्य के उपयोगी कौशलों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ सीपेट, यूपिको जैसी विशिष्ट संस्थाओं को भी कुल 810 लक्ष्यों का आवंटन कर युवाओं को नई दिशा देने की पहल की गई है।

पुरानी पेंशन योजना लाभ लेने के लिए अंतिम तिथि 31 सितंबर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने उन राज्य कर्मियों को जो नियमानुसार पुरानी पेंशन के हकदार हैं, निर्धारित तिथियों में लाभ प्राप्त करने के लिए विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सके हैं, उन्हें पुनः मौका दिया गया है। यह मौका राज्य कर्मियों के साथ पेंशन की संस्तुति संबन्धी आदेश पारित करने वाले अधिकारियों को भी दिया गया है।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने गुरुवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि 28 मार्च 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष हुआ है, उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, पूर्व में ओपीएस का विकल्प देने के लिए 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गयी थी, जिसके बढ़ाकर अब 30 सितंबर 2025 कर दिया गया है।

एक मतदान केंद्र पर होंगे तीन हजार मतदाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **14 अगस्त से घर-घर जाकर मतदाताओं का पुनरीक्षण करेंगे बूथ लेवल अफसर**

अमृत विचार : अगले वर्ष होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में एक मतदान केंद्र पर तीन हजार मतदाता मतदान करेंगे। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पात्र लोगों को मतदाता बनाने के लिए 14 अगस्त से बूथ लेवल अफसर बीएलओ घर-घर जाएंगे। मतदान केंद्र पर ज्यादा मतदाता होने पर एक से अधिक बीएलओ की नियुक्ति की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस सिलसिले में निर्देश जारी किया है।

पंचायतीराज विभाग व नगर विकास विभाग के बीच क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर विवाद की स्थिति के बीच निर्वाचन आयोग ने समय पर चुनाव कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्ष 2026 में होने वाले चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष कराने के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित किये जायं। 18 से अधिक आयु वाले अर्ह व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जायं। आयोग के अधिकारियों के अनुसार निर्देश के तहत 14 अगस्त से बीएलओ घर-घर जाकर सभी अर्ह लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित करेंगे। 29 सितंबर तक यह कार्य पूरा किया जाएगा। 14 अगस्त से 22 सितंबर तक लोग ऑनलाइन तरीके से मतदाता सूची में नाम शामिल करा सकेंगे। 23 सितंबर से 29 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदनों को घर-घर जाकर जांच की जाएगी।

54 अपर पुलिस अधीक्षक का तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

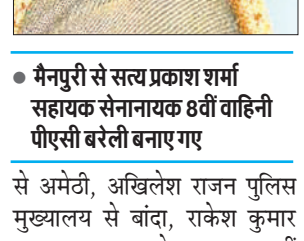

- **मैनपुरी से सत्य प्रकाश शर्मा सहायक सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली बनाए गए**

अमृत विचार : शासन ने गुरुवार को 54 डिप्टी एसपी के तबादले कर दिये। देर शाम को जारी आदेश के अनुसार गौरव कुमार शर्मा को एसीओ लखनऊ जोन से डिप्टी एसपी नागरिक उड्डयन एयरपोर्ट लखनऊ, हर्षिता गंगवार महोबा से तकनीकी सेवाएं, सीमा यादव को मंडलाधिकारी मुरादाबाद से सहायक सेनानायक 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद बनाया गया है।

इसी तरह धर्मेंद कुमार सिंह एसीपी लखनऊ से सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, शैलजा मिश्रा मुरादाबाद से पीटीसी मुरादाबाद, रुद्र कुमार सिंह मुरादाबाद से एसीपी प्रयागराज, विजय प्रताप यादव-2 बांदा साइबर क्राइम से एसीपी कानपुरबनाया गया है।

वहीं, अरविंद कुमार-2 एसीपी नोएडा से खीरी, आभा सिंह महाराजगंज से देवरिया, शिव प्रताप सिंह-1 देवरिया से महाराजगंज, आनंद कुमा-4 पुलिस मुख्यालय से सहायक सेनानायक 25वीं वाहिनी रायबरेली, श्वेताभ भास्कर अमरोहा से अमेठी, अखिलेश राजन पुलिस मुख्यालय से बांदा, राकेश कुमार नायक सहायक सेनानायक 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा से 1वीं वाहिनी एसएसएफ लखनऊ, राम शब्द पुलिस मुख्यालय से फिंगर प्रिंट ब्यूरो, लखनऊ, अमित कुमार एसीपी कानपुर से पीटीएस मेरठ, प्रदीप कुमार यादव सहायक सेनानायक 5वीं वाहिनी एसएसएफ सहारानपुर से एसीपी लखनऊ, राम सिंह यादव-2 जालौन से एसीपी वाराणसी, अंबुज सिंह यादव एसीपी गाजियाबाद से जालौन, उमेश कुमार पांडेय जालौन से सहायक सेनानायक 3वी वाहिनी एसएसएफ प्रयागराज, जयशंकर मिश्र अलीगढ़ से बलिया, जगमोहन सिंह पुलिस मुख्यालय, शिल्पा कुमारी हरदोई से गोरखपुर, आशुतोष चंदौली से मुख्यमंत्री सुरक्षा, संगम कुमार एटीसी सीतापुर से बाराबंकी, दिनेश कुमार पाठक एलआईयू अयोध्या से एटीसी सीतापुर, शैलेंद्र सिंह को अयोध्या से एलआईयू अयोध्या और पुरूषोत्तम शर्मा सहायक सेनानायक 15वीं वाहिनी पीएसी को 43वीं पीएसी एटा का सहायक सेनानायक बनाया गया है।

उपसेनानायक 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या अभय मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान और एएसपी पीएसी डॉ. अर्चना सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर बनाया गया। इसी तरह मऊ के एएसपी महेश सिंह अत्रि को पीटीएस मुरादाबाद भेजा गया है।

इसी तरह कृष्णकांत सरोज को एएसपी ग्रामीण बदायूं से अभिसूचना मुख्यालय मेरठ, डॉ. ह्रदेश कठेरिया को एडीसीपी नोएडा से एएसपी ग्रामीण बदायूं और अरविंद कुमार वर्मा-1 को एएसपी देवरिया उत्तरी से पुलिस मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है। इनके अलावा अन्य तबादले भी हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सपा को अधिक मतों से जिताने वाले स्कूल बंद किए गए हैं : अखिलेश

लखनऊ, अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला राजनीतिक है। इस सरकार में वही स्कूल बंद किए गए हैं, जहां पर वोट पड़ते थे, और सपा चुनाव में जीतती थी। सपा प्रमुख गुरुवार को संसद परिसर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अधिकार का कानून है कि सभी बच्चों को शिक्षा मिलेगी, स्कूल बच्चों के घर के पास हो। सपा सरकार में लखनऊ में संस्कृति स्कूल बनाया गया था। बनने के बाद स्कूल चलाया गया लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बंद कर दिया।

ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण होंगे

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए ट्रिपल सी व ओ लेवल के अलावा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने इस सिलसिले में अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री गुरुवार को विधानभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

पीएम पर टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर, एजेंसी : जिले के पचपेड़वा क्षेत्र में पुलिस ने प्रधानमंत्री और एक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने गुरुवार को बताया कि पचपेड़वा थाने में मिथिलेश कुमार के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के बाद उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एक समुदाय विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मिथिलेश कुमार एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चैनल चलाता है और खुद को पत्रकार बताता है।

लॉगिन से देखेंगे डेयरी के आवेदनों की स्थिति

लखनऊ, अमृत विचार : नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना के तहत दुग्ध उत्पादन इकाइयों के आवेदनों की पोर्टल से मॉनीटरिंग की जाएगी। सरलता और पारदर्शिता के लिए मुख्यालय व जिले के अधिकारियों को लॉगिन आईडी दिए जाएंगे। इससे आवेदन की स्थिति और प्रगति का पता चलेगा।

करोड़ों की छात्रवृत्ति घोटाले में प्रबंधक को किया गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : हाथरस में हुए करोड़ों रुपये के छात्रवृत्ति घोटाले में श्रीकृष्णा पीजी कालेज के प्रबन्धक राजेश कुमार उर्फ राजीव गुप्ता को ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक 11 आरोपी गिरफ्तार हो चुके है। पिछड़ा वर्ग के 2009-10 में कक्षा-8 से स्नातकोत्तर तक के छात्रों को दी जाने वाले छात्रवृत्ति के पौने तीन करोड़ रुपये फर्जीवाड़ा कर हड़प लिये गये थे।

ईओडब्ल्यूड अधिकारी के राजीव गुप्ता को टीम ने एटा से गिरफ्तार किया। राजीव गुप्ता श्रीकृष्ण पीजी कॉलेज का प्रबंधक है। डीजी ईओडब्ल्यू नीरा रावत द्वारा आपरेशन शिकंजा चलाया जा रहा है। इसके तहत 2009-2010 में पिछड़ा वर्ग के कक्षा-8 से स्नातकोत्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति 2,74,92,689 रुपये शासन द्वारा जारी की गई थी। 14 शैक्षिक संस्थानों के प्रबंधकों, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व बैंक कर्मियों की मिली भगत से इस राशि की हेराफेरी की गई। इस मामले में हाथरस के थाना मुरसान में 8 मार्च 2011 को रिपोर्ट दर्ज की गई। 24 अप्रैल 2014 को मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई। इस मामले में कुल 33 आरोपियों को दोषी पाया गया। इसमें सात सरकारी अधिकारी व कर्मचारी के अलावा 26 बाहरी व्यक्ति थे। अब तक 11 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अन्य 22 आरोपियों की तलाश में टीम लगातार दबिश दे रही है।

मुख्यमंत्री बोले- महाकवि तुलसीदास ने नहीं स्वीकारा दरबारी कवि बनना

अकबर के साफ्ट चेहरे के पीछे थी क्रूरता : योगी

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार: गुरुवार को चित्रकूट के राजापुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विदेशी आक्रांता अकबर के साफ्ट चेहरे के पीछे क्रूरता छिपी हुई थी। उस समय जब उसके नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची हुई थी तब महाकवि तुलसीदास ने उसका दरबारी कवि बनना स्वीकार नहीं किया बल्कि अपना जीवन प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को चित्रकूट में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करते हुए। ● एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तुलसीतीर्थ राजापुर में महाकवि तुलसी जी की जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होने आए थे। उन्होंने इस मौके पर तुलसी जन्मकुटीर और मानस मंदिर में पूजा अर्चना की। तुलसी रिसोर्ट में संत मोरारी बापू की अगुवाई में चल रहे कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि राजापुर उनके जन्म से अमर हो गया।

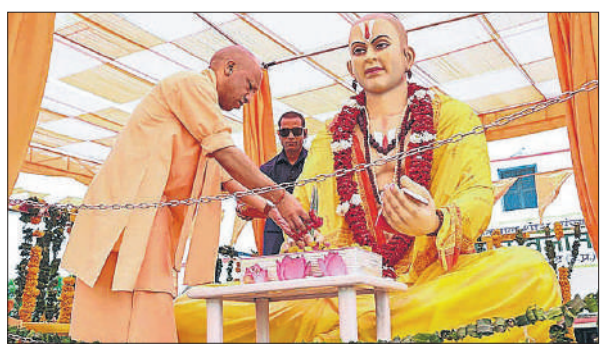

उन्होंने कहा कि अकबर के कालखंड में जब उसके नवरत्नों में शामिल होने की होड़ मची थी तब रामबोला नामक इस विभूति ने अकबर का दरबारी कवि बनने से इंकार कर दिया था। तुलसी जी ने कहा था कि यह मेरी प्रवृत्ति नहीं है कि मैं दरबारी बनकर किसी विदेशी आक्रांता की शरण में जाऊं। मैं अपने को प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि कौन नहीं जानता कि अकबर ने अपना साफ्ट चेहरा लोगों के सामने रखा था लेकिन उसके पीछे की क्रूरता थी। तब भी पूज्य संतों ने उसका प्रतिकार किया। प्रतिकार का तरीका सिर्फ लड़ना नहीं, बल्कि रामलीला के मंचन से घर घर जागरूक करना भी होता है, जो तुलसीदास जी ने किया।

इस दौरान उन्होंने राजापुर के महात्म्य का भी वर्णन किया। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चित्रकूट में तमाम विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने चित्रकूट और राजापुर के साथ महर्षि वाल्मीकि तपोभूमि लालापुर की महिमा का भी जमकर बखान किया। आयेदिन कथावाचकों, संतों पर लोगों द्वारा की जाने वाली टीका टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ लोगों का काम ही है, संतों को विवादित करना। इस समय अनावश्यक रूप से संतों को विवादित करने का काम किया जा रहा है।

इसके साथ ही वे गनीवां भी पहुंचे और वहां पर कृषि विज्ञान केंद्र गनीवां के तुलसीदास परिसर में सीएम योगी ने मोरारी बापू के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी की लगभग साढ़े छह फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री इस मौके पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य, संत मोरारी बापू, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, जिला प्रभारी मंत्री मनोहरलाल आदि जनप्रतिनिधि, संत महंत मौजूद रहे।

हादसे में छात्रा की मौत, सदमे में बहन ने खाया जहर, परिजनों ने लगाया जाम

उन्नाव का मामला : सीओ समेत कई थानों का फोर्स पहुंचा मौके पर

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

● बैराज मार्ग पर तीन घंटे तक फंसे रहे वाहन सवार

अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पंचमपुरवा मजरा लालूपुर में गुरुवार को उस समय कोहराम मच गया जब स्कूल से लौट रही एक हाईस्कूल छात्रा को तेज रफ्तार क्रेन ने टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही घर में मातम पसर गया। वहीं, छोटी बहन की मौत से दुखी बड़ी बहन ने जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। उधर, गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने गंगा बैराज मार्ग पर पुलिस बैरियर लगाकर रास्ता जाम कर दिया।

पंचमपुरवा मजरा लालूपुर निवासी शिवकुमार की 16 वर्षीय बेटी दिव्यांशी अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी विद्यालय में हाईस्कूल की छात्रा थी। गुरुवार सुबह करीब 10:40 बजे वह स्कूल से साइकिल से घर लौट रही थी। जैसे ही वह गरेरेपुरवा तिराहे के पास पहुंची, पीछे से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित क्रेन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दिव्यांशी सड़क पर उछलकर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना की जानकारी उसकी सहेली अंशिका ने परिजनों को दी। मौके पर पहुंची बैराज चौकी पुलिस ने घायल छात्रा को इलाज के लिए हैलट अस्पताल कानपुर भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, दुर्घटना के बाद भाग रहे क्रेन चालक को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की।

बाद में पुलिस उसे हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई। छात्रा की मौत की सूचना मिलते ही उसकी बड़ी बहन अंजलि ने गहरे सदमे में आकर जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनों ने उसे तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण बैराज चौकी पहुंचे और मार्ग पर पुलिस बैरियर लगाकर जाम लगा दिया। दोपहर करीब 12 बजे से शुरू हुआ यह जाम तीन घंटे तक बना रहा। सूचना पर कोतवाली प्रभारी पी.के. मिश्रा ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन नहीं माने। इसके बाद सीओ बांगरमऊ मधुपनाथ मिश्रा, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी और अचलगंज, माखी, दही, सदर कोतवाली, सफीपुर, बीघापुर, महिला थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।

काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों को शांत कराया गया। इस दौरान मृतका की मां मंजू देवी ने चालक के खिलाफ कार्रवाई की तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने क्रेन को कब्जे में लेकर चौकी परिसर में खड़ा करा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

साहब, मुकदमा नहीं लड़ पायेंगे

मृतका की मां मंजू देवी, भाई अजय और बहन अनामिका पुलिस से लगातार कहती रहीं कि हम गरीब लोग हैं, मुकदमा नहीं लड़ पाएंगे। कुछ मौके पर ही दिलवा दीजिए। इस पर पुलिस ने मां से तहरीर लेकर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

तीन घंटे जाम में फंसे लोग

जाम में फंसी कई शिक्षिकाएं अपनी गाड़ी लेकर निकलना चाह रही थीं। उन्होंने विनती भी की लेकिन आक्रोशित लोगों ने एक न सुनी। वहीं अन्य वाहन सवार भी जाम में तीन घंटे तक फंसे रहे। जाम के बीच एक एम्बुलेंस भी फंस गई। पुलिस ने भीड़ से एम्बुलेंस को निकलने देने को कहा, लेकिन लोगों ने इनकार कर दिया। इस पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच कहासुनी हो गई।

पुलिस से मुठभेड़ में हत्या मामले के दो आरोपी गिरफ्तार

मेरठ, एजेंसी: जिले के मवाना क्षेत्र में हत्या के मामले में वांछित दो इनामी आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि 15 जुलाई को मवाना क्षेत्र के शिवनगर जुड्डी मोहल्ले में सुनील (37) नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चार आरोपियों की पहचान की गई थी। उनमें से सुहैल उर्फ डेविल और बल्लू उर्फ जिया मेहंदी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

उन्होंने बताया कि बुधवार रात करीब 10 बजकर 45 मिनट पर मवाना से फलावदा जाने वाले मार्ग पर निलोहा कट के पास जांच कर रही पुलिस टीम ने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को संदेह के आधार पर रोकने का प्रयास किया, मगर उन लोगों ने रुकने के बजाय पुलिस पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी और उन्हें पकड़ लिया गया।

फर्जी दस्तावेजों से हड़पी गई 7.12 एकड़ सरकारी जमीन

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भू-माफिया के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई सामने आई है। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल के निर्देश पर 7.12 एकड़ सरकारी जमीन को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हड़पने के मामले में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले में चकबंदी व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संलिप्तता भी उजागर हुई है, जिन पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

तहसील बलरामपुर की ग्राम सभा बलरामपुर देहात के गाटा संख्या 1655 और 1671 की जांच के लिए जिलाधिकारी ने एक संयुक्त समिति गठित की थी। जांच में सामने आया कि वर्ष 1982-83 में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान उक्त भूमि को सरकारी खाते से हटाकर कूटरचित तरीके से मोहम्मद शाह पुत्र नीजर खां के नाम दर्ज किया गया। इसमें तत्कालीन चकबंदी लेखपाल, चकबंदीकर्ता और सहायक चकबंदी अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इस जमीन को मन्नरमाला पत्नी जुम्मन निवासी कालीथान बलरामपुर ने फर्जी वसीयत के जरिए अपने नाम कराकर भूमिधरी हासिल कर ली। इसके बाद मन्नरमाला ने जमीन का बैनामा बृजराज सिंह, , संध्या सिंह और विभा सिंह आदि के नाम कर दिया, जिन्होंने नायब तहसीलदार से अपने पक्ष में नामांतरण भी करा लिया। इस फर्जीवाड़े में अजीज अहमद खां व रशीद अहमद खां के वारिस मुजीब अहमद और इमरान अहमद आदि के नाम भी सामने आए हैं।

2017 में हुआ बड़ा खेल, नामांतरण के जरिए कब्जा

जांच में यह भी सामने आया कि जुलाई 2017 में तत्कालीन चकबंदी अधिकारी कैलाश चन्द्र भारती ने उमानाथ, विष्णु प्रताप, राकेश कुमार, रघूराज, महेंद्र पाल पुत्रगण छोटेलाल के पक्ष में आदेश पारित कर दिया। इसके बाद नायब तहसीलदार और तहसीलदार द्वारा सरसरी तौर पर नामांतरण की प्रक्रिया पूरी कर दी गई।

उत्तराखंड में पीएम शहरी आवास पाने वालों का होगा पुनः सत्यापन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

● कहा-शहरों में पारित नक्शों के अनुरूप ही किए जाएं निर्माण

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आवास विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ईडब्ल्यूएस (शहरी) आवासों का लाभ जिन लोगों को दिया गया है, उनका पुनः सत्यापन किया जाए।

गुरुवार को सचिवालय में आवास विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि, योजना का लाभ सिर्फ पात्र लोगों को ही मिले। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आगे जो भी आवास आवंटन किए जाएं, यह सुनिश्चित करें कि केवल पात्र लोगों को ही मिलें। उन्होंने राज्य के अंतर्गत विभिन्न शहरों के मास्टर प्लान के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश के साथ कहा कि, मास्टर प्लान के साथ शहरों की धारण क्षमता का आकलन भी किया जाए। नगर क्षेत्रों में जल संरक्षण के साथ ही पौधरोपण पर भी ध्यान दिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि शहरी क्षेत्रों में प्राधिकरणों द्वारा पारित नक्शों के अनुरूप ही निर्माण कार्य हों। बिल्डिंग और सोसाइटी निर्माण कार्यों में वाटर हार्वेस्टिंग और ग्रीनरी का भी विशेष ध्यान दिया जाए। अतिक्रमण हटाने के लिए सख्ती से काम करें। आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवासों के नक्शे निर्धारित समयावधि में पास किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने पंचायतीराज विभाग को एकीकृत पंचायत भवनों का निर्माण कराने के साथ ही नव-निर्वाचित ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं जिला पंचायत सदस्यों को आधुनिक तकनीक, वित्तीय प्रबंधन और शासन प्रणाली पर प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए हैं। एक अन्य फैसले में मुख्यमंत्री अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत लाभार्थियों को सिलेंडर भरने के लिए धनराशि अब डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

13,093 एमबीबीएस सीटों पर अब मिल सकेगा दाखिला

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की प्रथम चरण की काउंसिलिंग में प्रदेश के 44 सरकारी मेडिकल कॉलेज समेत कुल 110 मेडिकल कॉलेजों की 13 हजार 93 एमबीबीएस सीटें शामिल होंगी। कॉलेजों की सीटों का व्यौरा चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया गया है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि प्रथम चरण की काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची सार्वजनिक कर दी गयी है। मेरिट क्रम में अभ्यर्थियों को 4 अगस्त तक तीन –तीन कॉलेजों की च्वाइस देनी होंगी। रिक्त सीट की उपलब्धता पर 5 अगस्त को सीट आवंटित कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कॉलेजों में राज्य कोटे की 85 प्रतिशत सीटों पर यूपी नीट यूजी काउंसिलिंग से दाखिले होंगे, शेष 15 प्रतिशत सीटो पर ऑल इंडिया कोटे से दाखिले लिए जाएंगे।

प्रदर्शन में स्कूली बच्चों को शामिल करने पर सपा नेता पर मुकदमा

भदोही, एजेंसी

● बच्चों को टॉफी का लालच देकर बैनर व पोस्टर थमाए

प्रदेश में बच्चों की कम संख्या वाले विद्यालयों के विलय संबंधी प्रदेश सरकार के निर्णय के खिलाफ प्रदर्शन में स्कूली बच्चों को शामिल करने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) की एक नेता समेत करीब एक दर्जन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि औराई विकास खंड के सिकंदरा गांव के प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले 40 बच्चों को उनके अभिभावकों की सहमति पर वहां से 800 मीटर दूरी पर पिलखनी गांव में खाली पड़े आंगनवाड़ी केंद्र में पढ़ाई के लिए भेजा गया। उन्होंने बताया कि बुधवार को सपा नेता अंजनी सरोज अपने समर्थकों के साथ उस आंगनवाड़ी केंद्र पहुंची और वहां बच्चों को पेंसिल, रबर आदि भेंट की। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद अंजनी सरोज और उनके समर्थकों ने बच्चों को टॉफी का लालच देकर उनके हाथों में बैनर, पोस्टर थमा दिया तथा सभी बच्चों को सिकंदरा प्राथमिक विद्यालय ले जाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच मुख्य विकास अधिकारी और उपजिला अधिकारी से कराई गई और विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने जिले के चौरी थाना में इन लोगों के खिलाफ बृहस्पतिवार देर शाम मुकदमा दर्ज कराया। शैलेश कुमार ने बताया कि इस मामले में औराई के सहायक शिक्षा अधिकारी रमाकान्त सिंगरौल की लापरवाही को देखते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच का आदेश दिया गया। चौरी थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि स्कूल के प्रधानाध्यापक सभाजीत यादव की शिकायत पर अंजनी सरोज समेत अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रामपथ पर स्थित मंदिर में दो क्विंटल के चांदी के झूले पर झूले सियाराम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में झूलनोत्सव अपने चरम पर है। अयोध्या के मंदिर रंग-बिरंगी लाइटों व फूल मालाओं से सजाए गए हैं। रामपथ पर स्थित राजगोपाल मंदिर में दो क्विंटल के चांदी के झूले पर सिया सरकार झूला झूल रहे हैं। इस मंदिर को आम श्रद्धालुओं के लिए महज पांच घंटे के लिए ही खोला जाता है।

राम जन्मभूमि से महज एक किमी. पर स्थित राज गोपाल मंदिर में सैकड़ों वर्षों से झूलनोत्सव की परंपरा का निर्वाह किया जा रहा है। प्रतिदिन चांदी के इस झूले सहित भगवान का श्रृंगार किया जाता है। मंदिर परिसर के पांच पुजारी रोज भगवान का श्रृंगार अभिषेक करते हैं। अन्य पुजारी चांदी के सिंघासन को उत्सव के लिए अलग-अलग इत्र से महकाते और फूलों से सजाते हैं। शाम होते ही मंदिर सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजायमान हो जाता है।

राजगोपाल मंदिर में झूलनोत्सव की झांकी का मनोहर दृश्य। ● अमृत विचार

● आम श्रद्धालुओं के लिए शाम को सिर्फ पांच घंटे के लिए खुलता है राजगोपाल मंदिर

मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी शरद शुक्ला के मुताबिक प्रतिदिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन कराए जाने के लिए शाम को 5 घंटे के लिए ही खुलता है।

पूरे दिन बड़े ही विधि विधान से इस मंदिर में भगवान का पूजन-अर्चन चलता है। मंदिर की मनमोहक भगवान का स्वरूप के सामने सांस्कृतिक अयोजन, गीत संगीत किया जाता है।

4 अगस्त तक रहेगा यलो अलर्ट

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : राज्य के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश और भूस्खलन से मार्ग बाधित होने का दौर जारी है। राज्य मौसम विभाग ने चार अगस्त तक का यलो अलर्ट जारी किया है। इसका असर कुमाऊं मंडल में ज्यादा रहेगा। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा को दो दिन तक अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है।

केदारनाथ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाते पुलिसकर्मी।

अलर्ट के अनुसार, शुक्रवार को देहरादून, पौड़ी, टिहरी और बागेश्वर जनपदों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है जबकि सभी जनपदों में कहीं-कहीं गरज और चमक के साथ तीव्र से तीव्र की बारिश होने का अनुमान है। दो अगस्त को नैनीताल और बागेश्वर में कहीं-कहीं भारी बरसात तो पर्वतीय एवं मैदानी जिलों में मौसम बिगड़ रहेगा। तीन और चार अगस्त को भी नैनीताल, बागेश्वर, चम्पावत, देहरादून और टिहरी में भी ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

उधर, रुद्रप्रयाग में बुधवार रात हुई भारी बारिश से सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में सड़क क्षतिग्रस्त होने से केदारनाथ हाईवे पूरी तरह से बंद होने से धाम की यात्रा को दो दिन के लिए रोक दिया गया है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान केदारनाथ में फंसे ढाई हजार यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाने में जुटे है।

उत्तराखंड में पंचायत चुनाव के नतीजे घोषित हुए

देहरादून, अमृत विचार : उत्तराखंड में सामान्य त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना गुरुवार सुबह 8 बजे से शुरू हुई और देर रात तक चलती रही। कई जिलों में प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा अनुकूल रहा तो कहीं चुनावी नतीजे अप्रत्याशित आए हैं।

कुमाऊं में जहां युवाओं का वर्चस्व रहा तो नैनीताल में भाजपा की समर्थित प्रत्याशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया की हार चर्चाओं में रही। निर्दलीय प्रत्याशी छवि कांडपाल ने यहां जीत दर्ज की। अल्मोड़ा में दंपती को क्षेत्र पंचायत चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

तैयारी

पुनर्वासन की रीढ़ बनेंगें वन स्टॉप सेंटर, बाल सेवा और स्पॉन्सरशिप योजनाएं

यूपी को बाल श्रम से मुक्त कराने की बनी कार्ययोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराने के लिए व्यापक और चरणबद्ध रणनीति तैयार की गई है। श्रम विभाग की इस कार्ययोजना के केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग को रखा गया है, जो न केवल संकटग्रस्त बच्चों की पहचान और सहायता करेगा, बल्कि पुनर्वासन के हर स्तर पर प्रमुख भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश के आठ आकांक्षी जनपदों बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र को बाल श्रम से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कानपुर मंडल और देवीपाटन मंडल में भी विशेष बाल श्रम विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

'बाल सेवा योजना' के तहत अनाथ, परित्यक्त और संकटग्रस्त बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनकी शिक्षा और पालन-पोषण बाधित न हो। इस योजना के तहत योगी सरकार ऐसे बच्चों को 2500 रुपये प्रतिमाह उपलब्ध कराती है। इसी प्रकार, स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह सहयोग राशि दी जाती है, ताकि वे शिक्षा और जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहें।

75 जिलों में होगा बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार

प्रदेश सरकार की बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार अब सभी 75 जिलों में करने की योजना है। इस योजना के तहत काम में लगे बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ा जाएगा और उन्हें छात्रवृत्ति, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और विशेष शिक्षण सहायता प्रदान की जाएगी। शिक्षा विभाग इन बच्चों के पुन: नामांकन और शैक्षिक सहयोग की जिम्मेदारी निभाएगा।

पंचायत स्तर पर प्रवासी बच्चों का डाटा संग्रह अनिवार्य

पंचायत स्तर पर कामकाजी बच्चों और प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा निगरानी से बाहर न रहे। पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल प्रबंधन समितियां इस कार्य में सहयोग करेंगी। इसके अलावा, बाल श्रम उन्मूलन अभियान को जनांदोलन बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सिविल सोसाइटी की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

किसानों के 252 करोड़ के बकाये में दो चीनी मिलों की संपत्ति कुर्क

केसर चीनी मिल पर 182 करोड़, नवाबगंज की ओसवाल पर है 70 करोड़ का बकाया

ओसवाल चीनी मिल की जमीन को सील करती अफसरों की टीम। ● अमृत विचार

केसर चीनी मिल के मुडिया फार्म पर मौजूद अफसरों की टीम। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : गन्ना किसानों का बकाया नहीं चुकाने वाली मिलों पर सरकार सख्त हो गई है। लगातार चेतावनी और नोटिस देने के बाद भी बहेड़ी की केसर चीनी मिल और नवाबगंज की ओसवाल चीनी मिल ने किसानों का 252 करोड़ भुगतान नहीं किया तो सख्ती करते हुए गुरुवार को इनकी संपत्ति को कुर्क कर दिया गया। इन्हें बेचकर किसानों के बकाये का भुगतान किया जाएगा।

नवाबगंज में किसानों के करोड़ों रुपये दबाये बैठी औरंगाबाद स्थित ओसवाल चीनी मिल पर किसानों के गन्ने का 70 करोड़ रुपये बकाया है। जिसमें गत सत्र का करोड़ों रुपया भी शामिल है। ओसवाल चीनी मिल ने पिछले भुगतान के साथ ही इस सीजन मे गन्ने का भुगतान न के बराबर किया है।

गन्ने का भुगतान न करने पर गन्ना आयुक्त ने 26 मई को चीनी मिल के विरुद्ध आरसी जारी कर दी गई थी। इसके बाद भी मिल प्रबन्धन ने भुगतान नहीं किया गया। गुरुवार को एसडीएम उदित पवार के नेतृत्व में तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार सत्यवीर सिंह व राजस्व स्टाफ ने पूरे मिल परिसर की कुर्की की कार्यवाही कर गन्ना सचिव मेधा चतुर्वेदी को चाबी सौंप दी। तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह ने बताया कि मिल के गोदाम में 18,900 क्विंटल चीनी पायी गई है। इसके साथ मशीनरी सहित पूरे मिल परिसर को सीज कर दिया गया है। विधिवत सारे सामान व भूमि का मूल्यांकन कराने के बाद इसकी नीलामी कर किसानों के बकाए का भुगतान किया जाएगा।

केसर ने इस साल न के बराबर किया भुगतान

बहेड़ी। कई चेतावनी के बाद भी गन्ना किसानों का 182 करोड़ बकाये का भुगतान नहीं करने पर केसर चीनी का मुडिया फार्म को गुरुवार को कुर्क कर दिया गया। केसर चीनी मिल ने इस सीजन में किसानों को गन्ने का भुगतान न के बराबर किया है। किसानों का मिल पर 182 करोड़ रुपए बकाया है। गन्ना आयुक्त द्वारा दिनांक 26 मई को को चीनी मिल के विरुद्ध आरसी जारी कर दी थी। जिसके बाद गुरुवार को जिला गन्ना अधिकारी ने मिल का मुंडिया फॉर्म कुर्क कर दिया है। जिला गन्ना अधिकारी ने नायब तहसीलदार की उपस्थिति में तहसील प्रशासन द्वारा चीनी मिल बहेड़ी के मुड़िया फार्म के कुर्की की कार्यवाही की। इस मौके पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक बहेड़ी, सचिव गन्ना समिति बहेड़ी, लेखपाल एवं अमीन भी उपस्थित रहे।

कांवड़ियों के भेष में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

भुता, अमृत विचार : कांवड़ियों के वेश में जत्थे में शामिल होकर उनका सामान चोरी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

भुता पुलिस ने फरीदपुर रोड पर महेशपुर तिराहे पर भगवत सरन को पकड़ा है। आरोपी ने बताया कि वह कांवड़ियों की वेशभूषा धारण कर रोड पर लगे शिविर में रुक जाता था और वहां मौजूद लोगों से कहता था कि वह अपने जत्थे से बिछड़ गया है। रात होने पर जब सब लोग थक कर सो जाते थे तो उनके बैग की तालशी कर मोबाइल रुपये आदि लेकर फरार हो जाता था। पुलिस ने आरोपी के पास से पांच मोबाइल, 2 हजार नगद और कांवड़यों की ड्रेस बरामद कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अगले जन्म में फिर मिलेंगे लिखकर फंदे पर झूला युवक

संवाददाता भमोरा

● शादी तय होने के बाद साड़ी का फंदा लगाकर दी जान

,अमृत विचार : बचपन से चले आ रहे प्रेम को घरवालों ने नजरअंदाज किया और उसकी शादी भी तय कर दी। दो माह बाद शादी होने वाली थी। इस बीच प्रेमिका ने कहा कि शादी हो गई तो वह जिंदा नहीं रहेगी। इसी बीच युवक ने फेसबुक पर लिखा कि इस जन्म में नहीं मिले अगले जन्म में मिलेंगे बाय-बाय। यह लिखकर गले में साड़ी का फंदा लगाकर जान दे दी।

थाना क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल में रहकर इंटर पास करने वाले युवक का गांव की निवासी एक किशोरी से प्रेम चल रहा था। वह भी उसके रिश्तेदारी में ही थी। शुरुआत में घरवालों ने इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब बात गंभीर हुई और ननिहाल वालों को जानकारी हुई तो युवक की शादी दूसरी जगह तय कर दी। लड़के का तिलक समारोह भी हो गया। दो माह बाद शादी होना तय थी। प्रेमिका के साथ जीने मरने की कसम खाने वाले युवक के सामने लड़की ने स्पष्ट कह दिया कि तुम्हारी शादी हो गई तो वह जान दे देगी। इसी के बाद युवक परेशान रहने लगा और उसने फेसबुक पर लिखा कि इस जन्म में नहीं मिले अगले जन्म में मिलेंगे और बाय-बाय कहकर साड़ी का फंदा लगा जान दे दी। ननिहाल वालों ने शव को उतारा। पुलिस को सूचना दिये बिना उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

बाइक ने मारी टक्कर, पत्नी की मौत

संवाददाता, कैंट,

अमृत विचार : ससुराल से लौटते समय बाइक सवार दंपति को तेज रफ्तार बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे महिला की गिरकर मौत हो गई। टक्कर मारने वाला बाइक सवार फरार हो गया है। बुधवार को देर रात कैंट थाने में पति ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव फकीराबाद निवासी विवेश ने बताया, कि 10 जुलाई को पत्नी के साथ बाइक से नकटिया स्थित ससुराल गये थे। दोपहर को वहां से लौटते समय चौबारी के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे पत्नी रजनी बाइक से गिर गई। उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल: फतेहगंज पश्चिमी, नेशनल हाइवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया। बृहस्पतिवार को रामपुर के कस्बा और कोतवाली मिलक निवासी पप्पू बाइक से बरेली जा रहे थे। गांव थानपुर के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने साइड मार दी, जिससे वह अनियंत्रित होकर रोड किनारे खाई में गिर गए। सिर में चोट लगने से गंभीर हो गए। राहगीरों ने बरेली अस्पताल भेज दिया।

नकली रिफिल बेचने वाले को पकड़ा

नवाबगंज, अमृत विचार: आल आउट की नकली रिफिल बेचने वाले दुकानदार को पुलिस ने पकड़ा है। कंपनी के अधिकारियों के साथ की छापे मारी में 18 नकली रिफिल बरामद हुई हैं। कंपनी मैनेजर ने मामले की तहरीर थाने में दी है।

मोहल्ला सराय में एम पी इंटरप्राइजेज पर काफी समय से नकली आल आउट रिफिल बेची जा रही थी। टोलफ्री पर इसकी शिकायत की गई थी। तीन दिन पूर्व कंपनी के सीनियर मैनेजर ओजस्वी शर्मा ने कस्बे में आकर इसकी पड़ताल भी की तो वह सही पाई गई। उनकी रिपोर्ट पर गुरुवार को मैनेजर राकेश कुमार ने पुलिस को इसकी सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने छापामारी की जिसमें दुकान से 18 नकली रिफिल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी दुकानदार को भी हिरासत में ले लिया है।

चेयरमैन पर भेदभाव का आरोप, विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : गुरुवार को आंवला नगर में नगरपालिका परिषद के चेयरमैन सय्यद आबिद अली के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। भाजपा से जुड़े सभासदों, नगरवासियों और पार्टी पदाधिकारियों ने भारी संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान ''चेयरमैन मुर्दाबाद'' जैसे नारे लगे और एसडीएम आंवला विदुषी सिंह को ज्ञापन सौंपा गया।

सभासदों ने आरोप लगाया कि चेयरमैन की कार्यशैली तानाशाहीपूर्ण है। वार्ड संख्या 5 के सभासद सूरजपाल मौर्य ने बताया कि 18 जुलाई को मोहल्ले की समस्याओं को लेकर वे चेयरमैन से मिलने गये थे, लेकिन चेयरमैन ने अभद्र व्यवहार कर बाहर निकाल दिया। उन्होंने चुनाव न लड़ने की धमकी भी दी।

तहसील के बाहर चेयरमैन के खिलाफ प्रदर्शन करते भाजपाई।

● चेयरमैन पर गंभीर आरोप भाजपाइयों और सभासदों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

वहीं, वार्ड 6 के सभासद राजीव कुमार ने बताया कि उनके मोहल्ले में नाले का गंदा पानी टोटियों में आ रहा था, शिकायत करने पर पालिका ने टोटी ही उखाड़ दी।

सभासद सचिन गुप्ता ने आरोप लगाया कि चेयरमैन धार्मिक भेदभाव कर रहे हैं। हिंदू बस्तियों में लाइटें बंद पड़ी हैं, जबकि अपने समाज की बस्तियों में अतिरिक्त लाइटें लगवा दी गईं। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनमोल गुप्ता ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं से सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

पूर्व चेयरमैन संजीव सक्सेना ने भी आरोप लगाया कि चेयरमैन आस्था स्थलों से छेड़छाड़ कर रहे हैं और विकास का पैसा अपनी कॉलोनी में लगा रहे हैं।चेयरमैन सय्यद आबिद अली ने आरोपों को राजनीति प्रेरित और निराधार बताया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

ससुराल से एक लाख नकदी व जेवरात लेकर पति फरार

शीशगढ़, अमृत विचार : कस्बा निवासी एक महिला ने अपने पति पर नगदी व जेवरात चोरी करने के आरोप में पुलिस को तहरीर दी है।

मोहल्ला साहूकारा निवासी रामलू ने पुलिस को बताया कि उसका पति रामपाल निवासी ग्राम गुलडिया थाना मीरगंज करीब दो महीने से उसके मायके में रह रहा था। 23 जुलाई को रात में सब लोग सो रहे थे। तो वह घर में से एक लाख रूपए नगद, एक जोड़ी सोने के कुंडल, 15 तोला चांदी की जेवरी चोरी करके रात में फरार हो गया। सुबह उठकर देखा तो अलमारी खुली थी और उपरोक्त व्यक्ति घर पर नहीं था। रुपए तथा सामान भी नहीं था। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कारवाई की मांग की है।

बहेड़ी पुलिस ने पांच माह बाद बरामद की चोरी की कार

बहेड़ी, अमृत विचार : कोतवाली पुलिस ने दो माह पूर्व चोरी हुई स्विफ्ट कार को चुरा कर ले जाने वाले चोर को गिरफ्तार कर लिया है। मोहम्मद ताहिर पुत्र मुमताज अहमद निवासी तल्लपुरा कस्बा बहेड़ी ने 24 फरवरी को पुलिस को कार चोरी की तहरीर दी थी। चोर भागते समय अपनी बाइक मौके पर ही छोड़ गये थे। बुधवार को गश्त के दौरान पुलिस को केशवपुरम फाटक के पास एक व्यक्ति को स्विफ्ट कार के साथ देखा।। उसके पास से चोरी हुई कार भी पकड़ी। अपना नाम हरप्रीत पुत्र अजीत सिंह निवासी देवरनियां प्रसादी लाल कोतवाली नवाबगंज जिला बरेली बताया।

निरीक्षण में बंद मिली खाद की दुकान

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : बनइया स्थित नथपुरा सहकारी समिति का तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति का चैनल गेट में ताला पड़ा था। समिति संचालक मौके पर थे। इतनी जल्दी दुकान बंद करने का कारण पूछने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनसे दुकान खुलवाई गई और फिर स्टॉक रजिस्टर, बिक्री रजिस्टर, यूरिया डीएपी और अन्य पीओएस मशीन का भौतिक सत्यापन भी किया गया। किसानों ने समिति बंद रहने की शिकायत की थी।

कई बार इसपर धरना प्रदर्शन भी किया जा चुका है। समिति के बाहर संचालक ने अपना नंबर न लिखवाकर अन्य किसी का नंबर लिखवा दिया है। जो महिला उठाती है और रॉग नंबर बताकर कॉल काट देती है। रजिस्टर में 30 तारीख तक का स्टॉक अपडेटेड था। उसके बाद अद्यतन सूचना नहीं थी। इसपर तहसीलदार ने नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान राजस्व निरीक्षक, क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

एसओजी ने टैंकर चालक पकड़ा

आंवला, अमृत विचार: बीती रात आंवला वजीरगंज रोड की घटना का खुलासा करने में जुटी एसओजी टीम को आंवला भमोरा रोड पर टैंकर से तेल चोरी होता हुआ मिल गया। टीम के एक कर्मी ने चालक को दबोच लिया। इसी बीच ग्रामीणों की भीड़ ने उन लोगों को चोर समझकर उनकी पिटाई कर दी। पुलिस ने चालक कै हिरासत में लेकर टैंकर को कब्जे में कर लिया है।

गुरुवार की दोपहर एक टैंकर से तेल चोरी का काम किया जा रहा था। इसी बीच एक बगैर नम्बर की कार आ गयी। टैंकर के पास कार रुकने से तेल चोर समेत टैंकर चालक ने उक्त कार सवारों को डिपो अधिकारी समझा। वह लोग टैंकर छोडकर खेतों की ओर भागने लगे। कार सवार एक व्यक्ति टैंकर चालक के पीछे दौडने लगा। कार सवार ने अपने आपको एसओजी पुलिस बताया।

5वीं तक की मान्यता में चलती मिलीं उच्च कक्षाएं

संवाददाता,शेरगढ़

अमृत विचार: खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती ने पीएमश्री विद्यालय बल्ली समेत ब्लॉक के कई विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया और बच्चों के साथ मिडडेमील की भी गुणवत्ता देखी।

उन्होंने प्राथमिक विद्यालय सलपुरा, नगरिया कलां, मीरपुर, लखीमपुर, ढकिया डैम, जगदीशपुर, धर्मपुरा आदि का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने परमहंस शिक्षा निकेतन बल्ली का दौरा किया यहां कक्षा 5 तक अस्थाई मान्यता है लेकिन कक्षाएं उच्च क्लास की भी संचालित होती पाई गईं। इस पर उन्होंने नोटिस जारी करते हुए स्थाई मान्यता लेनेतक विद्यालय का संचालन बंद करने को निर्देश दिया।। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक झांझन लाल गंगवार, रेहाना बेगम, हरिओम, चित्रसेन गंगवार, अभिषेक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रधान और इंचार्ज के लिए बयान

भोजीपुरा, कम्पोजिट विद्यालय मोहम्मदपुर ठाकुरान की अध्यापिका द्वारा प्रधान का नाम मिड-डे मील के खाते गुपचुप हटाने के मामले की बृहस्पतिवार को बहेड़ी के खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रधान व अध्यापिका के बयान दर्ज किए। ब्लाक क्षेत्र भोजीपुरा के गांव मोहम्मदपुर ठाकुरान की प्रधान अध्यापिका लक्ष्मी ने गुपचुप तरीके मिड-डे मील के खाते से प्रधान शशि गंगवार का नाम हटवाकर प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरीशचंद्र का नाम मिड-डे मील के खाते में शामिल कर लिया था। बीएसए ने बहेड़ी के बीईओ दिनेश चंद्र जोशी को जांच सौंपी थी।

अमृत विचार क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र ललित पटेल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। उसका मेरे व मेरे परिवार से अब कोई वास्ता नहीं है। **राकेश कुमार उर्फ राम सिंह पुत्र श्री भागीरथ निवासी ग्राम पनवड़िया थाना शेरगढ़ तहसील बहेड़ी जिला बरेली।**

सूचना

मेरे पास पासपोर्ट संख्या M9501986 मैं मेरा नाम Aphasari दर्ज है जो गलत है जबकि आधार कार्ड पैन कार्ड के अनुसार सही नाम Afsari है कृपया सही नाम दर्ज करें। भविष्य में मुझे Afsari W/o Mohd Raza निवासी 155 एजाज नगर गौटिया थाना बारादरी जिला बरेली के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

मेरी पत्नी शान्ति कृष्णा जी का हाईस्कूल के अंकपत्र व आधार कार्ड में है। मेरा आर्मी नम्बर 17006929F रैंक-नायक, नाम नितीश पी है मैं ई.एम.ई. में कार्यरत हूं। मेरे सेना के दस्तावेज में सरकारी अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम त्रुटिवश शान्ति नितिश दर्ज है, मेरी पत्नि का नाम हाईस्कूल अंकपत्र व आधार कार्ड पर सही है। Affidavit No. 0961 Dated 23-06-2025 **शान्ति कृष्णा जी सुधीश भवन, मुलाबना डूडामला- 691503**

सूचना

मेरा पुत्र ध्रुव विक्रम श्रीवास्तव (DHRUV VIKRAM SRIVASTAVA) आर्मी पब्लिक स्कूल मे कक्षा-9 का छात्र है उसके शैक्षिक रिकॉर्ड में गलती से उसका नाम ध्रुव विक्रम (DHRUV VIKRAM) दर्ज हो गया है। जबकि अन्य कागजात व आधार कार्ड में उसका नाम ध्रुव विक्रम श्रीवास्तव है। उक्त सही नाम को विद्यालय दस्तावेजों में संशोधित किया जाये। **सुरभि श्रीवास्तव निवासी मकान नं. 166/183, मोहल्ला जकाती, गुलाब नगर, तह. सदर जिला बरेली**

सूचना

मैं **PRANITA DEKA RAJA** मेरे पति आर्मी नं. **5350626F** कम्पनी (H.Q.) रैंक हवलदार **MUNINDRA DEKA RAJA** के सैन्य दस्तावेज में मेरी नाम **PRANITA DEKA RAJA** त्रुटिवश गलत दर्ज हो गया है। जबकि आधार कार्ड के अनुसार सही नाम **PRANITA DEKA RAJA** है।

सूचना

मेरी पुत्री देविका विक्रम श्रीवास्तव (DEVIKA VIKRAM SRIVASTAVA) आर्मी पब्लिक स्कूल मे कक्षा-7 की छात्रा है उसके शैक्षिक रिकॉर्ड में गलती से उसका नाम देविका विक्रम (DEVIKA VIKRAM) दर्ज हो गया है। जबकि अन्य कागजात व आधार कार्ड में उसका नाम देविका विक्रम श्रीवास्तव है। उक्त सही नाम को विद्यालय दस्तावेजों में संशोधित किया जाये। **सुरभि श्रीवास्तव निवासी मकान नं. 166/183, मोहल्ला जकाती, गुलाब नगर, तह. सदर जिला बरेली**

सूचना

मैं कमलाबाई मेरे पुत्र आमी नं. 17006929 F रैंक-नायक नाम- नितीश पी.के सर्विस ई.एम.ई. रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि त्रुटिवश 18.05.1963 गलत अंकित हो गई है। जबकि वास्तविक सही जन्मतिथि आधार कार्ड व पैन कार्ड के अनुसार 06.12.1959 है। Affidavit No. 45AA 776231 Dated 29-07-2025 **कमलाबाई सुधीश भवन, मुलावाना डूडामला- 691503**

सूचना

मैं पुरूषोत्तमन् मेरे पुत्र आमी नं. 17006929 F रैंक-नायक नाम- नितीश पी.के सर्विस ई.एम.ई. रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि त्रुटिवश 26.12.1957 गलत अंकित हो गई है। जबकि वास्तविक सही जन्मतिथि आधार कार्ड व पैन कार्ड के अनुसार 01.01.1954 है। Affidavit No. 45AA 776232 Dated 29-07-2025 **पुरूषोत्तमन् सुधीश भवन (मुलावाना) डूडामला- 691503**

INDIAN'S ACADEMY
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED TEACHERS
N.C. TO VIIIth
Subject:- S.ST., Computer, English and U.K.G.
Fluent in English. Conveyence Available
SALARY 6000/- to 10,000/-
Interview on 04, 05, 06, 08, 25 in School working days.
Send your Resume 9628425505

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

परिवार को बंधक बनाकर लाठियों से पीटा

फरीदपुर अमृत विचार : प्लांट पर अवैध कब्जे की मुखबिरी करने के शक में दबंगों ने घर में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बनाकर धारदार हथियार, लाठी ,डंडा से पीट का किया घायल जान से मारने की धमकी देते हुए दबंग हुए फरार सूचना पर पहुंची डायल 112 पीड़ितों को अपने साथ थाने ले गई पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी नगर के मोहल्ला परा जाटवान निवासी मनोज सागरबी के रिश्ते के चाचा मनोज का पड़ोस में प्लाट है जिस पर अवैध कब्जा करने की नीयत से मोहल्ले का ही सर्वेश पुत्र रामदास प्लान करते थे जिसकी सूचना अपने चाचा को दे दी जिससे सर्वेश रंजिश मानने लगा 24 जुलाई की शाम मोहल्ले के दर्जन भर से अधिक लोग धारदार हथियार लाठी डंडे लेकर घर में घुसकर हमलावर हो गए और मरणासन्न अवस्था में छोड़कर चले गए। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ पुलिस तहरीर दी डे अफसर ने पीड़ित से अभद्र व्यवहार कर उसे हड़काया और तहरीर बदलवा दी। उसके बाद मेडिकल कराकर सर्वेश,धर्म प्रकाश, मालती, रूपा, हर्ष, वीरेंद्र ब नवनीत , योगेश,हर्षित, प्रांशु के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

मिर्च व्यापारी के हड़पे 3 लाख 49 हजार

मीरगंज, अमृत विचार : हरिओम गुप्ता निवासी मोहल्ला मेवात ने थाने में तहरीर देकर बताया कि वह मिर्च व्यापारी है। उससे नोएडा और सहसवान के कारोबारियों ने 243 बोरा मिर्च मंगा ली लेकिन उसे 3 लाख 49 हजार 520 रुपए का भुगतान नहीं किया। पुलिस ने व्यापारी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। एक अन्य मामले में जमीन दिलाने का झांसादेकर दो लाख तीस हजार हड़पने के मामले में भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। क्षेत्र के कुल्हा खुर्द निवासी मनोज कुमार की तहरीर पर पुलिस ने राजीव व सगीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

किसान को मिला ड्रोन पुलिस को सौंपा

संवाददाता,भोजीपुरा। गांव आसपुर पीतमराय में एक किसान के खेत में बृहस्पतिवार को एक खिलौने वाला ड्रोन मिला। किसान ने प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा को ड्रोन सौंप दिया। बुधवार की रात भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव आसपुर पीतमराय में ड्रोन उड़ने का शोर मचा। सुबह गांव का किसान सोनू खेत पर चारा लेने के लिए गया था। किसान सोनू को खेत में पड़ा हुआ खिलौने वाला ड्रोन मिला।

त्रिवटी नाथ में पुजारियों ने किया प्रदोष पूजन

बरेली, अमृत विचार : विश्व जागृति मिशन बरेली मंडल की ओर से गुरुवार को त्रिवटी नाथ मंदिर प्रांगण में प्रदोष पूजन का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। पूजन धर्म प्रचार प्रदोष महामंडल के पुजारियों ने कराया। इसके बाद भजन कीर्तन कर शिव महिमा का गुणगान किया गया।

संजय गर्ग, पवन अरोड़ा, संदीप मेहरा, मोहन लाल कालरा, विश्व जागृति मिशन महिला मंडल की प्रधान ममता गर्ग, रश्मि अग्रवाल, सविता अरोड़ा, रेनू मिश्रा, नीरेश माहेश्वरी, कृष्णा अरोड़ा, मनीषा मेहरा आदि उपस्थित रहे।

त्रिवटीनाथ मंदिर में प्रदोष पूजन करते विश्व जागृति मिशन के सदस्य। ● अमृत विचार

17 दिवसीय तुलसी जयंती समारोह का समापन

बरेली, अमृत विचार : माधोबाड़ी स्थित रामायण मंदिर में चल रहे 17 दिवसीय तुलसी जयंती समारोह का गुरुवार को समापन हो गया। सुबह 7 बजे शांति यज्ञ के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। धार्मिक सेवा समिति के सदस्यों ने हरिनाम संकीर्तन किया। कार्यक्रम में रामपुर रुद्रपुर, दिल्ली, मुंबई, ऋषिकेश, फरीदाबाद, देहरादून, किच्छा, मेरठ आदि स्थानों के सेवकों ने भाग लिया। दोपहर में भंडारा हुआ, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को महाआरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

श्री रामायण मंदिर में तुलसी जयंती समारोह समापन पर भजन कीर्तन करते श्रद्धालु।

गुरुदेव गोस्वामी योगेश ने लोगों से सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने को कहा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल अरोड़ा, उपाध्यक्ष पवन अरोड़ा, किशोर अरोड़ा, सचिव नवीन अरोड़ा, कोषाध्यक्ष बृज लाल, संरक्षक मनोज अरोड़ा, भूषण अरोड़ा, दीपक आदि मौजूद रहे।

ड्रोन चोर समझकर अधेड़ को ग्रामीणों ने पीटा, मौत

थाना प्रभारी ने बताया कि पहले हाईवे पर पीटा,गांव लाकर फिर पीटा

संवाददाता, भोजी पुरा

अमृत विचार : ग्रामीणों ने अज्ञात व्यक्ति को ड्रोन चोर समझकर बेरहमी से पिटाई कर दी पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई।

भोजीपुरा थाना क्षेत्र के गांव मेंमौर में गुरुवार की तड़के ग्रामीणों को एक अज्ञात व्यक्ति घूमते मिला तो ग्रामीणों ने ड्रोन चोर का हल्ला मचा दिया। इससे ग्रामीण एकत्र हो गये और पुलिस को सूचना दिए बिना उसकी लाठियों से पिटाई करनी शुरु कर दी। किसी ने डायल 112 को सूचना दी तो उसके बाद भोजीपुरा थाने से पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने गंभीर घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान दोपहर में उसकी मौत हो गई।

शाम को प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा प्रवीन सोलंकी फोर्स के साथ गांव मेंमौर पहुंचे और घटना की जांच की। बताया है कि गांव के निर्दोष,लालता प्रसाद, धर्मेंद्र, विकास तीन चार अज्ञात लोगों को सुबह आठ बजे नैनीताल हाइवे पर अज्ञात उम्र लगभग 50 वर्ष मिला। ग्रामीणों ने नाम पता पूछा

लेकिन उसने अपना नाम पता नहीं बताया । तभी ग्रामीणों उसकी पिटाई कर दी । फिर उसे ई रिक्शा से गांव में ले गये वहां होली चौक पर फिर अज्ञात की पिटाई की। पुलिस ने मेमौर निवासी निर्दोष, लालता प्रसाद, धर्मेंद्र,, विकास व तीन चार अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना प्रयुक्त ई रिक्शा चालक हरि प्रसाद को हिरासत में ले लिया है। ई रिक्शा सीज कर दिया है।

ड्रोन चोर समझकर अधेड को पीटने वाले ग्रामीणों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

कबाड़ बीन रहे संदिग्ध युवकों को ड्रोन चोर समझकर पीटाई के बाद पुलिस को सौंपा

राजपुर कलां/अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव खटेटा में कबाड़ एवं पिन्नी एकत्र कर रहे दो संदिग्ध युवकों की ग्रामीणों ने चोर समझ कर जमकर पिटाई कर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। गुरुवार की दोपहर थाना अलीगंज के गांव खटेटा में दो संदिग्ध युवक कबाड़ एवं पिन्नी बिन रहे थे ग्रामीणों को उन पर जब शक हुआ तो पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना पता चंदौसी बताया और वह भागने लगे तो दोनों युवकों की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों युवकों तथा कुछ लोगों को थाने ले आई। थाना प्रभारी राजित राम ने बताया की ख टेटा गांव के कुछ शराबी युवकों ने टेंट का काम करने वाले दो युवकों के साथ मारपीट की मारपीट करने वाले युवकों का डॉक्टरी परीक्षण कराया गया है जो शराब नशे में पाए गए हैं जिन दो युवकों को ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया है उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है उनके आने पर दोनों युवकों को सौंप दिया जाएगा।

गश्त बढ़ाने की मांग की

सेंथल। कस्बे व आसपास के गांवों में ड्रोन चोरों के चलते खौफ का माहौल है। इसी के चलते भाजपा नेता विनय चौधरी ने सीओ नावाबगंज को पत्र देकर कस्बे में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल किया सील

आंवला। कस्बे के एक अस्पताल में प्रसव के दौरान प्रसूता की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल संचालक द्वारा पंजीकरण संबंधी प्रपत्र न दिखाने पर अस्पताल को सील कर दिया।

कस्बे के अलीगंज अड्डा स्थित शिवा नर्सिंग होम में बीती 23 जुलाई की रात्रि में प्रसब के दौरान दिगोई गांव निवासी योगेंद्र की पत्नी काजल (23) की मौत हो गयी थी। मृतका के पति ने अस्पताल स्टॉफ पर लापरवाही का आरोप लगाया था। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आंवला के चिकित्सा अधीक्षक ने अस्पताल को नोटिस जारी कर पंजीकरण समेत अन्य प्रपत्र प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया था। प्रपत्र नहीं दिखाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया।

मंडलीय कराटे प्रतियोगिता में खेलेंगे वासु और अनमोल

बरेली, अमृत विचार: जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता गुरुवार को गुलाब राय इंटर कॉलेज में हुई। जिसमें मनोहर भूषण इंटर कॉलेज के छात्र वासु ने 55 किलोग्राम और अनमोल ने 50 किलोग्राम वजन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों छात्र 4 अगस्त को होनी वाली मंडलीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। दोनों छात्रों का मंडलीय प्रतियोगिता में चयन पर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार ने उन्हें बधाई दी है।

महिला और युवक मंगल दल को बांटी खेल किट

युवक को खेल किट देतीं जिपं अध्यक्ष रश्मि पटेल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● जिला युवा कल्याण एवं विकास दल विभाग ने किया कार्यक्रम

अमृत विचार : जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से विकास भवन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विशिष्ट अतिथि उप निदेशक पीआरडी आदित्य कुमार और डीडीओ दिनेश कुमार ने 50 युवक और 50 महिला मंगल दल को खेल प्रोत्साहन सामग्री किट वितरित की। शेष चयनित दलों को सभी विकास खंड में किट वितरित की जाएगी।

मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद से युवाओं को खेल से जोड़ने का प्रयास किया गया है। खेल सामग्री मिलने से जहां दल सशक्त होंगे, वहीं उनके गांव के युवाओं को भी बेहतर ढंग से अभ्यास करने का अवसर मिल सकेगा। जिला युवा कल्याण अधिकारी विशाल कुमार ने मंगल दलों की सार्थकता एवं उपयोगिता को समझाया और बताया कि प्रत्येक मंगल दल को पांच वॉलीबॉल, एक नेट, पांच फुटबॉल और एक एयर पंप दिया गया है। महिला मंगल दलों को इन सामग्रियों के साथ एक कूदने वाली रस्सी भी दी गई है, जबकि युवक मंगल दलों को फिटनेस ट्यूब दिया गया है। शेफाली शर्मा, कोमल गौतम, अंकुर कुशवाहा, सोमेंद्र सिंह, फहद अली,, ज्योत्सना, सुमित शर्मा, हरिओम, विजेंद्र कुमार, लवलेश कुमार, आदि रहे।

अफवाहों पर ध्यान न देने की शपथ दिलाई

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज में शुक्रवार को प्रार्थना -स्थल पर प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह ने छात्र -छात्राओं को ड्रोन कैमरे उड़ने तथा चोरों की अफवाह लगातार उड़ने से बेकसूरों के साथ मार-पीट के वीडियो वायरल हो रहें हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। इस तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की बात कही। उन्होंने छात्राओं को अफवाह पर ध्यान नहींदेने की शपथ दिलाई। इस दौरान डा.हरमीत सिंह, डा. सर्वेश कुमार, डा. राजेश कुमार गंगवार, कुसुम गंगवार रघुवीर सरन, राजपाल, रमेश कुमार, लोकेश कुमार,रावेंद्र प्रताप सिंह, राजेश कुमार द्विवेदी, रामसिंह ब्रजेश कुमार शर्मा,वरूण कुमार वर्मा सहित तमाम स्टाफ मौजूद।

डाक कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार रवाना

क्योलडिया : भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत महमूदापुर से डाक कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार जल लेने रवाना हुआ। महंत भूपराम के नेतृत्व में रवाना हुए जत्थे को गांव वालों ने पूजा अर्चना कर विदा किया।

19 वां महाआरती कार्यक्रम कल

बरेली, अमृत विचार : बाबा अलखनाथ संगीत एवं सेवा समिति की ओर से दो अगस्त को बाबा अलखनाथ मंदिर प्रांगण में 19 वां महाआरती कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी समिति के सदस्यों ने गुरुवार को वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार के कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान दी। समिति संरक्षक अनिल कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में स्कूली बच्चे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। कई स्कूलों के बच्चों द्वारा भगवान शिव को समर्पित एकांकी नाटक-समूह नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। जिसमें प्रथम स्थान पाने वाले को 3000, द्वितीय को 2000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1500 रुपये की धनराशि दी जाएगी। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। सामाजिक क्षेत्र में रोटरी क्लब ऑफ नार्थ के पूर्व गवर्नर पीपी सिंह, धार्मिक क्षेत्र में गिरीश चंद सराफ को, प्रशासनिक क्षेत्र में क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष शिवम व शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानाचार्य द्रोपदी कन्या इंटर कॉलेज डॉ. रामश्री को सम्मानित किया जाएगा।

कैटरिंग सेवा का समय हो तय, लागू हो बीमा व्यवस्था

मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देने जाते टेंट हाउस एसोसिएशन के सदस्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : मांगों को लेकर बरेली टेंट हाउस वेलफेयर एसोसिएशन ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अंकुर गोयल ने बताया कि टेंट कारोबारी वर्षों से सामाजिक, धार्मिक व पारिवारिक आयोजनों में अपनी सेवाएं देकर जन कल्याण में सतत योगदान दे रहे हैं, लेकिन कारोबार संचालन में तमाम चुनौतियां सामने आ रहीं हैं। बताया कि वर्तमान में टेंट सेवा पर 18 फीसदी जीएसटी लागू है, इसको 12 फीसदी के स्लैब में किया जाना चाहिए। वहीं कैटरिंग सेवा का समय अधिकतम रात्रि 12 बजे निर्धारित कर व्यवसाय को सूक्ष्म उद्योग का दर्जा दिया जाए। कारोबार में टेंट, कुर्सियां, सजावट को लेकर लाखों का निवेश होता है, इसके लिए बीमा योजना लागू की जाए। वहीं प्राकृतिक आपदा राहत भी दी जाए। महानगर अध्यक्ष दीपक साहनी, महानगर महामंत्री अभिषेक जौहरी, कोषाध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, दिनेश अरोड़ा, परविंदर सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

जयंती पर डॉ. श्याम स्वरूप को किया याद

एसवी इंटर कालेज में हवन करते आर्य विद्या सभा की अध्यक्ष व अन्य। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● वक्ताओं ने डा.सत्यव्रत को आर्यसमाज का ध्वजवाहक बताया

अमृत विचार : सरस्वती विद्यालय इंटर कालेज में गुरुवार को आर्य विद्या सभा के संस्थापक डॉ. श्याम स्वरूप सत्यव्रत की 144 वीं जयंती मनाई गई।

इस दौरान हवन पूजन हुआ। विद्यालय प्रबंधक व आर्य विद्या सभा अध्यक्ष मधुलिका स्वरूप ने डॉ श्याम स्वरूप ''सत्यव्रत'' की ओर से स्थापित मूल्यों, आदर्शों एवं कर्तव्यों का अनुसरण कर भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। कर्नल अभय स्वरूप ने कहा कि डॉ. सत्यव्रत केवल पेशे से चिकित्सक ही नहीं बल्कि शहर में आर्यसमाज की अग्रिम पंक्ति ध्वज वाहक, शिक्षाविद् और गरीबों व दलितों के मसीहा थे। प्रबंध समिति के सदस्य डॉ. राजेश शर्मा, अनिल कुमार ने भी विचार रखे। डॉ. अनुराग मोहन, आरसी गौतम, डॉ. एपी सिंह ने डॉ. साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। चन्द्रकांत त्रिपाठी, माया आर्या, विवेक मोहन सिंह, भानु प्रताप सिंह, सरिता सक्सेना आदि उपस्थित रहे। संचालन विवेक मोहन और प्रधानाचार्य डॉ. संदीप इन्दवार ने आभार व्यक्त किया।

सिटी डायरी

शिविर में बच्चों की हुई निशुल्क जांच

बरेली, अमृत विचार : गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब की ओर से सीता देवी देवी स्कूल में गुरुवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों की निशुल्क जांचें की गईं। आयोजन में गंगा चरन आर्यवर्धन अस्पताल का योगदान रहा। डॉ. प्रमेन्द्र माहेश्वरी, डा. राज किशोर, डा. मुकेश, डा. रेहान खान, डा. अमित शंखधार, डॉ. राज किशोर का सहयोग रहा। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष एमपी सिंह, हरप्रीत सिंह बिंद्रा, समाजसेवी इकबाल सिंह बाले, प्रधानाचार्या दलवीर कौर, प्रिया, स्वाती, अर्पणा, विधि प्रियंका, शिवानी, नैना, अक्सा, विमला मौजूद रहीं।

सोमनाथ मंदिर में शिव महापुराण कथा आज से

बरेली, अमृत विचार : प्रभात नगर स्थित सोमनाथ मंदिर में शुक्रवार से शिव महापुराण कथा आरंभ होगी। गुरुवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कथा वृंदावन से आए शंभूनाथ महाराज सुनाएंगे। आयोजक संजीव अग्रवाल, नीमा अग्रवाल, सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के कार्यकर्ता अमर सिंह, आशुतोष गोयल, भुवनेश अग्रवाल, रविंद्र शर्मा, योगेश गोस्वामी, उमेश रस्तोगी, आशीष आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारी कल्याण संघ के एसके रमन बने अध्यक्ष और अजय नायक उपाध्यक्ष

बरेली, अमृत विचार : आयकर अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की ओर से गुरुवार को संरक्षक सहायक आयकर आयुक्त एसपी सिंह के नेतृत्व में कार्यकारिणी गठित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से आयकर अधिकारी एसके रमन को अध्यक्ष, आयकर निरीक्षक अजय नायक को उपाध्यक्ष, आयकर निरीक्षक नरेश कुमार मीना को सचिव, कार्यालय अधीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह को संयुक्त सचिव और अनुज कुमार को कोषाध्यक्ष नामित किया गया। नवागत पदाधिकारियों को स्वागत किया गया।

खबरें www.amritvichar.com पर भी पढ़ें

तीरंदाजी टीम ने नॉर्थ ज़ोन चैम्पियनशिप में चमकाया परचम

फरीदपुर, अमृत विचार: सात खिलाड़ियों ने सीबीएसई राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। 27 से 31 जुलाई तक मेरठ में हुई सीबीएसई नॉर्थ ज़ोन-1 तीरंदाजी चैम्पियनशिप में मानस स्थली आवासीय विद्यालय की तीरंदाजी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 वर्ग में बालक टीम ने 15 टीमों के 108 प्रतिभागियों में से 20वां स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 वर्ग में बालक टीम ने रजत पदक (द्वितीय स्थान) प्राप्त किया।

पीएम उषा : रुविवि को 12 करोड़ की पहली किस्त जारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● विश्वविद्यालय की ओर से शासन को प्रस्ताव तैयार कर भेजे जाएंगे

● नेक ए डबल प्लस मिलने पर केंद्र सरकार से जारी की जाती है ग्रांट

अमृत विचार : आखिरकार लंबे समय बाद रुहेलखंड विश्वविद्यालय को पीएम उषा (उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत 12 करोड़ रुपये की ग्रांट मिल गई है। ग्रांट मिलने के बाद विश्वविद्यालय की ओर से पहले से तैयार किए गए प्रस्ताव जल्द शासन को भेजे जाएंगे। इस धनराशि से इंफ्रास्ट्रक्चर के 27 प्रोजेक्ट तैयार किए जाने हैं, इसके लिए शासन की ओर से यूपीपीसीएल संस्था नामित की गई है।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने जून 2023 में नेट में ए डबल प्लस रैंक प्राप्त की थी। इसके तहत विश्वविद्यालय ने पीएम उषा प्रोजेक्ट के तहत 100 करोड़ रुपये की ग्रांट के लिए आवेदन किया था। फरवरी 2024 में विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये की ग्रांट स्वीकृत की गई थी। इसी के तहत विश्वविद्यालय की ओर से प्रोजेक्ट तैयार किए गए थे, लेकिन लंबे समय से कोई किस्त नहीं आई थी। इसकी वजह से प्रोजेक्ट रुके हुए थे। अब 100 करोड़ में से 12 करोड रुपये की पहली किस्त आ गई है। इसके बाद से रुके हुए प्रोजेक्ट फिर से शुरू करने की तैयारी शुरू हो गई है। पीएम उषा के तहत फार्मेसी विभाग में ऊपरी भवन बा में कॉर्पोरेट लैब, एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में भवन सहित 27 प्रोजेक्ट पूरे होने हैं।

कुलपति ने कई विभागों का किया निरीक्षण

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो केपी सिंह ने गुरुवार को मीडिया सेंटर, रिसर्च लैब, सेंट्रल लाइब्रेरी समेत अन्य विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिली कमियों को दूर करने के निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय में सड़क निर्माण के लिए काटे गए पेड़

विश्वविद्यालय में नई सड़क का निर्माण पीडब्ल्यूडी की ओर से किया जा रहा है। इसके लिए पेड़ों का कटान किया गया है। यह सड़क प्रशासनिक भवन से सीधे बीसलपुर रोड पर चौकी के पास निकलेगी। इस सड़क के बनने के बाद विश्वविद्यालय में नए डिपार्टमेंट बनाए जाने की योजना है। पेड़ों के कटान और सड़क बनने को लेकर छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से जानकारी मांगी है।

न्यूज ब्रीफ

निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक मंडल को दिया अंतिम रूप

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफे के कारण आवश्यक हो गया है। आयोग ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के सदस्य शामिल होते हैं। चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से आयोग कार्यालय में एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी।

धक्का लगने से ददिया सास की मौत जिम्मेदार बताया तो बहू ने दे दी जान

संवाददाता, बिल्सी(बदायूं)

- दंपती में हुए विवाद में बीच बचाव कराने पहुंची थी ददिया सास

अमृत विचार : दंपती के विवाद में बीच बचाव कराने गई ददिया सास धक्का लगने से गिर गई और उनकी मौत हो गई। ससुराली बहू को मौत का जिम्मेदार मानकर ताना कसने लगे। इससे परेशान बहू कमरे में गई और फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मामला बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला डल्लू का है। गांव निवासी उदयवीर सिंह खेतीबाड़ी करके परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके दो बेटे दीपक व अमित और बेटी ज्योति हैं। उदयवीर सिंह की मां गंगा देवी (90) भी रहती हैं। दीपक बिल्सी में ट्रैक्टर एजेंसी चलाते हैं। अमित खेती करते हैं और ज्योति पढ़ाई कर रही है। दीपक की शादी 4 मई 2020 को उघैती थाना क्षेत्र के गांव रामनगर मजरा निवासी सपना के साथ हुई थी। बुधवार शाम लगभग छह बजे दीपक घर पहुंचे। घर पर किसी बात को लेकर पत्नी सपना (25) से विवाद हो गया। दोनों के बीच काफी देर तक कहासुनी हुई। विवाद बढ़ा तो दीपक की दादी गंगा देवी (90) बीच बचाव करने पहुंची थीं। पति-पत्नी के विवाद के दौरान गंगा देवी को धक्का लगा गया और वह जमीन पर जा गिरीं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

दो महिलाओं की मौत के बाद परिजनों से जानकारी करते प्रभारी निरीक्षक।

मदरसे में पढ़ने गई बालिका से छेड़छाड़

पूरनपुर, अमृत विचारः मदरसे में पढ़ने गई दस वर्षीय बालिका के साथ मौलाना ने छेड़छाड़ की। घबराई बालिका मदरसे से भाग कर घर पहुंची और अपनी मां को जानकारी दी। महिला बालिका को लेकर कोतवाली पहुंची और मौलाना के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौलाना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।
नगर की रहने वाली 10 वर्षीय छात्रा पास के मदरसे में पढ़ती है। रोज की तरह गुरुवार को भी बालिका मदरसे में पढ़ने गई। आरोप है कि मदरसे में पढ़ाने वाले मौलाना फिरोज खान पुत्र नबाब खा निवासी साहूकारा भगवन्तपुर चुंगी ने 10 वर्षीय बालिका से अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ की।

ई-रिक्शा चालक पर पेचकस से हमला, मौत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज, सवारी बैठाने को लेकर हुआ था विवाद

अमृत विचार : सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में दो ई-रिक्शा चालक भिड़ गए। एक ने दूसरे रिक्शा चालक सलीम के पेट में पेचकस घोंप दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

गंज थाना क्षेत्र के घेर चंदन खां का निवासी सलीम (63) ई रिक्शा चालक था। वह गुरुवार सुबह 10 बजे रोजाना की तरह सवारियां लेकर सिविल लाइन आ रहा था। इस दौरान वह सवारियां मैगजीन मोहल्ले में उतारने के बाद वह दूसरी जगह की सवारियां बैठाने लगा। इस दौरान उसका पहले से वहां खड़े दूसरे ई-रिक्शा चालक आरिफ से सवारियां बैठाने को लेकर विवाद हो गया। उसके बाद दोनों में देखते हुए देखते गाली-गलौज हो गई। उसके बाद आरोपी ने उस पर पेचकस से हमला कर दिया। इसमें वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हमले में घायल सलीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी पर अस्पताल में परिजन भी आ गए। एएसपी अतुल कुमार श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे थे। उसके बाद घटना की जानकारी ली। सिविल लाइंस थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि सवारियां बैठाने को लेकर दो ई रिक्शा चालकों में विवाद हुआ था। मामले में तहरीर के आधार पर कोतवालान निवासी आरिफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हादसे में पिता की मौत, बेटी की हालत गंभीर

बीसलपुर : शाहजहांपुर से बीसलपुर की ओर आ रहे बाइक सवार व उसकी बेटी को रोहनिया चौराहा पर चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। पिता की मौके पर मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। शाहजहांपुर के ग्राम वथुई निवासी बालिस्टर गुरुवार को बाइक से आठ वर्षीय पुत्री दिव्यांशी के साथ बीसलपुर आ रहे थे, रास्ते में हादसे का शिकार हो गए।

कार्यालय प्रकाश विभाग, नगर निगम, बरेली

पुनः ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 43/प्रा.वि/2025-26 दिनांक 31.07.2025

नगर निगम बरेली द्वारा नगर निगम निधि के अन्तर्गत नगर के विभिन्न डिवाइडरों एवं पार्को में खराब केबिल इत्यादि सामग्री को बदलकर मरम्मत का कार्य कराये जाने हेतु एकल दरें एक वर्ष के लिए अनुबन्धित करने हेतु अनुभवी फर्मो से द्वि-बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के अन्तर्गत पुनः ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

निविदा के साथ जमानत राशि एफ.डी.आर. के माध्यम से देय होगा तथा एफ.डी.आर. प्रभारी प्रकाश नगर निगम बरेली के नाम बन्धक होगी तथा निविदा शुल्क+GST वेबसाइट http://bareilly-tender.com पर ऑनलाइन पोर्टल पर जमा किया जाना अनिवार्य होगा तथा निविदादाता को अपने स्टेटमेंट की स्कैन कॉपी निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। अन्य शर्ते व विवरण निम्नवत् उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	01.08.2025 (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	01.08.2025 (03:30 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	08.08.2025 (03:00 PM)
तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि/समय	08.08.2025 (03:30 PM)
वित्तीय बिड खोले जाने की तिथि/समय	तकनीकी बिड खुलने के पश्चात

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

प्रकाश अधीक्षक,
नगर निगम, बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं० 37/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. 1.** कार्य का विवरण : इज्जतनगर डिवीजन में लालकुआँ-कासगंज अनुभाग के अन्तर्गत कछला ब्रिज, कछला, रिच्छा रोड, शेखपुर हाल्ट स्टेशनों पर (कुल 07 नग) रेल लेवल प्लेटफार्म को हाई लेवल प्लेटफार्म तक बढ़ाने का कार्य। (कानुपर अनवरगंज-मथुरा एवं लालकुआँ-कासगंज अनुभाग में 11 हाल्ट स्टेशनों पर रेल लेवल प्लेटफार्म को हाई लेवल प्लेटफार्म तक बढ़ाने का कार्य स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत)। अनुमानित लागत रूपयों में : रू. 5,03,51,685.67, बयाना राशि रूपयों में : रू. 4,01,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 12 माह। **1.** ई-निविदा दिनांक 22.08.2025 को 15.00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.), इज्जतनगर
मुजाधि/डब्लू - 188

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्र न करें।

चार रेल परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- लाइन क्षमता के विस्तार पर खर्च किए जाएंगे 11,169 करोड़ रुपये
- मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

सरकार ने इन परियोजनाओं के जरिए रेल नेटवर्क के विस्तार के बारे में बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। नई परियोजनाओं में इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन का निर्माण, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) और परभणी के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण तथा अलुआबाड़ी रोड और न्यू जलपाईगुड़ी एवं डांगोआपोसी और जरोली के बीच तीसरी व चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। कहा गया कि लाइन क्षमता के विस्तार से गतिशीलता में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए हैं। इन परियोजनाओं की योजना 'पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और रसद संबंधी दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

खाद्य प्रसंस्करण को 6,520 करोड़ मिले

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के लिए बजटीय परिव्यय 1,920 करोड़ बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में प्रदान की जाने वाली बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए किया जाएगा। पीएम की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया।

किशोरी को निर्वस्त्र करने के दोषी को तीन साल की सजा

बदायूं, अमृत विचार : नाबालिग लड़की को निर्वस्त्र करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने दोषी पाते हुए तीन वर्ष के कारावास और 27 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि गांव का प्रेमचंद उसकी 14 साल की बेटी पर बुरी नजर से रखता था। 8 अक्टूबर 2016 को शाम 7 बजे उसकी बेटी छोटी बहन के साथ तालाब के पास शौच करने गई थी। शौच करने के बाद जब वह चली तो तमंचा लेकर घात लगाए बैठे प्रेमचंद ने उसे दबोच लिया। जमीन पर गिराकर तमंचे के बल पर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। छोटी बेटी चिल्लाई तो खेत पर शौच के लिए गईं अन्य युवतियों ने प्रेमचंद को ललकारा। आरोपी पीड़िता को नग्न अवस्था में छोड़कर भाग गया।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी-खीरी

पत्रांक: 1876/लेखा/वि.म.क्षे.वि.नि./निविदा सूचना/2025-26 दिनांक: 31.07.2025

निविदा आमंत्रण

विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजना के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो पर विकास खण्ड मोहम्मदी द्वारा कराये जाने वाले निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु पी.डब्लू.डी. की दरों पर पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित ठेकेदारों/फर्मो से विकास खण्ड मोहम्मदी के अन्तर्गत ठेकेदारों से 10 लाख रू. से क्रय के कार्यो पर निविदा प्रपत्र विकास खण्ड में कार्यालय कार्य दिवस में दिनांक 31.07.2025 प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 13.08.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक प्राप्त की जायेगी जो दिनांक 13.08.2025 को सायं 05:00 बजे तक विकास खण्ड में सील्ड टेण्डर बाक्स में डाली जा सकती है। समस्त निविदाओं को दिनांक 14.08.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे गठित निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की आगणन धनराशि	जमानत (5%)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	ग्राम सिसिरयर में बालाजी के स्थान के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
02.	ग्राम गदमापुर में प्रदीप के मकान के पास विद्युत से प्रकाशित 4 वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
03	ग्राम गुलरिया परवस्तनगर में आध्या इण्टरप्राइजेज के पास विद्युत से प्रकाशित 4 वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
04	ग्राम राजापुर बैनी में मदिर के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
05.	ग्राम राजापुर बैनी में रामकिशोर शर्मा के मकान के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
06.	ग्राम खटेउरा में मेवाराम सेवाश्रम के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
07.	ग्राम मियापुर में सत्यजीत पेटर के मकान के पास तिराहा पर विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी. हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
08.	ग्राम पंचायत सहदेवा के पास धर्मपुर में आनन्दपुर आश्रम के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी. हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
09.	ग्राम पंचायत बगरेठी के ग्राम बढ़ा बढ़ई में ब्रहमदेव स्थान के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमीट हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
10.	ग्राम पंचायत मुडिया के ग्राम पडरिया में भट्टे के पास मंदिर पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह
11.	ग्राम पंचायत पोखनापुर के ग्राम पिपरिया धनी में चौराहे के पास विद्युत से प्रकाशित 4वें सेमी हाईमास्ट स्ट्रीट लाईट का अधिष्ठापन कार्य 1 नग	1,28,600.00	6,430.00	590.00	03 माह

नियम व शर्तेः-

1. निविदाफार्म व उससे सम्बन्धित निर्देश क्रय किये जाने हेतु खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में दिनांक 31.07.2025 से 13.08.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक 500.00 रू. नकद धनराशि श्री सुशील कुंमार कैशियर/भण्डार लिपिक के पास जमा कर प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्रपत्र भरकर उसके साथ धरोहर की धनराशि मूल्य 5 प्रतिशत राष्ट्रीय बैंक का एफ.डी.आर./एन.एस.सी. खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के पक्ष में समस्त अभिलेख मोहर बन्द लिफाफे में निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न कर दिनांक 13.08.2025 तक सायं 5:00 तक खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी के कार्यालय में सीलबन्द टेण्डर बॉक्स में डाले जायेंगे/डाक द्वारा भी प्रेषित किये जा सकते हैं निधारित तिथि व समय के बाद निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. कार्यआदेश निर्गत की तिथि से कार्यपूर्ण करने की अवधि 03 माह निर्धारित की जाती है।
4. प्राप्त टेण्डर को खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी खीरी के द्वारा गठित समिति के समक्ष 14.08.2025 को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोले जायेंगे।
5. भुगतान हेतु प्राप्त बिलों पर नियमानुसार 2 प्रतिशत आयकर 2 प्रशित जी.एस.टी. 1 प्रतिशत लेबर सेस 5 प्रतिशत जमानत तथा रायल्टी की कटौती करने के बाद 16 प्रतिशत जी.एस.टी. बिल की धनराशि के साथ भुगतान की जायेगी।
6. कार्य स्थल पर सभी हाईमास्ट अधिष्ठापन के उपरान्त 02 वर्ष तक यदि कोई कमी/फ्यूज/अर्थिंग आदि की समस्या आती है तो पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित फर्म का होगा। तथा स्वयं के संसाधन/व्यय से सही कराना होगा।
7. सेमी हाईमास्ट लाईट हैविल्स, सिसका, बजाज एवं क्राप्टन कम्पनी की ही होनी चाहिए निरीक्षण के समय यदि कोई पाई जाती है तो सम्बन्धित फर्म से वसूली की जायेगी।
8. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित दरों में वित्तीय वर्ष 2025-26 में कोई मूल्य परिवर्तन मान्य नहीं होगा।
9. किसी भी एक निविदा को स्वीकार्य करने अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी मोहम्मदी में निहित होगा।
10. किसी भी विवाद की दशा में जनपद न्यायालय खीरी ही मान्य होगा।
11. निविदा भरते समय निविदा की दरें अंकों के साथ-साथ शब्दों में भी उल्लिखित की जाये।
12. निविदा प्रपत्र के साथ सीलबन्द लिफाफे में फर्म रजिस्ट्रेशन, आयकर, जी.एस.टी. तथा जमानत धनराशि का एफ.डी.आर. एवं आयकर रिटर्न की प्रति जिस पर ठेकेदार/फर्म स्वामी के हस्ताक्षर हो साथ में संलग्न किया जाये।

अश्वनी कुमार सिंह
खण्ड विकास अधिकारी
मोहम्मदी-खीरी

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इन्जीनियर(टीआरएस) लोको शेड पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं० M/DSL/IZN/TC/OT/102 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है :-
कार्य का नाम : रेट्रो फिटमेंट ऑफ एयर कण्डीशनिंग इन कैब्स विद प्रोवीजन ऑफ थर्मल इन्सूलेशन ऑफ कैब्स इन इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स ऑफ लोको शेड, इज्जतनगर। कार्य की अनुमानित कुल लागत (रू० में) : 3,77,48,165/- (सभी कर सहित), अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी (रू० मे) : 3,38,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य - रूपये 0.00 (शून्य), कार्य की अवधि - 24 माह। ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 26.08.2025 को समय 15:00 बजे।
- निविदाकार ई-निविदा को दिनांक 26.08.2025 को समय 15:00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगें। • पूर्ण विवरण एवं ई-निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर(टीआरएस), इज्जतनगर
मुजाधि/विद्युत - 105

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

नीलामी सूचना सं० - 06/2025

एतद् द्वारा सी.से.इंजी०/कार्य भोजीपुरा के अनुभाग में किच्छा स्टेशन पर रेल भूमि अर्न्तगत नीचे दर्शाये गये स्थल पर स्थित रेलवे की दुकानों/भूखण्डों का सहायक मंडल इंजी०/लाइन/इज्जतनगर के कार्यालय में नीचे दर्शाये गये दिनांक व समय पर सहायक मंडल इंजी०/लाइन/इज्जतनगर एवं लेखा निरीक्षक की उपस्थिति में नीलामी सम्पन्न की जायगी। दुकानों के स्थल प्लान को सहायक मंडल इंजी०/लाइन/ इज्जतनगर के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। **स्थल :** सहायक मंडल इंजी०/लाइन इज्जतनगर के अधीन सीनियर सेक्शन इंजी०/कार्य/भोजीपुरा के अन्तर्गत किच्छा स्टेशन पर आवंटित रेल भूमि पर स्थित 15 अदद् दुकानों की नीलामी। **क्रम सं० : 01,** दुकान सं०-1, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 02,** दुकान सं०-2, एरिया - 96 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 03,** दुकान सं०-3, एरिया - 96 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 04,** दुकान सं०-4, एरिया - 96 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 05,** दुकान सं०-5, एरिया - 96 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 06,** दुकान सं०-5 ए, एरिया - 78 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 07,** दुकान सं०-5 बी, एरिया - 75 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 08,** दुकान सं०-9, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 09,** दुकान सं०-12, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 10,** दुकान सं०-13, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 11,** दुकान सं०-18, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 12,** दुकान सं०-19, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 13,** दुकान सं०-20, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 14,** दुकान सं०-21, एरिया - 100 वर्ग फुट, **क्रम सं० : 15,** दुकान सं०-22, एरिया - 100 वर्ग फुट, नीलामी की तिथि : 12.08.25, धरोहर राशि (रूपये में) : 20,000/- बैंक ड्राफ्ट द्वारा एवं प्रवेश शुल्क रू० 1000/- नगद जो वापस नहीं होगा, धरोहर राशि जमा करने की तिथि एवं समय : 11.08.25 10:00 बजे से 17:30 बजे तक, नीलामी प्रारम्भ होने की तिथि व समय : 12.08.2025 10:30 बजे से, दुकान संचालन की अवधि : 05 वर्ष, **नोट :-** उक्त निविदा से सम्बन्धित विवरण **www.ner.indianrailways.gov.in** पर पर उपलब्ध है।

सहायक मंडल इंजीनियर (लाइन)
मुजाधि/डब्ल्यू - 190 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पहली बार अंडमान-निकोबार में ईडी के छापे

पोर्ट ब्लेयर/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एक पूर्व कांग्रेस सांसद से जुड़े सहकारी बैंक कर्ज 'धोखाधड़ी' से जुड़ी धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को पहली बार इस केंद्र शासित प्रदेश में छापे मारे। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर छापेमारी की।

यह पहली बार है जब एजेंसी ने बंगाल की खाड़ी में स्थित इस केंद्र शासित प्रदेश में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी की है। यह मामला अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) और उसके पूर्व उपाध्यक्ष कुलदीप राय शर्मा से संबंधित है। कांग्रेस नेता शर्मा (57) इस केंद्र शासित प्रदेश के पूर्व सांसद (2019-24) हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत कांवर खास विकास खंड शेरगढ़ (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत कांवर खास में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत कॉमन सर्विस सेंटर निर्माण हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है-ईट बजरफुट सरिया सीमेंट रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	RGSA सी.एस.सी. निर्माण कार्य	5 लाख 5 हजार रूपए

उक्त कार्य हेतु सील बंद निविदाएं दिनांक 31.07.2025 से आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 05.08.2025 को दिन शनिवार सायं 4 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेंगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान-मान सिंह सचिव-आशिफ हुसैन

कार्यालय ग्राम पंचायत रूस्तम नगर विकासखंड शेरगढ़ बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रूस्तम नगर विकास खंड-शेरगढ़ बरेली में निम्नलिखित कार्यों का निर्माण कार्य राज्यवित्त/केंद्रीय वित्त /RGSA द्वारा कराया जाना है। उक्त कार्य हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया आदि सामग्री की सप्लाई हेतु अल्पकालीन निविदाए आमन्त्रित की जाती हैं। इच्छुक फर्मो से निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनाँक 31.07.2025 से 03.08.2025 तक ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन दिनाँक 03.08.2025 को अपरान्ह 02 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्ते लागू रहेंगी।

क्र०	कार्य का नाम	अनु० लागत मूल्य
1-	राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनान्तर्गत जनसेवा केन्द्र (सी.ए.सी.) अतिरिक्त कक्ष का निर्माण	499996/-
2-	सी.एस.सी. सेन्टर में टाइल्स लगाना व अतिरिक्त कार्य	150000/-

ग्राम प्रधान - श्रीमती मनीषा गंगवार ग्राम सचिव - श्री कृष्ण

कार्यालय ग्राम पंचायत अधलखिया वि. खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत अधलखिया में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के अंतर्गत कामन सर्विस सेंटर निर्माण हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत् है- ईट, बजरफुट सरिया, सीमेंट, रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	RGSA/सी.एस.सी. निर्माण कार्य	5 लाख 5 हजार रूपए

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 31.07.2025 से आमंत्रित की जाती है दिनांक 04.08.2025 को दिन सोमवार सायं 4 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जी सकती है।

प्रधान सचिव

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की जनकपुरी यो0सं0-3, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-233 श्री अनिल कुमार आनन्द पुत्र स्व0 किशन लाल आनन्द एवं श्री प्रतीक पुत्र स्व0 राजेन्द्र कुमार आनन्द के पक्ष में कार्यालय आदेश सं0-40 दिनांक 20.01.2020 द्वारा अन्तरित किया जा चुका है। श्री अनिल कुमार आनन्द पुत्र स्व0 किशन लाल आनन्द एवं श्री प्रतीक पुत्र स्व0 राजेन्द्र कुमार आनन्द द्वारा अपने पक्ष में फ्री होल्ड डीड दिनांक 17.02.2020 को निष्पादित कराने के उपरान्त भूखण्ड का विक्रय श्री पारस अरोरा एवं श्री पुनीत अरोरा पुत्रगण श्री सुरेश कुमार अरोरा को संयुक्त रूप से कर दिया गया। अब श्री पारस अरोरा एवं श्री पुनीत अरोरा पुत्रगण श्री सुरेश कुमार अरोरा द्वारा अवगत कराया गया है कि हमारे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेतागणों का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण हम उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में जमा करने में असमर्थ हैं इस हेतु जो भी कार्यवाही हो हम करने को तैयार हैं तथा उक्त भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में संयुक्त रूप से कराने हेतु परिषद नियमानुसार आन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत कर रहे हैं। अतः एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनकपुरी यो0सं0-3, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-233 का अन्तरण श्री पारस अरोरा एवं श्री पुनीत अरोरा पुत्रगण श्री सुरेश कुमार अरोरा के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-233 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री पारस अरोरा एवं श्री पुनीत अरोरा पुत्रगण श्री सुरेश कुमार अरोरा के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक

मगरमच्छ के जबड़े से ग्रामीण को बचाया

सिंगाही, अमृत विचारः एक ग्रामीण शौच करने नदी किनारे गया था। इस दौरान मगरमच्छ ने उसका पैर दबोच लिया, चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे छुड़ा लिया।

गांव मोतीपुर निवासी भल्लू (55) शाम 7 बजे गांव के पास बह रही जौरहा नदी के किनारे शौच करने गया था। तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और उसका पैर जबड़े में दबाकर नदी की ओर खींचकर ले जाने लगा। चीख सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। मगरमच्छ के जबड़े से भल्लू को छुड़ा लिया।

दुष्कर्म के दोषियों को 25-25 साल की सजा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः थाना पलिया क्षेत्र में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के एक मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाते हुए दो दोषियों को 25-25 साल की कठोर कैद और 10-10 हजार के जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला उस वक्त और भी महत्वपूर्ण हो गया, जब पीड़िता और वादी पक्ष ने कोर्ट में अपने बयान बदल दिए थे।

घटना 25 जुलाई 2016 की है। थाना पलिया क्षेत्र के एक गांव निवासी भाई ने गांव बेला कलां निवासी सुनील और मोहित कुमार पर उसकी 15 वर्षीय बहन के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

मालेगांव विस्फोट : हिंदू आतंकवाद की साजिश ध्वस्त, माफी मांगे कांग्रेस

कोर्ट का फैसला आने के बाद भाजपा हुई हमलावर, कहा- ये ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मालेगांव विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को आगे बढ़ने से रोकने और मुस्लिम मतदाताओं को खुश करने के वास्ते हिन्दू आतंकवाद का विमर्श गढ़ा था।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मांग की कि भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित बरी किए गए आरोपियों को मुआवजा दिया जाना चाहिए और अभियोजन पक्ष को उन्हें फंसाने के लिए कथित तौर पर यातना देने और सबूत गढ़ने के वास्ते माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा, कांग्रेस अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। यह मामला विशुद्ध वोट बैंक की राजनीति के लिए पार्टी की एक सोची-समझी साजिश थी। प्रसाद ने कहा कि भगवा आतंकवाद की संभावना को बल देने संबंधी कांग्रेस की साजिश विफल हो गई है।

ये मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले से संबंधित सवालों को खारिज करते हुए कहा कि यह वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था पर आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। कहा, प्रधानमंत्री किसी भी मुद्दे पर सीधा जवाब देने को तैयार नहीं हैं।

मालेगांव विस्फोट: 6 की मौत, सौ घायल

मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम ब्लास्ट में छह की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे। एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत सात लोगों को इसमें आरोपी बनाया था।

एनआईए ने मुकर गए गवाहों के खिलाफ नहीं की कार्रवाई

- पीड़ितों के वकील ने कहा- बंबई हाईकोर्ट में करेंगे अपील

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों को बरी किया जाना एनआईए की एक महत्वपूर्ण विफलता है, जिसने अपने बयान से पलटने वाले गवाहों के खिलाफ झूठी गवाही का आरोप नहीं लगाया। पीड़ितों के वकील ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। अधिवक्ता शाहिद नदीम ने कहा कि पीड़ितों के रिश्तेदार विशेष एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ बंबई उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे।

कुछ पीड़ित परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नदीम ने कहा, यह मामला एनआईए की ओर से महत्वपूर्ण विफलताओं को उजागर करता है, प्रभावी रणनीति का अभाव रहा है। मुकदमे के दौरान गवाह अपने बयान से पलट गए, फिर भी पीड़ितों के अनुरोध के बावजूद एनआईए ने उनमें से किसी के खिलाफ झूठी गवाही का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि पीड़ित अब भी उस सदमे से नहीं उबर पाए हैं।

एनआईए अदालत के फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा। ● एजेंसी

उन्होंने कहा, वे न्याय पाने के लिए दृढ़ हैं और फैसले की समीक्षा के बाद बंबई उच्च न्यायालय में एक स्वतंत्र अपील दायर करके कानूनी उपाय अपनाएंगे। वकील ने दावा किया कि मालेगांव कस्बे का कोई भी गवाह या पिछली जांच एजेंसी एटीएस द्वारा पेश किया गया कोई भी गवाह अपने बयान से नहीं पलटा।

संदेह वास्तविक साक्ष्य का स्थान नहीं ले सकता : अदालत

मुंबई। मुंबई की विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में सात आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि महज संदेह वास्तविक साक्ष्य की जगह नहीं ले सकता और दोषसिद्धि के लिए कोई ठोस या विश्वसनीय सबूत नहीं है। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता। उसने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, और अदालत सिर्फ धारणा के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती।

संघ ने किया फैसले का स्वागत

नागपुर। आरएसएस ने गुरुवार को मुंबई की एनआईए अदालत के मालेगांव विस्फोट मामले के सभी सात आरोपियों को बरी करने के फैसले का स्वागत किया है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने इस फैसले को 'सत्य की जीत' बताया और कहा कि इस फैसले ने हिंदू समुदाय को आतंकवाद से जोड़ने के निराधार प्रयासों को उजागर कर दिया है।

सीएम योगी बोले- सत्यमेव जयते

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मालेगांव विस्फोट मामले में सभी आरोपियों का निर्दोष सिद्ध होना 'सत्यमेव जयते' की उद्घोषणा है। यह निर्णय कांग्रेस के भारत विरोधी, न्याय विरोधी और सनातन विरोधी चरित्र को उजागर करता है। कांग्रेस ने 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द गढ़कर करोड़ों सनातन आस्थावानों, साधु-संतों की छवि को कलंकित करने का अपराध किया है।

आरोपियों के छूटने के लिए जानबूझकर की गई घटिया जांच जिम्मेदार: ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मालेगांव विस्फोट में छह नमाजी मारे गए थे और लगभग 100 घायल हुए थे। आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले के आरोपियों को जानबूझकर की गई घटिया जांच के कारण बरी कर दिया गया। ओवैसी ने क्या मोदी और फडणवीस सरकार इस फैसले के खिलाफ उसी तरह अपील करेंगी, जिस तरह उन्होंने मुंबई ट्रेन धमाकों में सभी दोषियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी।

महाराष्ट्र एटीएस को 10 दिन के अंदर दूसरा बड़ा झटका

मुंबई। महाराष्ट्र में 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बृहस्पतिवार को निचली अदालत द्वारा सभी सात आरोपियों को बरी किये जाने का फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए पिछले 10 दिनों में दूसरा झटका साबित हुआ। इससे पहले बम्बई हाईकोर्ट ने 2006 के मुंबई सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले में 22 जुलाई को 11 आरोपियों को बरी कर दिया था। इस मामले की जांच भी एटीएस ने ही की थी।

एटीएस ने मालेगांव विस्फोट मामले की भी शुरुआती जांच की थी और मुख्य आरोपी प्रज्ञा सिंह ठाकुर एवं लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित विभिन्न आरोपियों को गिरफ्तार किया था। बाद में इस मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली थी।

एटीएस ने 21 अक्टूबर, 2008 को जांच अपने हाथ में लेने के दो दिन के भीतर प्रज्ञा सिंह ठाकुर, शिवनारायण कलसांगरा और श्याम भवरलाल साहू को गिरफ्तार कर लिया था और दावा किया था कि विस्फोट दक्षिणपंथी चरमपंथियों द्वारा किया गया था। एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में इस मामले का खुलासा हुआ था, लेकिन दुर्भाग्यवश वह 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों की गोलियों का शिकार हो गए थे एटीएस ने कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे को भगोड़ा घोषित कर दिया गया। उनका कोई पता नहीं चला।

नेशनल ब्रीफ

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक सेवानिवृत्त

मुंबई। महाराष्ट्र में 80 से ज्यादा गैंगस्टरों को ढेर करने वाले 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' के नाम से मशहूर सहायक पुलिस आयुक्त दया नायक 30 साल की सेवा के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस बल से सेवानिवृत्त हो गए। वर्ष 1995 बैच के उपनिरीक्षक नायक को मुंबई अपराध शाखा की बांद्रा इकाई में वरिष्ठ निरीक्षक के रूप में सेवा देने के बाद दो दिन पहले ही सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया था। नायक, महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने 2021 में उद्योगपति मुकेश अंबानी के मालाबार हिल स्थित घर एंटीलिया के पास खड़ी विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी और उसके बाद गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के मामले को सुलझाया था।

इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग तक करेगा मार्च

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को विपक्षी इंडिया गठबंधन संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से उठा रहा है और विरोध प्रदर्शन कर रहा है। अब इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग के खिलाफ मार्च एवं जनजागरूकता अभियान चलाकर इसे राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहा है। सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि इंडिया गठबंधन ने आठ अगस्त को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च निकालने की योजना बनाई गई है और संसद के भीतर और बाहर एसआईआर के मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखने का निर्णय लिया है। सुबह इंडिया गठबंधन की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई और सभी दलों ने एकमत से तय किया है कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर संसद के मानसून सत्र में चर्चा होनी चाहिए।

जुलाई में दिल्ली की हवा 7 साल में सबसे स्वच्छ

नई दिल्ली। दिल्ली में जुलाई में सात साल में सबसे साफ हवा दर्ज की गई, जहां एक्यूआई घटकर संतोषजनक श्रेणी में 78 पर आ गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस जुलाई का एक्यूआई 2020 से भी बेहतर रहा, जब कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान आवाजाही और औद्योगिक गतिविधियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आई थी। सीएक्यूएम के अनुसार, बीते वर्षों में जुलाई का औसत एक्यूआई 2018 में 104, 2019 में 134, 2020 में 84, 2021 में 110, 2022 में 87, 2023 में 84 और 2024 में 96 रहा।

दुर्गा पूजा समितियों का अनुदान 1.10 लाख रुपये

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि उनकी सरकार राज्य भर में लगभग 40 हजार दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 1.10 लाख रुपये का अनुदान देगी, कर माफ करेगी तथा 80 प्रतिशत बिजली रियायत देगी। इस घोषणा से आयोजकों में खुशी है जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना करते हुए इसे 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी उपहार करार दिया।

एसआईटी को कर्नाटक के धर्मस्थल में मिले कई कंकाल

मंगलुरु। कर्नाटक के धर्मस्थल कस्बे में कथित सामूहिक कब्रों की जांच कर रही एसआईटी ने छठे चिह्नित स्थान पर कंकाल बरामद होने के बाद वहां सुरक्षा बढ़ाते हुए फॉरेंसिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस स्थान की पहचान मामले में मुख्य शिकायतकर्ता ने की थी और क्षेत्र में सैकड़ों कब्र होने का आरोप लगाया था।

एसआईटी सूत्रों के अनुसार, छठे चिह्नित स्थान पर हालिया खुदाई में महत्वपूर्ण मानव अवशेष मिले हैं। अधिकारियों ने इस स्थान की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाए हैं और छेड़छाड़ या पर्यावरणीय क्षति, विशेष रूप से जल जमाव से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए चारों तरफ सुरक्षात्मक 'शीट' लगाई हैं क्योंकि जल जमाव से साक्ष्य की विश्वसनीयता खतरे में पड़ सकती है। अवशेषों को विश्लेषण के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजे जाने की उम्मीद है।

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, दिनभर के लिए स्थगित हुई बैठक

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर सहित कई मुद्दों पर विरोध

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक गुरुवार को तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न चार बज कर 45 मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाए।

इसके बाद उपसभापति ने इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किये जाने का जिक्र किया। उपसभापति ने इसरो से संबद्ध वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य सभी लोगों तथा नासा की समन्वय टीम को सदन और पूरे देश की ओर से बधाई दी। इसके बाद हरिवंश ने सदस्यों ने शून्यकाल तथा प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सत्र की शुरूआत से गतिरोध के कारण करीब 30 घंटे का समय बर्बाद हो चुका है।

उन्होंने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत 28 नोटिस मिले हैं जिनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के कथित उत्पीड़न, बंगाली कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 फीसदी कर के दुष्प्रभाव तथा उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के मुद्दे पर नियत कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की गई है।

उपसभापति ने कहा कि ये नोटिस आसन द्वारा पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। नोटिस स्वीकार नहीं किए जाने पर विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया और हंगामा करने लगे। हरिवंश ने हंगामे को देखते हुए 11 बजकर 15 मिनट पर बैठक को दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होते ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा की अपनी मांग दोहराई और हंगामा करने लगे। इसी दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि बुधवार को सदन में जब गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का जवाब देना शुरू किया, तो कुछ विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

संसद परिसर में प्रदर्शन करते कांग्रेस व अन्य नेता। ● एजेंसी

ट्रंप का बयान पूरी तरह सही, प्रधानमंत्री मोदी ने खत्म कर दी भारत अर्थव्यवस्था: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बर्बाद अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है। उन्होंने कहा, क्या आपको मालूम नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक बर्बाद अर्थव्यवस्था है।

बच्चे की मौत के मामले में समझौता माना तो ये ब्लड मनी उचित ठहराने जैसा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक कार दुर्घटना में पांच वर्षीय बच्चे की मौत के मामले में दो पक्षों के बीच समझौते को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा है कि इस तरह के समझौते को मंजूरी देना 'ब्लड मनी' को उचित ठहराने के समान होगा, क्योंकि कोई भी सभ्य समाज 'ब्लड मनी' को स्वीकार नहीं करेगा।

'ब्लड मनी' से आशय हत्या के अपराध को माफ करने के बदले पैसा लेना है। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने अपने आदेश में कहा कि मृतक बच्चे के विधिक प्रतिनिधियों को पैसे के बदले में बच्चे की जान का सौदा करने का कोई नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे विचार से, इस तरह के समझौते को मंजूरी देने के बाद प्राथमिकी को रद्द करना, 'ब्लड मनी' को उचित ठहराने के समान होगा, जिसे हमारी कानूनी व्यवस्था मान्यता नहीं देती। अभियोजन के अनुसार, याचिकाकर्ता विपिन गुप्ता ने अपनी कार तेज और लापरवाही से चलाते हुए एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे कार पलट गई और पांच साल का बच्चा उसके नीचे दब गया। बच्चे को आरएमएल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी ने कार को लापरवाही से चलाया था या नहीं, यह परीक्षण का विषय होगा।

● दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राथमिकी रद्द करने से किया इन्कार

पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम ने राजग से नाता तोड़ा

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम के नेतृत्व वाली 'एआईएडीएमके कैडर राइट्स रिट्रीवल कमेटी' ने बृहस्पतिवार को भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ लिया। पनीरसेल्वम ने दिन में दो बार द्रमुक अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से मुलाकात की। बाद में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राजग में उनका अपमान नहीं हुआ। समिति के सलाहकार और वरिष्ठ नेता पी एस रामचंद्रन ने इस फैसले की घोषणा की।

राधे-राधे कहने पर नर्सरी छात्रा के मुंह पर टेप चिपकाया, प्राचार्य गिरफ्तार

दुर्ग, एजेंसी

- छत्तीसगढ़ के दुर्ग में इंग्लिश मीडियम स्कूल की घटना

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में कथित रूप से राधे-राधे कहने पर नर्सरी कक्षा में पढ़ने वाली साढ़े तीन वर्षीय छात्रा को पीटने और उसके मुंह पर टेप चिपकाने के लिए पुलिस ने स्कूल की प्राचार्य को गिरफ्तार किया।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बच्ची के पिता प्रवीण यादव की शिकायत पर पुलिस ने नंदिनी नगर थानाक्षेत्र के बागडुमर इलाके स्थित 'मदर टेरेसा इंग्लिश मीडियम स्कूल' की प्राचार्य ईला ईवन कौलविन को गिरफ्तार कर लिया। यादव ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में आरोप लगाया कि बुधवार को जब उनकी बच्ची स्कूल से वापस आई तब उसने बताया कि प्राचार्य ईला ईवन कौलविन ने राधे-राधे कहने पर उसकी पिटाई की और मुंह पर टेप लगा दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिकायत पर स्कूल की प्राचार्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया।

विधान परिषद में फोन पर रमी खेल रहे मंत्री से कृषि विभाग छिना

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद में मोबाइल फोन पर ऑनलाइन 'रमी गेम' खेलते देखे जाने के बाद विवाद में फंसे महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता माणिकराव कोकाटे से बृहस्पतिवार को कृषि विभाग छीन लिया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, खेल मंत्री और राकांपा नेता दत्तात्रेय भरणे नए कृषि मंत्री होंगे, जबकि कोकाटे नए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री होंगे। अधिसूचना में कहा गया कि कोकाटे अल्पसंख्यक विकास और औकाफ विभागों का भी प्रभार संभालेंगे।

'योगी आदित्यनाथ' पर बनी फिल्म को प्रमाणपत्र न देने पर निर्माता कोर्ट पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

- बंबई हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

फिल्म निर्माताओं ने उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित अपनी एक फिल्म को लेकर बंबई उच्च न्यायालय का रुख किया है और अनुमति प्रमाणपत्र नहीं देने के केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के फैसले को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि वह शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करेगी, लेकिन साथ ही यह भी पूछा कि सीबीएफसी ने आवेदन क्यों खारिज कर दिए जबकि जिस उपन्यास से फिल्म प्रेरित है, वह आठ साल से सार्वजनिक रूप से मौजूद है। अगर पुस्तक पर कोई आपत्ति नहीं जताई गई, तो उससे प्रेरित फिल्म सार्वजनिक व्यवस्था को कैसे बिगाड़ सकती है। अदालत ने सीबीएफसी को नोटिस जारी कर जवाब मांगते हुए यह सवाल पूछा। फिल्म निर्माता 'सम्राट सिनेमैटिक्स' का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता असीम नफड़े, सत्य आनंद और निखिल अराधे ने तर्क दिया कि सीबीएफसी ने फिल्म देखे बिना ही फिल्म, ट्रेलर और उसके गानों के लिए प्रमाणपत्र देने से जुड़े आवेदन को खारिज कर दिए।

राष्ट्रपति की नसीहत

कहा- मरीज डॉक्टरों में भगवान का रूप देखते हैं, इसलिए उनके जीवन के अंधकार दूर करें

चिकित्सक इलाज में पेशेवर रहें मगर व्यवहार में संवेदनशील

देवघर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को चिकित्सा जगत से आग्रह किया कि वे उपचार और निदान में तो पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। व्यवहार के मामले में उन्होंने चिकित्सकों से उन लोगों के प्रति संवेदनशील होने का भी आग्रह किया जो डॉक्टर को ईश्वर मानते हैं।

मुर्मू ने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। राष्ट्रपति ने कहा, निदान और शल्य चिकित्सा में पेशेवर रवैया अपनाएं, लेकिन व्यवहार में नहीं। लोगों के प्रति संवेदनशील रहें क्योंकि वे आपको भगवान मानते हैं। नैतिक मूल्यों, करुणा और दान का पालन करके डॉक्टर लोगों के जीवन से अंधकार को दूर कर सकते हैं।

● देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

उन्होंने कहा, आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिए सक्षमता केंद्र के रूप में, एम्स देवघर को मौजूदा पांच गांवों के अलावा और अधिक गांवों को गोद लेना चाहिए और खुद को एक आदर्श के रूप में पेश करने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि इन परिस्थितियों में डॉक्टरों को समाज की सेवा के लिए हाथ बढ़ाना चाहिए। उन्होंने ड्रोन के माध्यम से दूर-दराज के आदिवासी क्षेत्रों में विष-रोधी दवाएं भेजने के लिए एम्स देवघर की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि उनका इस संस्थान से विशेष जुड़ाव है, क्योंकि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इसकी आधारशिला रखी थी, तब वह झारखंड की राज्यपाल थीं। इस समारोह में मुर्मू मुख्य अतिथि रहीं और राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद निशिकांत दुबे और मंत्री दीपिका पांडे सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर मुर्मू यहां पहुंचीं। संस्थान में एमबीबीएस के पहले बैच की पढ़ाई पूरी हो गई है, जिन्हें 2019 में प्रवेश दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 मई 2018 को 1,103 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इस संस्थान की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 12 जुलाई 2022 को शहर के दौरे के दौरान एम्स-देवघर में अंतः रोगी विभाग और ऑपरेशन थियेटर को देश को समर्पित किया था। राष्ट्रपति मुर्मू अब शुक्रवार को आईआईटी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में भी शिरकत करेंगी।

अमृत विचार

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

"सच्चा ज्ञान केवल यही है कि आप कुछ भी नहीं जानते।"

भारत झुकने वाला देश नहीं

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का श्रेय लेने के लिए लगातार अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में पहले विदेश मंत्री फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि इस बारे में उनसे कोई बात नहीं हुई, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे की तर्ज पर भारत को मित्र देश बताते हुए 25 फीसदी टैरिफ का बम फोड़ने के बाद अर्थव्यवस्था को ही 'डेड' बता दिया। ट्रंप ने अपने टैरिफ कदम को अमेरिका का व्यापार घाटा कम करने के लिए जरूरी बताया, लेकिन वास्तव में यह फैसला इससे कहीं ज्यादा, भारत और रूस की दोस्ती तथा ब्रिक्स समूह के अलावा भारत की आर्थिक ताकत से जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन भारत के रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने से नाराज है। वह भारत की सदस्यता वाले ब्रिक्स समूह को अपना विरोधी मानता है। फिलहाल, ट्रंप के टैरिफ ऐलान से बीते छह माह से चल रही भारत-अमेरिका ट्रेड डील वार्ता में गतिरोध और गहरा गया है। ट्रंप अपने पक्ष में नतीजे के लिए भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं। लेकिन, भारत अपने किसानों, व्यापारियों, छोटे उद्यमियों के हितों पर मजबूती से अड़ा है और यह क्षेत्र मुक्त व्यापार के लिए नहीं खोलना चाहता है, जबकि अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों की भारत के बाजार में बेहतर पहुंच चाहता है। भारत ने डेयरी उत्पादों पर शर्त लगा रखी है कि ये मांसाहारी चारा खाने वाले जानवरों से प्राप्त नहीं होने चाहिए। इसी तरह यह भी साफ कर दिया है कि मक्का, सोयाबीन, गेहूं और एथेनॉल पर टैरिफ में कटौती करना उसके लिए संभव नहीं है, क्योंकि इससे अमेरिकी रियायती कृषि उत्पादों से प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। यही नहीं, अमेरिका की उससे ही हथियार खरीदने की शर्त भी भारत को मंजूर नहीं है।

अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ट्रंप व्यापार में फायदे के लिए धमकाने और दबाव बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह पहले भी कई देशों के साथ ऐसा कर चुके हैं। लेकिन भारत अपने हितों की रक्षा में जिस मजबूती से खड़ा है, उससे साफ है कि मोदी सरकार दुनिया को अपनी आर्थिक ताकत का अहसास करा रही है। सरकार ने अपना रुख जरा भी ढीला करने की बजाय साफ कर दिया है कि राष्ट्रीय हित में वह सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे, जैसे कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते में उठाए गए थे। ट्रंप को नहीं भूलना चाहिए कि उनके टैरिफ का अमेरिका पर भी नकारात्मक असर होगा। वहां स्मार्टफोन, रेडीमेड गारमेंट्स, ऑटो पार्ट्स, आभूषण और फार्मास्युटिकल उत्पादों की कीमत बढ़ जाएगी, क्योंकि भारत इनका प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। ट्रंप की घोषणा का तात्कालिक असर डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और शेयर बाजार में गिरावट के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह संकट भारत के लिए सुधार और भारतीय कंपनियों को नए बाजार बनाने का मौका दिला सकता है। इसके साथ ही ट्रंप जिस तरह अपने फैसलों से पलटते और पीछे हटते रहे हैं, उसके मद्देनजर यह उम्मीद भी है कि जल्दी ही रास्ता निकल आएगा और आगामी वार्ता में एक हितकारी व्यापार समझौते को आकार दिया जा सकेगा।

प्रसंगवश

टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएगा भारत!

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की वापसी के बाद, उनकी अमेरिका फर्स्ट 2.0 नीति के तहत भारत समेत कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाने की रणनीति अपनाई जा रही है और डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत को साफ तौर पर 1 अगस्त तक की समय सीमा दी है। अगर तब तक कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय

राजेश जैन
कोटा

उत्पादों पर 16 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा। यह शुल्क पहले से लागू 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के अलावा होगा, जिससे कुल शुल्क 30 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक चेतावनी है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा-खासकर टैक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, जेम्स-ज्वेलरी और फार्मा सेक्टर पर। जब एक अमेरिकी ग्राहक भारतीय गारमेंट या फार्मा उत्पाद खरीदने की सोचेगा, तो उसे 25 प्रतिशत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे में भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर भारत हर साल अमेरिका को लगभग 9 अरब डॉलर के कपड़े निर्यात करता है। ऐसे में अगर टैरिफ बढ़ गया, तो बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश इस मौके का फायदा उठा सकते हैं, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें शुल्क रियायतें दे रखी हैं। यह टैरिफ संकट केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। भारत की छवि अनिश्चित व्यापारिक वातावरण वाले देश की बन सकती है, जिससे संभावित विदेशी निवेशक हिचक सकते हैं। भारत की ओर से संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। भारत चाहता है कि टैरिफ 10 प्रतिशत से कम रखा जाए और बदले में अमेरिका को कुछ क्षेत्रों में रियायतें दी जाएं। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह कृषि और डेयरी क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के लिए नहीं खोलेगा। अमेरिका लंबे समय से इन क्षेत्रों में प्रवेश चाहता रहा है, लेकिन भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि अन्नदाता के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

भारत गैर-कृषि क्षेत्रों में समझौते के लिए तैयार है और अमेरिका को यह भी प्रस्ताव दे चुका है कि यदि शुल्क घटाए जाते हैं, तो भारत अमेरिकी औद्योगिक सामानों पर टैक्स पूरी तरह खत्म करने को तैयार है। इतना ही नहीं, भारत ने बोइंग से विमान खरीदने की संभावना भी जताई है, ताकि व्यापार घाटा संतुलित हो सके।

इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका की ट्रेड टीम 25 अगस्त को भारत आ रही है। उम्मीद है कि सितंबर-अक्टूबर तक दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते तक पहुंच सकते हैं। पिछली बैठक वॉशिंगटन में हुई थी, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी। ट्रंप के हालिया बयान भारत पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं। उनका यह कहना कि "अब मैं इंचार्ज हूं और यह सब खत्म होगा", संकेत देता है कि वह भारत को शीघ्र समझौते के लिए बाध्य करना चाहते हैं जबकि भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी साफ किया है कि भारत किसी भी समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर नहीं करेगा। भारत सिर्फ उन्हीं शर्तों पर समझौता करेगा, जो देश के हित में हों और पूरी तरह से परखी गई हों। कूटनीतिक स्तर पर भारत की भूमिका और भी ज़िम्मेदार हो गई है। भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं-हम रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय मंचों पर साझेदार हैं। अमेरिका के लिए भी यह समझदारी भरा कदम होगा कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को खराब न होने दे। जब युद्ध तलवारों से नहीं, व्यापार की शतरंज पर लड़ा जाए, तो हर चाल का असर करोड़ों लोगों की जेब और भविष्य पर पड़ता है। अगर व्यापार युद्ध है, तो समझौता उसकी शांति है-लेकिन शांति हमारी शर्तों पर होनी चाहिए, झुकाव की मुद्रा में नहीं। भारत को इस लड़ाई में अपनी ज़मीन पर टिके रहकर, नीतिगत मजबूती और कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना होगा। तभी हम इस टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे।

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश

डॉ. रमेश ठाकुर
नई दिल्ली

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाईयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाईयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वनिर्मित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है।

इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

> अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है।

आमने

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हम इसे विस्तार से देखेंगे और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा (ऊपरी अदालत जाने पर)। जो बातें सामने आ रही हैं, उनसे साफ पता चलता है कि यह एक साजिश थी।"

सामने

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने कहा, "जहां तक मुझे पता है, एनआईए ने उन्हें कड़ी सज़ा देने को कहा था। हालांकि, अब अदालत ने फैसला सुना दिया है।"

आखिर मौतघर क्यों बन जाते हैं सीवर

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सोशल ऑडिट की एक ताजा रिपोर्ट से बेहद दर्दनाक सच्चाई सामने आई है कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफ़ाई के दौरान जान गंवाने वाले 90 प्रतिशत से ज्यादा मज़दूरों के पास किसी भी तरह के सुरक्षा उपकरण नहीं थे। जांचकर्ताओं ने 2022 और 2023 के बीच 8 राज्यों के 17 ज़िलों में हुई में हुईं 54 मौतों की गहराई से पड़ताल की। पाया गया कि 54 मौतों में से 49 मामलों में मज़दूरों ने कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं पहना था। सिर्फ़ पांच मामलों में उनके पास दस्ताने थे और सिर्फ़ एक मामले में दस्ताने और गमबूट दोनों थे। इससे भी ज़्यादा गंभीर बात यह है कि 47 मामलों में मज़दूरों को सफ़ाई के लिए कोई भी मशीनी उपकरण नहीं दिया गया था। यही नहीं, 27 मामलों में तो मज़दूरों से काम के लिए सहमति तक नहीं ली गई थी, और जिन 18 मामलों में लिखित सहमति ली भी गई, वहां उन्हें काम में शामिल जान के ख़तरों के बारे में कुछ नहीं बताया गया।

सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि 'नमस्ते' योजना के तहत 'खतरनाक तरीक़े से सीवर की सफ़ाई' की समस्या के निराकरण पर काम करना बचा है। नमस्ते योजना के तहत, अब तक देश भर में 84,902 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की पहचान की गई है, जिनमें से आधे से कुछ ज़्यादा को ही पीपीई किट और सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं। विदित हो कोई पांच साल पहले सुप्रीम कौर्ट ने आदेश दिया है कि यदि सीवर की सफाई के दौरान कोई श्रमिक मारे जाते हैं उनके परिवार को सरकारी अधिकारियों को 30 लाख रुपये मुआवजा देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने साथ ही कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये और अन्य किसी विकलांगता से ग्रस्त होता है तो उसे 10 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। यह आदेश भी क्रियान्वयन के धरातल पर उतर नहीं पाया क्योंकि अधिकांश सीवर सफाई करने वालों को कार्य सौपने का कोई दस्तावेज ही नहीं होता। एक तरफ कम खर्च में श्रम का लोभ है तो दूसरी तरफ पेट भरने की मजबूरी और तीसरी है आम मजदूरों को सरकारी कानूनों की जानकारी न होना।

सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। यही नहीं अब नागरिक भी अपने घर के सैप्टिक टैंक की सफाई के लिए अनियोजित क्षेत्र से मजदूरों को बुला लेते हैं और यदि उनके साथ कोई दुर्घटना होती है तो ना तो उनके आश्रितों को कोई मुआवजा मिलता है और ना ही कोताही करने वालों को कोई समझाईश। शायद यह पुलिस को भी नहीं मालूम है कि इस तरह सीवर सफाई का ठेका देना हाईकोर्ट के आदेश के विपरीत है। समाज के जिम्मेदार लोगों ने कभी महसूस ही नहीं किया कि नरक-कुंड की सफाई के लिए बगैर तकनीकी ज्ञान व उपकरणों के निरीह मजदूरों को सीवर में उतारना अमानवीय है।

यह विडंबना है कि सरकार व सफाई कर्मचारी आयोग सिर पर मैला ढ़ोन की अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के नारों से आगे इस तरह से हो रही मौतों पर ध्यान ही नहीं देता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाईकोर्ट ने 12 साल पहले सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनकी परवाह और जानकारी किसी को नहीं है। सरकार ने भी सन 2008 में एक अध्यादेश लाकर गहरे में सफाई का काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने की अनिवार्यता की बात कही थी। कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाईन के नक्शे, उसकी गहराई से संबंधित आंकड़े होना चाहिए। सीवर सफाई का दैनिक रिकार्ड, काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना, काम में लगे कर्मचारियों का नियमित ट्रेनिंग, सीवर में गिरने वाले कचरे की हर दिन जांच कि कहीं इसमें कोई रसायन तो नहीं गिर रहे हैं, जैसी आदर्श स्थिति कागजों से ऊपर कभी आ नहीं पाई। सुप्रीम कोर्ट का ताजा आदेश है तो ताकतवर लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में मजदूरों को काम अपर लगाने का कोई रिकार्ड ही नहीं होता। यह सिद्ध करना मुश्किल होता है कि अमुक व्यक्ति को अमुक ने इस काम के लिए बुलाया था या काम सौंपा था।

यह एक शर्मनाक पहलू है कि यह जानते हुए भी कि भीतर जानलेवा गैसें और रसायन हैं, एक इंसान दूसरे इंसान को बगैर किसी बचाव या सुरक्षा-साधनों के भीतर ढकेल देता है। वैसे यह कानून है कि सीवर सफाई करने वालों को गैस-टेस्टर (जहरीली गैस की जांच का उपकरण), गंदी हवा को बाहर फैंकने के लिए ब्लोअर, टार्च, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकने का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवष्यक है। मुंबई हाईकोर्ट का निर्देष था कि सीवर सफाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कतई नहीं करवाना चाहिए। सफाई का काम करने के बाद उन्हें पीने का स्वच्छ पानी, नहाने के लिए साबुन व पानी तथा स्थान उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी भी कार्यकारी एजेंसी की है। काश कानून इतनी कड़ी से लागू हो कि मुआवजा दने की नौबत आये नहीं और सफाई कार्य से पहले ही जिम्मेदार एजेंसियां सुरक्षा उपकरण और कानून के प्रति संवेदनशील हों।

> सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है।

सामयिकी

सोशल मीडिया से बच्चों में बढ़ता मानसिक प्रदूषण

हाल ही में आस्ट्रेलिया नें तमाम सोशल मीडिया ऐप्स सोलह वर्ष से कम बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गए हैं। आस्ट्रेलियाई सरकार ने बच्चों को विचलन से बचाने के लिए ऐसा किया है। हालांकि यूट्यूब इसमें शामिल नहीं है। आस्ट्रेलिया ने माना है कि यूट्यूब शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन है न कि सोशल मीडिया।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

सोशल मीडिया प्रतिबंध के संबंध में आस्ट्रेलिया का कथन महत्वपूर्ण है-सोशल मीडिया समुद्र की तरह है, बच्चों को तैरने के लिए खुले समुद्र में छोड़ देना ठीक नहीं है। हम चाहते हैं कि पहले वे निजी तालाब में तैरना सीखें। समुद्र में शार्क का खतरा रहता है। बच्चों को खतरनाक शार्क से बचाना हमारी जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर किसी तरह का प्रतिबंध शत-प्रतिशत प्रभावी नहीं होता। किन्तु आस्ट्रेलिया के इस प्रयास को सराहा जा सकता है। हर हाथ स्मार्टफोन के समय में मोरल पुलिसिंग कठिन है, किन्तु कोशिश तो की ही जा सकती है।

> भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं।

भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं। अश्लील इशारे अश्लील बोल आम तरीके हो गए हैं व्यू कमाने के। भारत में सोशल मीडिया पर तैर रही अश्लील सामग्रियों पर कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में मोबाइल है, और उनकी आंखों के आगे अनपेक्षित दृश्य तैर रहे हैं जो बच्चों की उम्र और समझ के अनुकूल नहीं होते। एक तरह का मानसिक प्रदूषण बच्चों के मस्तिष्क में भरता जा रहा है और उसके दुष्परिणाम भी हमें आए दिन देखने को मिल रहे। बच्चों में गुस्सा, ईर्ष्या, अनुशासनहीनता, विचलन बढ़ता जा रहा है एवं क्रियात्मकता एवं रचनात्मकता का अभाव होता जा रहा है। बच्चों को समुद्र से नहीं बचाया जा सकता लेकिन समुद्र के पानी को साफ किया जा सकता है। बदला भी जा सकता है। शार्क से बचाने के लिए बच्चों को समुद्र से दूर रखना भी समझदारी नहीं लगती। एक बार असली समुद्र से हम बच्चों को बचा सकते हैं लेकिन सोशल मीडिया के समुद्र से ज्यादा दिन तक दूर रख पाना असंभव है।

सोशल फोरम

ट्रंप के भारत को लेकर नित्य नए फरमान

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ थोपते हुए कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो हम उसपर भारी जुर्माना के रूप में अभी और अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे। 'रात गई, बात गई' की तर्ज पर कुछ अच्छे मूड में न्यूज देख रहा था। देखा कि ट्रंप साहब एक नए शगूफे के साथ छाए हुए हैं। फरमान जारी कर दिया कि "हम और पाकिस्तान मिलकर एक नए तेल के प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं, भारत अब पाकिस्तान से तेल खरीदेगा।"

अब उनके इस उद्घघोषणा के तरह-तरह से अर्थ निकाले जाएंगे। इस संदर्भ में सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करना होगा कि क्या हथियारों का सौदागर, अब तेल माफिया के रूप में अवतरित हो रहा है? विश्लेषक मानकर चलें कि ट्रंप के मुंह से निकली सारी बातें सिर्फ शगूफा ही नहीं होती। अमेरिका की ज्यादातर दूरगामी पॉलिसी ऐसी होती हैं, जिनपर उनकी संसद काफी चिंतन-मंथन के बाद अपनी मोहर लगाती है। संसद में पिछले दो दिनों के बहस के दौरान, यह बात भी

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

खुलकर सामने आ गई है कि भारत सरकार का झुकाव अभी भी अमेरिका की तरफ ही है। यद्यपि बहस के दौरान सरकार को किसी भी अप्रिय प्रकरण में, अमेरिका के साथ ही साथ, चीन का भी खुलकर नाम लेने से परहेज करते और किसी भी टकराव से बचते देखा गया, परंतु अब वो दिन ज्यादा दूर नहीं लगता जब हमें खुलकर, इन दो महाशक्तियों में से किसी एक के साथ, सामने आना होगा। बेहद ही नाजुक स्थिति के इस दौर में, जबकि एकतरफ अमेरिका अपनी शर्तों पर दादागिरी के साथ, हमसे संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ चीन हमारी कुछ शर्तों के साथ, हमसे बात करने को राजी होता दिखाई नहीं देता है, ऐसी विषम स्थिति में हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि हमारा पारंपरिक मित्र रूस, पहले से ही अपनी नाजुक आर्थिक व व्यापारिक स्थिति को भांपते हुए, चीन के साथ हांथ मिला चुका है।

> क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

ट्रंप महोदय की ऐसी मानसिकता देखकर, इतना तो स्पष्ट है कि इस शख्स को आतंकवाद से अब कोई गुरेज नहीं रहा है। यह वो महत्वकांक्षी इंसान है, जो अपनी दादागिरी के बलबूते, अपनी महत्वकांक्षा पूरे विश्व पर थोपने को उतारू हो चला है। शक्तिशाली देश रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझाकर, अब उसे भांति-भांति के धमकी निरंतर दे रहा है कि रूस युद्ध विराम करे। एशिया के अन्य एक शक्तिशाली देश चीन को घेरने के लिए उन्होंने तरह-तरह के व्यूह रचनाएं शुरू कर दी है। जहां तक भारत की बात है वो आर्थिक विकास की ओर अग्रसर हमारे देश को कई मोर्चे पर एक साथ आर्थिक क्षति पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे हैं। क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

- सूर्य की ऊर्जा ही पृथ्वी पर संभव बनाती है जीवन, ब्रह्मांड के नियम जानने के लिए सूर्य को समझना जरूरी
- आईआईटी कानपुर के स्पेस विभाग में इसरो के आदित्य एल–1 मिशन से प्राप्त डेटा पर चल रहा शोध–अनुसंधान

सूरज के आंखें तरेरने पर कैसे होगी जीवन की रक्षा

सूर्य सिर्फ प्रकाश और गर्मी का स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक प्रयोगशाला है, जो ब्रह्मांडीय रहस्यों को सुलझाने में हमारी मदद कर सकता है। इसके अध्ययन से हम न सिर्फ ब्रह्मांड को बेहतर समझ सकते हैं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन सुरक्षित भी बना सकते हैं। सूर्य से आने वाली ऊर्जा ही पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाती है। ऐसे में वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि सूर्य कैसे स्थिर रूप से इतना ऊर्जा उत्सर्जित करता है और क्या इसमें कोई परिवर्तन भविष्य में जीवन को प्रभावित कर सकता है। सूर्य के ऐसे ही रहस्यों से ही पर्दा उठाने के लिए आईआईटी कानपुर के अंतरिक्ष, ग्रह एवं खगोलीय विज्ञान और इंजीनियरिंग (स्पेस) विभाग ने शोध-अनुसंधान की तरफ कदम बढ़ाए हैं। इसके लिए वैज्ञानिक इसरो के एल-1 मिशन से प्राप्त होने वाले डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं। नासा और ईएसए जैसी संस्थाएं अपने सौर मिशनों पारकर सोलर प्रोब और सोलर आर्बिटेटर के जरिए सूर्य की आंतरिक परतों और कोरोना की जांच में पहले से ही जुटी हैं।

यह शोध तारों और ग्रहों की समझ के लिए जरूरी

- ब्रह्मांड में बड़े पैमाने पर काम करने वाले नियम जानने के लिए वैज्ञानिक सूर्य की गतिविधियां, चुम्बकीय क्षेत्र, तापमान, गुरुत्वाकर्षण को समझना चाहते हैं। यह शोध ब्रह्मांड के अन्य तारों और ग्रहों की समझ के लिए भी जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य एक विशाल न्यूक्लियर रिएक्टर है। इसके भीतर हो रही न्यूक्लियर फ्यूजन प्रक्रिया को समझकर स्वच्छ और असीम ऊर्जा के स्रोत विकसित किए जा सकते हैं।

तारों के जन्म लेने व मरने की कहानी आएगी सामने

- सूर्य का अध्ययन करके वैज्ञानिक यह भी समझना चाहते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते हैं, कैसे जीवन चक्र पूरा करते हैं और कैसे मरते हैं। सूर्य की सतह पर होने वाले विस्फोट (सौर ज्वालाएं या सोलर फ्लेअर्स) और कोरोनल मॉस इजेक्शन पृथ्वी पर संचार प्रणाली, सेटेलाइट्स और बिजली ग्रिड को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक इनकी सटीक भविष्यवाणी करना चाहते हैं ताकि समय रहते सावधानी बरत कर भारी नुकसान को बचाया जा सके।

अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाएं पता लगाने में जुटे हैं वैज्ञानिक

- आईआईटी कानपुर का स्पेस विभाग अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में गहन शोध और बाहरी अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के काम में जुटा है। यह विभाग अंतरिक्ष मिशनों और खगोलीय वेधशालाओं के लिए उपकरण, अंतरिक्ष यान डिजाइन और अंतरिक्ष मिशन योजना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए इंजीनियरों, खगोलविदों, खगोल भौतिकविदों और ग्रहीय वैज्ञानिकों को एक साथ लाने पर भी काम कर रहा है। चंद्रमा से जुड़े अलग-अलग रहस्यों को उजागर करने के लिए वैज्ञानिकों की टीम यहां पहले से ही शोध करने में जुटी है।

गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी घटाने की कोशिश

- ग्लोबल वार्मिंग को लेकर पूरी दुनिया चिंता में है। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इससे समुद्र का पानी गर्म हो रहा है और पहाड़ों पर मौजूद ताजे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इस बड़े परिवर्तन से लड़ने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक सूरज की रोशनी को ठंडा करने के उपाय खोज रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि तेजी से गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी को कम किया जा सकता है या परावर्तित करके वापस अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। इस काम के लिए यूके के वैज्ञानिकों ने तकनीक खोजने का दावा किया है, जिस पर प्रयोग चल रहे हैं।

ब्रिटिश सरकार की एडवांस रिसर्च एंड इनवेंशन एजेंसी की ओर से इस प्रयोग के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये फंड तय किया गया है। एजेंसी के एरिया प्रोग्राम डायरेक्टर प्रोफेसर मार्क साइम्स ने बताया कि अभी यह प्रयोग कुछ ही स्थानों पर किया जाएगा और हम जो कुछ भी करेंगे वह बेहद सुरक्षित होगा। इस प्रयोग के जरिए वैज्ञानिक प्रयोगशाला से इतर असल दुनिया में आने वाले परिणाम के आंकड़े जुटाएंगे, ताकि इसे बड़े स्तर पर लागू करने के जोखिम का पता किया जा सके। यह भी बताया गया है कि बारिश के समय और तरीके में बदलाव हो सकता है।

अमेरिका में एआई क्रांति के पीछे अप्रवासियों का दिमाग

इस बात को चाहे कोई पसंद करे या न करे, अमेरिका का निर्माण अप्रवासियों ने ही किया था। अल्बर्ट आइंस्टीन से लेकर एलन मस्क तक, अप्रवासियों ने अमेरिका को एक महान देश बनाया है और एक बार फिर से अप्रवासी ताकत अमेरिका को महान बनाने के काम में लगी है, इस बार लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए दुनिया पर राज करने का है।

इसी इरादे से इस समय सिलिकॉन वैली की दिग्गज कंपनियों के बीच एआई को लेकर वर्चस्व की होड़ मची है। ऐसे में मेटा भी वैश्विक एआई की दौड़ में खुद को आगे रखने में जुटा है। लेकिन, उसकी सुपरइंटेलिजेंस टीम की संरचना इस बात का साफ संकेत दे रही है कि अप्रवासी प्रतिभा के बिना अमेरिका में कोई एआई क्रांति नहीं हो सकती। मार्क जुकरबर्ग के महत्वकांक्षी एजीआई (कृत्रिम सामान्य बुद्धिमता) अभियान के लिए फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपनी नई सुपर इंटेलिजेंस लैब में 11 शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमता शोधकर्ताओं को काम पर रखा है। मजे की बात है कि इस टीम में कोई भी अमेरिकी शामिल नहीं है। सभी सदस्य अप्रवासी हैं और भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन तथा आस्ट्रेलिया जैसे देशों से जुड़े हैं। यहीं नहीं इन सभी 11 विशेषज्ञों में से किसी के भी पास अमेरिका से स्नातक की डिग्री नहीं है। ये सभी शोधकर्ता ओपन एआई, गूगल, डीप माइंड तथा एंथ्रोपिक में काम कर चुके हैं। इन विशेषज्ञों ने चैट जीपीटी, जेमिनी और चिनचिला जैसे उन्नत एआई मॉडलों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे साफ है कि अमेरिकी कंपनियों के नेतृत्व में एआई प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में अप्रवासी प्रतिभा की आधार भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन्हीं 11 विशेषज्ञों की टीम में मेटा ने विगत दिनों आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र तृपित बंसल को शामिल किया है। वह पहले ओपन एई में अपना कौशल दिखा चुके हैं। आईआईटी कानपुर से गणित और सांख्यिकी में स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के बाद तृपित ने मैसाचुसेट्स एमर्हस्ट विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी पूरी की थी, इसमें उन्होंने मेटा-लर्निंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग (एनएलपी) में खास विशेषज्ञता हासिल की थी। यही वजह है कि उन्हें डीप लर्निंग, रीजनिंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग का गहरा जानकार माना जाता है। ओपन एआई को छोड़कर मेटा एआई की नई सुपरइंटेलिजेंस यूनिट ज्वाइन करने वाले तृपित बंसल ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अब सुपरइंटेलिजेंस की संभावना नजर आ रही है।

नए उत्पाद गैजेट

आईफोन 17 सीरीज में दो कैमरा कंट्रोल बटन के साथ होगा एप भी

- नए आईफोन बाजार में आने के लिए तैयार हैं। दीपावली से पहले एपल आईफोन 17 सीरीज आपके हाथ में होगी। बेस मॉडल आईफोन 17 नए रंगों में दिखाई देगा। इस बार भी सीरीज को चार नए डिवाइस आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स मॉडल में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। आईफोन 16 सीरीज में एक कैमरा कंट्रोल देखने को मिला था। जानकारी के मुताबिक आईफोन 17 सीरीज में अलग कैमरा मॉड्यूल दिया जाएगा। इस बार कंपनी एक नहीं बल्कि दो कैमरा कंट्रोल बटन देगी। इसके साथ एक कैमरा ऐप भी उपलब्ध होगा।

सेल्फी स्टिक, ईयरबड्स व नई पॉवर केबल

- स्मार्ट एक्सेसरी और ऑडियो ब्रांड्स में लिन ओरिजनल्स ने अपनी प्रीमियम टेक लाइनअप का विस्तार करते हुए चार नए लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट्स कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस, फ्लेम 14 सेल्फी स्टिक, फ्लेम 15 सेल्फी स्टिक और फ्लेक्सी 54सी केबल लॉन्च किए हैं। कंपनी का मानना है कि इन लेटेस्ट गैजेट्स की डिजाइन और फीचर्स ऐसे हैं जो आधुनिक यूजर्स के लिए फंक्शनैलिटी और यूजर फ्रेंडली अनुभव प्रदान करते हैं। वह भी रुपये 799 की शुरुआती कीमत से।
- फ्लेम 14 और 15 सेल्फी स्टिक को खासतौर पर उन लोगों के लिए डिजाइन की गई है, जो सफर के दौरान पैनोरमिक और सीनिक व्यूज कैप्चर करना पसंद करते हैं। इन दोनों स्टिक में स्टेबल कैमरा शॉट्स के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स की मदद से बिना किसी रुकावट के कहीं भी और कभी भी अपने पसंदीदा म्यूजिक या पॉडकास्ट का मजा लिया जा सकता है। इन बड्स की लंबी बैटरी लाइफ और कनेक्टिविटी इन्हें ट्रैवलर्स और म्यूजिक लवर्स को खास भाएगी। इसी तरह फ्लेक्सी 54सी केबल एक भरोसेमंद और फास्ट चार्जिंग सॉल्यूशन है, जो मोबाइल और टैबलेट दोनों को आसानी से पॉवर देता है।

अंतरिक्ष से सुरक्षित लौटकर दोबारा उड़ान भर सकेगा त्रिशूल रॉकेट

कानपुर स्थित निजी इंजीनियरिंग संस्थान पीएसआईटी के छात्रों ने अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने के इस्तेमाल में लाया जाने वाला एक ऐसा रॉकेट 'त्रिशूल' तैयार किया है, जिसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। त्रिशूल अपना काम पूरा करने के बाद वापस धरती पर लौट आएगा और इसे फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसरो के वैज्ञानिकों की देखरेख में रॉकेट त्रिशूल अक्टूबर माह में कुशीनगर से उड़ान भरेगा। इस रॉकेट को अंतरिक्ष में सेटेलाइट या पेलोड भेजने के लिए तैयार किया गया है। त्रिशूल रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाने के लिए, इसमें एक विशेष सेंसर युक्त पैराशूट लगाया गया है, जो उसे सुरक्षित जमीन पर उतार लाएगा। इस रॉकेट को पीएसआईटी स्टार्टअप इनक्यूबेशन फाउंडेशन (पीएसआईटी एसआईएफ) के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप रमन रिसर्च एंड इनोवेशन ने तैयार किया है। संस्थान का दावा है कि उसके स्टार्टअप्स राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उपस्थिति दर्ज कराने के साथ उस सपने को साकार कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य भारत को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता में अग्रणी बनाना है।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने स्टार्ट अप के जरिए बनाया उपग्रह भेजने वाला अपनी तरह का पहला रॉकेट

विशेष तरह का ब्लैक बॉक्स इसरो का 'नाविक' नेविगेशन

त्रिशूल रॉकेट में एक विशेष प्रकार का ब्लैक बॉक्स लगाया गया है, जो आपातकालीन परिस्थितियों में भी रॉकेट में डेटा को सुरक्षित रखेगा। यदि किसी कारणवश रॉकेट से संपर्क टूट जाए, तब भी यह मोबाइल पर अपनी जीपीएस लोकेशन भेज देगा। रॉकेट में लोकेशन और नेविगेशन के लिए इसरो द्वारा विकसित किए स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' का इस्तेमाल किया गया है, जिसके परिणाम आशानुरूप सटीक स्थिति वाले मिले हैं।

शुरू में शोध पेलोड्स लॉन्च करने की योजना

त्रिशूल रॉकेट एक किलोग्राम भार के पेलोड को पांच किलोमीटर ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम है। शुरुआत में इस रॉकेट की मदद से शोध पेलोड्स को लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। छात्रों द्वारा तैयार विभिन्न शोध पेलोड्स को लॉन्च करने में इसका प्रयोग होगा। रॉकेट का मल्टीपरपज उन्नत वर्जन बनाने को लेकर भी विचार चल रहा है।

'युविका' से सामने आ रहीं अंतरिक्ष विज्ञान में प्रतिभाएं

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन स्कूली बच्चों के लिए युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युविका' का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। मौजूदा समय में युवाओं के बीच अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी का काफी रुझान है। यही देखकर इसरो ने युवाओं को अंतरिक्ष की तरफ आकर्षित करने के लिए यह कार्यक्रम डिजाइन किया है। इस कार्यक्रम से छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित अनुसंधान या करियर आगे बढ़ाने के लिए सुगम रास्ता मिलता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,185 .58	24,768 .35
बढ़त	296 .28	86 .70
प्रतिशत में	0 .36	0 .35

सोना : 98,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, ट्रंप का बयान अनुचित

विश्लेषकों ने कहा- विदेशी निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना हुआ है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों ने कहा कि भारत तेज वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताना 'सरासर अनुचित' है। ऐसे समय जब अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष समेत प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में पेश कर रही हैं, ट्रंप का बयान कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र बना हुआ है और दुनिया की कई प्रमुख कंपनियां विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए इस देश की ओर देख रही हैं। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभाओं की विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में सबसे अधिक मांग है और यह अमेरिका सहित कई देशों को सेवाओं का एक प्रमुख निर्यातक रहा है। भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस के साथ व्यापार पर जुर्माना लगाने की घोषणा के एक दिन बाद, ट्रंप ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं। परामर्श कंपनी ईवाई इंडिया ने भारत के खिलाफ ट्रंप की टिप्पणियों को काफी अनुचित बताया और कहा कि वास्तव में, विश्व अर्थव्यवस्था का केंद्र धीरे-धीरे 'ग्लोबल साउथ' की ओर स्थानांतरित हो रहा है और जिसके लिए भारत ने खुद को अग्रणी भूमिका में रखा है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने बताया, दूसरी ओर, पूर्व विकसित अर्थव्यवस्थाएं तेजी से उम्रदराज हो रही हैं और इन अर्थव्यवस्थाओं में प्रवासी भारतीयों के योगदान से ही ये अर्थव्यवस्थाएं लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक मंडल ने फरवरी, 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के अपने आकलन में अधिकारियों की सूझबूझ वाली वृहद आर्थिक नीतियों और सुधारों' की सराहना की थी। इन नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दिया है। आईएमएफ ने यह भी कहा था कि भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। ईवाई के श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे जीवंत और गतिशील है और इसकी आबादी सबसे युवा लोगों में से है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या सांख्यिकी (2024) के अनुसार, भारत की जनसंख्या की औसत आयु 28.8 वर्ष है, जबकि अमेरिका की 38.5 वर्ष और यूरोप की 42.8 वर्ष है।

श्रीवास्तव ने कहा, ये विकसित अर्थव्यवस्थाएं ही हैं जो औसत आयु और विकास की संभावनाओं, दोनों ही दृष्टि से पुरानी पड़ चुकी हैं। इसके अलावा, भारत के पास प्रचुर मानव संसाधन भी हैं जो तकनीकी रूप से कुशल हैं और अंतरिक्ष, एआई (कृत्रिम मेध) और सृजन से जुड़े एआई के भविष्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आईएमएफ के विश्व आर्थिक परिदृश्य पर अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025 और 2026 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आईएमएफ के अप्रैल के क्रमशः 6.2 और 6.3 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और पेरिस स्थित आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसी अन्य अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भी इसी तरह के अनुमान लगाए हैं।

जीडीपी वृद्धि में 0.30% की गिरावट संभव

नई दिल्ली। वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने कहा कि अमेरिका की तरफ से भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाए जाने से चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी की वृद्धि दर में 0 .30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। हालांकि, बार्कलेज ने कहा है कि घरेलू मांग पर आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था पर इस शुल्क वृद्धि का व्यापक असर पड़ने की आशंका नहीं है।

भारत के प्रति अमेरिकी नीति दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले रही : बसु

नई दिल्ली। विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कहा कि भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप का भारत के प्रति कठोर रुख हैरान करने वाला है। इसके अलावा ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया है। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। बसु ने कहा, भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ बड़ा व्यापार घाटा होने का हवाला देते हुए भारतीय आयातों पर भारी शुल्क लगाने की घोषणा की है। बसु ने कहा, हालांकि भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा केवल 41 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो चीन (270 अरब अमेरिकी डॉलर) या वियतनाम जैसे छोटे देशों (113 अरब अमेरिकी डॉलर) के साथ घाटे के आसपास भी नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को अत्यधिक कर वसूलने वाला करार दिया है।

टैरिफ से कानपुर के निवेशकों को लगा 450 करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शेयर बाजारों में अस्थिरता का माहौल, निवेशक घबराए
- मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई

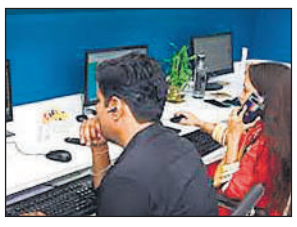

अमृत विचार। अमेरिकी टैरिफ ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में अस्थिरता ला दी। शुरुआती गिरावट के बाद दोपहर तक बाजार में थोड़ी रिकवरी रही, लेकिन आखिरी घंटे में भारी बिकवाली ने निवेशकों को फिर निराश किया। कुल मिलाकर हालात यह हुए कि इससे शहर के निवेशकों को लगभग 450 करोड़ रुपये का झटका लगा।

शेयर बाजार के हाल पर केश्री ब्रोकिंग के को-फाउंडर राजीव सिंह ने बताया कि शेयर बाजार में बेंचमार्क इंडेक्स के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। बाजार के रुख में कई बड़े समूह के शेयरों ने निवेशकों को निराश किया। हांलाकि गिरावट भरे शेयर बाजार में ऐसे सेक्टर भी रहे जो हरे निशान पर बंद हुए।

सबसे अधिक लाभ निफ्टी एफएमसीजी को हुआ। राजीव सिंह ने बताया कि ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' कहना एक अपरिपक्व और जल्दबाजी भरा मूल्यांकन है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व मंच पर एक ब्रांडेड पहचान बना रही है। एक ऐसा ब्रांड जो स्थिरता, संभावनाओं और समावेशी विकास का प्रतीक बन चुका है। इसकी वजह तेज विकास दर, स्थिर नींव है।

इसके अलावा आईएमएफ ने भी यह अनुमान लगाया है कि 2025 में भी 6.5 फीसदी विकास दर बनाए रखने में भारत सक्षम है। तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर भी भारत तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उधर यूपीआई ने डिजिटल लेन-देन में भारत को अग्रणी बना दिया।

बिजनेस ब्रीफ

एयर न्यूजीलैंड के सीईओ बने निखिल

नई दिल्ली। भारतीय मूल के निखिल रविशंकर लगभग पांच साल तक एयर न्यूज़ीलैंड से जुड़े रहने के बाद इस साल अक्टूबर से कंपनी के सीईओ का पदभार संभालने वाले हैं। संयोग से, एयर इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैम्पबेल विल्सन न्यूज़ीलैंड से हैं। एयर न्यूजीलैंड ने बुधवार को बयान में कहा, इस समय एयरलाइन के मुख्य डिजिटल अधिकारी, निखिल 20 अक्टूबर, 2025 को आधिकारिक तौर पर सीईओ का पदभार ग्रहण करेंगे। एयर न्यूज़ीलैंड में लगभग पांच वर्षों के कार्यकाल में निखिल ने विमानन क्षेत्र और एयरलाइन की गहरी समझ हासिल की है। उन्होंने एयरलाइन की तकनीकी रीढ़, लॉयल्टी प्रोग्राम और ग्राहक प्रस्ताव में भी महत्वपूर्ण प्रगति का नेतृत्व किया है।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर से उबरा

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबर गया और 15 पैसे सुधरकर 87 .65 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने तथा रूसी कच्चा तेल एवं हथियार खरीदने पर जुर्माना लगाने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप की आशंका के बीच रुपया संभला है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तीन साल से अधिक समय में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट यानी 89 पैसे टूटने के बाद रुपये ने कुछ हद तक वापसी की है लेकिन यह अब भी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है।

चीनी उत्पादन 3.49 करोड़ टन रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि अक्टूबर से शुरू होने वाले वर्ष 2025-26 सत्र में भारत का चीनी उत्पादन 18 प्रतिशत बढ़कर 3 .49 करोड़ टन होने की उम्मीद है, जिसमें 20 लाख टन निर्यात की गुंजाइश है। अनुमानित उत्पादन में आगामी सत्र के दौरान एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी का अपेक्षित उपयोग भी शामिल है। उद्योग निकाय ने कहा कि अगले सत्र के लिए अधिक चीनी उत्पादन अनुमान, वर्ष 2024-25 में एक साल पहले की तुलना में गन्ना उत्पादन में 42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ एक करोड़ 32 .6 लाख टन होने की संभावना है, जो बेहतर पैदावार और अच्छे मानसून के कारण रकबे में मामूली वृद्धि के कारण संभव है।

24 अरब से अधिक चिप का होगा उत्पादन

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि अब तक स्वीकृत सेमीकंडक्टर परियोजनाओं से प्रति वर्ष 24 अरब से अधिक चिप का उत्पादन होगा। इसके अलावा कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम जारी है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और भारत सेमीकंडक्टर मिशन के सीईओ अमितेश सिन्हा ने जर्मनी की शोध संस्था फ्रौनहोफर-गेसेलशाफ्ट के एक कार्यक्रम में कहा कि सरकार ने छह परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा एक वेफर फैब्रिकेशन संयंत्र और पांच पैकेजिंग इकाइयां शामिल हैं। टाटा फैब प्रति माह 50,000 वेफर्स का उत्पादन करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भूषण स्टील संबंधी 2 मई का आदेश लिया वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- पहले दिए गए विवादित निर्णय में कानूनी स्थिति का सही मूल्यांकन नहीं किया गया था

उच्चतम न्यायालय ने कर्ज में डूबी कंपनी भूषण स्टील एंड पावर लिमिटेड (बीएसपीएल) के परिसमापन का आदेश देने वाला दो मई का अपना फैसला गुरुवार को वापस ले लिया। शीर्ष अदालत ने दो मई को बीएसपीएल के कर्ज समाधान के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की तरफ से पेश किए गए प्रस्ताव को गैरकानूनी ठहराने के साथ ही खारिज कर दिया था।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस फैसले की समीक्षा के लिए दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि पहले दिए गए 'विवादित निर्णय' में कानूनी स्थिति का सही ढंग से मूल्यांकन नहीं किया गया था। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि चुनौती दिए गए निर्णय में उन न्यायिक निर्णयों के आलोक में कानूनी स्थिति को सही ढंग से नहीं समझा गया, जिनका पहले से उल्लेख है। इसके अलावा यह तर्क भी दिया गया कि कई तथ्यों पर आधारित पहलुओं को ध्यान में रखा गया, जबकि वे दलीलें रखी ही नहीं गई थीं।

हालांकि, इस स्थिति को लेकर मतभेद है। इसके साथ ही पीठ ने कहा, यह मामला पिछले निर्णय को वापस लिए जाने के एकदम माकूल है और मामले की फिर से सुनवाई की जानी चाहिए।

जेन स्ट्रीट के खिलाफ मामले में सर्वेक्षण अभियान चलाया

मुंबई। आयकर विभाग ने बाजार में हेरफेर की आरोपी अमेरिकी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के तहत कुछ ब्रोकिंग कंपनियों के परिसरों में सर्वेक्षण अभियान चलाया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विभाग जेन स्ट्रीट के खिलाफ हाल ही में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कार्रवाई की पृष्ठभूमि में 'सत्यापन' अभियान चला रहा है। अधिकारी कार्यालय परिसर में सर्वेक्षण के तहत अमेरिकी कंपनी के खाता बही और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। बीएसई ने कहा कि उसने इस मामले में कर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट के संबंध में जेन स्ट्रीट के घरेलू व्यापारिक साझेदार बताए जा रहे नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है।

ड्रोन एक्सपो

नई दिल्ली : प्रगति मैदान में छठवें अंतर्राष्ट्रीय ड्रोन एक्सपो और 10वें अंतर्राष्ट्रीय पुलिस एक्सपो का आयोजन किया गया। इस दौरान नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन किया गया। एजेंसी

भारत तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बना

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में जापान को पीछे छोड़कर तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। केंद्रीय मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (आईआरईएनए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारत ने 1,08,494 गीगावाट घंटा सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है, जबकि जापान ने 96,459 गीगावाट घंटा सौर ऊर्जा का उत्पादन किया है। आईआरईएनए ऊर्जा बदलाव के लिए एक वैश्विक एजेंसी है जो अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है, देशों को उनके ऊर्जा बदलाव में सहायता करती है, तथा प्रौद्योगिकी, नवाचार, नीति, वित्त और निवेश पर आंकड़े और विश्लेषण प्रदान करती है। जोशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत ने सौर ऊर्जा उत्पादन में जापान को पीछे छोड़ दिया है ।

उद्योग जगत को बैंक ऋण की वृद्धि दर जून तिमाही में 5.5% पर खिसकी : आरबीआई

मुंबई, एजेंसी

- पिछले साल की समान अवधि में 7.7 प्रतिशत थी

उद्योग जगत को बैंकों से दिए जाने वाले ऋण की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में घटकर 5.5 प्रतिशत रह गई जो पिछले साल की समान अवधि में 7.7 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई।

आरबीआई ने कहा कि गैर-खाद्य बैंक ऋण में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि यह आंकड़ा पिछले साल 13.8 प्रतिशत था। ये आंकड़े 27 जून, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक के हैं। देश के 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से आंकड़े संकलित किए गए हैं, जो कुल गैर-खाद्य ऋण का 95 प्रतिशत हिस्सा देते हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि जून तिमाही में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि बनी रही। सभी तरह की इंजीनियरिंग, निर्माण और कपड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ऋण वृद्धि दर तेज रही। हालांकि, कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए बैंक ऋण वृद्धि नरम पड़कर 6.8% रह गई, पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 17.4 प्रतिशत थी।

जून तिमाही में राजकोषीय घाटा पूरे वर्ष के लक्ष्य का 17.9% रहा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा जून के अंत में पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 17 .9 प्रतिशत रहा है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में यह 2024-25 के बजट अनुमान (बीई) का 8 .4 प्रतिशत था। मूल्य के हिसाब से राजकोषीय घाटा, या सरकार के खर्च और आमदनी के बीच का अंतर, चालू वित्त वर्ष (2025-26) की अप्रैल-जून अवधि में 2,80,732 करोड़ रुपये रहा है।

गांवों में 76 प्रतिशत से अधिक परिवारों की खपत बढ़ी: नाबार्ड

नई दिल्ली। देश के 76.6 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने खपत में वृद्धि की सूचना दी है जो उपभोग-आधारित वृद्धि की निरंतर गति को दर्शाता है। नाबार्ड ने एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात कही है।

ग्रामीण आर्थिक स्थिति और धारणा सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के जुलाई, 2025 चरण से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति की चिंताएं कम हो गई हैं और 78.4 प्रतिशत से अधिक परिवारों की राय में वर्तमान मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे कम है। यह बेहतर मूल्य स्थिरता को दर्शाता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित ग्रामीण मुद्रास्फीति मार्च के 3.25 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 2.92 प्रतिशत और मई में 2.59 प्रतिशत हो गई। खाद्य मुद्रास्फीति भी मई में घटकर 1.36 प्रतिशत रह गई।

एनसीडीसी के लिए 2,000 करोड़ की अनुदान सहायता को सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार वर्षों के लिए सहायता को दी है मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार साल के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दे दी। इस कदम से संगठन को कर्ज देने के लिए और अधिक कोष जुटाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए 2,000 करोड़ रुपये के व्यय के साथ केंद्रीय योजना 'एनसीडीसी को सहायता अनुदान' को मंजूरी दे दी है (प्रत्येक वर्ष 500 करोड़ रुपये)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया, मंत्रिमंडल ने एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और मजबूत करने के लिए एनसीडीसी को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी है।

मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से, एनसीडीसी आगे कर्ज देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटा सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एनसीडीसी की कर्ज वसूली दर 99.8 प्रतिशत है और उसका एनपीए (फंसा कर्ज) शून्य है। एक बयान के अनुसार, इस निर्णय से डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और शीत भंडारण जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के लगभग 2.9 करोड़ सदस्यों को लाभ होने की संभावना है।

बयान के अनुसार, ''एनसीडीसी को 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के आधार पर, वह 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों में बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी।

टैरिफ वार

भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

निर्यातक चिंतित, असमंजस में हैं अमेरिकी खरीदार

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्यातक एक अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि अमेरिकी खरीदार या तो ऑर्डर रद्द कर रहे हैं या उन्हें तब तक रोके हुए हैं जब तक कि घोषणा में जुर्माने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि उद्योग शुल्क और जुर्माने पर स्पष्ट तस्वीर के लिए अमेरिकी कार्यकारी आदेश का इंतजार कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के साथ रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने को लेकर जुर्माना लगाने की भी घोषणा की। रल्हन ने कहा, मुझे अपने खरीदारों से ऑर्डर रद्द करने के बारे में संदेश मिलने लगे हैं। हम थोड़े चिंतित हैं। प्लास्टिक उत्पाद निर्यातक अरविंद गोयनका ने इस घोषणा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षेत्र चिंतित है क्योंकि वियतनाम और थाइलैंड जैसे भारत के प्रतिस्पर्धी देशों को भारत की तुलना में कम आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

तो लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर हो जाएंगे रद्द

गोयनका ने कहा, जुर्माना ज्यादा चिंताजनक है। अगर इसे 25 प्रतिशत के अतिरिक्त लगाया जाएगा, तो खरीदार ऑर्डर देना बंद कर देंगे। एक चमड़ा और जूता निर्यातक ने कहा कि इन शुल्कों का भारत पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निर्यातक ने कहा, अमेरिकी खरीदार स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। इससे अनिश्चितता पैदा हो रही है। अगर नए शुल्क एक अगस्त से लागू होते हैं, तो लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर रद्द हो जाएंगे। निर्यातक समुदाय उम्मीद जता रहा है कि भारत और अमेरिका जल्द ही एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे और यह समझौता 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माने को हटाने में मदद करेगा। अमेरिका 2021-25 के दौरान, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका का योगदान लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6 .22 प्रतिशत तथा द्विपक्षीय व्यापार में 10 .73 प्रतिशत है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 186 अरब डॉलर (निर्यात 86 .5 अरब डॉलर और आयात 45 .3 अरब डॉलर) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का वस्तुओं के व्यापार में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात का अंतर) की स्थिति है।

भारत में सोने की मांग अप्रैल से जून तिमाही में 10% घटी

मुंबई, एजेंसी

- विश्व स्वर्ण परिषद ने दी जानकारी 134.9 टन ही रही मांग

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने गुरुवार को कहा कि सोने के दाम में रिकॉर्ड तेजी के कारण भारत में मूल्यवान धातु की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 134.9 टन रही। एक साल पहले इसी तिमाही में मांग 149.7 टन थी।

डब्ल्यूजीसी ने 'स्वर्ण मांग रुख, दूसरी तिमाही 2025' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा कि मूल्य के लिहाज से, इस साल दूसरी तिमाही में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 1,21,800 करोड़ रुपये हो गई। जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 93,850 करोड़ रुपये थी। कीमतें पहली बार 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं। सोने की बढ़ती कीमतों ने देश में आभूषणों की मांग को प्रभावित किया। आलोच्य तिमाही के दौरान यह 17 प्रतिशत घटकर 88.8 टन रह गई, जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 106.5 टन थी।

रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये या शरणार्थी, ये पहला मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इसके बाद ही उठाए जा सकते हैं दूसरे मुद्दे

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोहिंग्याओं से संबंधित मामलों के निपटारे में पहला महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि वे शरणार्थी हैं या अवैध घुसपैठिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एक बार यह तय हो जाने के बाद अन्य मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं।

पीठ ने देश में रोहिंग्याओं से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, पहला महत्वपूर्ण मुद्दा सरल है, क्या वे शरणार्थी हैं या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये। पीठ ने रोहिंग्याओं से जुड़ी याचिकाओं में उसके विचार योग्य व्यापक मुद्दों पर गौर किया। उसने पूछा, क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं। अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार या अधिकार हासिल हैं।

पीठ ने कहा कि दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई उचित थी। उसने सवाल किया, अगर रोहिंग्याओं को अवैध घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकता है या फिर उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है, बशर्ते कि अदालत उन पर ऐसी शर्तें लगाए, जिन्हें वह उचित समझे।

पीठ ने कहा कि याचिकाओं में उठाया गया एक अन्य मुद्दा यह है कि क्या उन रोहिंग्याओं को, जिन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है और जो शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। उसने कहा, अगर रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये हैं तो क्या भारत सरकार और राज्य सरकारें कानून के अनुसार उन्हें निर्वासित करने के लिए बाध्य हैं।

हर बुधवार सुनवाई

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया। पहला, जो रोहिंग्याओं से संबंधित है, दूसरा, जो रोहिंग्याओं से जुड़े मुद्दों से संबंधित नहीं है और तीसरा जो पूरी तरह से अलग मामले से संबंधित है। उसने कहा कि तीनों समूह की याचिकाओं का निर्धारण अलग-अलग किया जाएगा और उन पर सुनवाई हर बुधवार को की जाएगी।

पीएमएलए : ईडी की शक्तियों को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिकाओं की तय होगी पोषणीयता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले उन याचिकाओं की वैधता पर दलीलें सुनेगा जिनमें 2022 के उसके उस फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया है, जिसमें ईडी को पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी, संपत्तियां जब्त करने और तलाशी लेने की शक्तियां बरकरार रखी गई थीं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने 13 प्रश्न उठाए हैं। चूंकि प्रस्तावित मुद्दे समीक्षा कार्यवाही में उठ रहे हैं, इसलिए हम सबसे पहले विभिन्न पक्षों की ये दलीलें सुनेंगे कि पुनर्विचार याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं या नहीं। उसके बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए जाने वाले प्रस्तावित बिंदुओं पर सुनवाई की जाएगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त के लिए सूचीबद्ध की।

कई भारतीय उद्योग हो सकते हैं प्रभावित

भारत पर अमेरिकी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा की है जो एक अगस्त से लागू होगा। रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर अनिर्दिष्ट जुर्माना भी लगाया गया है। यह घोषणा चौंकाने वाली है क्योंकि दोनों देशों में व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। आयात शुल्क दरअसल वस्तुओं के आयात पर लगाया गया सीमा शुल्क या आयात शुल्क हैं जो आयातक को सरकार को देना होता है। कंपनियां इनका बोझ उपयोगकर्ताओं पर डालती हैं लेकिन इसका सबसे बड़ा असर खुद कंपनियों के कारोबार पर ही पड़ता है।

35% प्रतिशत तक हो जाएगा टैरिफ

अमेरिका ने स्पष्ट नहीं किया है कि जुर्माना कितना होगा और यह कैसे लगाया जाएगा। व्हाइट हाउस का एक कार्यकारी आदेश शुल्क संरचना को स्पष्ट करेगा। भारत के सभी उत्पादों पर 10 प्रतिशत मूल शुल्क पहले से ही लगा है। भारत से आने वाले इस्पात व एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और वाहन व उसके घटकों पर भी पहले से 25 प्रतिशत शुल्क लगा है। ये शुल्क मौजूदा शुल्क के अतिरिक्त लगाए जाते हैं। यानी जैसे वर्तमान में वस्त्र उद्योग पर छह से नौ प्रतिशत शुल्क लगता है, इसलिए 25 प्रतिशत शुल्क जोड़ने के बाद एक अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय वस्त्र उत्पादों पर 31-34 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

ये वृद्धि कितनी

दूरसंचार पर 25 प्रतिशत, रत्न व आभूषण पर 30 से 38.5 प्रतिशत जो वर्तमान में 5-13.5 प्रतिशत है। खाद्य एवं कृषि उत्पाद पर 29 से 30 प्रतिशत जो वर्तमान में 14-15 प्रतिशत है। परिधान पर 12 प्रतिशत के अलावा 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। एक अगस्त से दंडात्मक घटक भी लागू हो सकता है।

मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार

भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत है। 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात और 45.3 अरब अमेरिकी डॉलर आयात) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात का अंतर) 2024-25 में 41 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह 2023-24 में 35.32 अरब अमेरिकी डॉलर और 2022-23 में 27.7 अरब अमेरिकी डॉलर था।

आयात और निर्यात

अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में 2024 में दवा निर्माण तथा जैविक निर्यात 8.1 अरब अमेरिकी डॉलर का था। दूरसंचार उपकरण 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर, कीमती व अर्धकीमती पत्थर 5.3 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 4.1 अरब डॉलर, सोने के आभूषण 3.2 अरब डॉलर, सूती वस्त्र 2.8 अरब डॉलर और लोहा व इस्पात के उत्पाद 2.7 अरब डॉलर के थे। आयात में कच्चा तेल 4.5 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 3.6 अरब डॉलर, कोयला, कोक 3.4 अरब डॉलर, तराशे व पॉलिश किए गए हीरे 2.6 अरब डॉलर, इलेक्ट्रिक मशीनरी 1.4 अरब डॉलर, विमान, अंतरिक्ष यान तथा कलपुर्जे 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर और सोना 1.3 अरब डॉलर शामिल हैं। आयात शुल्क आयातक देश में वस्तुओं को महंगा बना देता है।

क्या बहुत ज्यादा है भारत में शुल्क

अमेरिका दुग्ध उत्पादों पर 188%, फलों-सब्जियों पर 132%, कॉफी, चाय, कोको व मसालों पर 53%, अनाज एवं खाद्य पदार्थों पर 193%, तिलहन, वसा व तेल पर 164%, पेय पदार्थ एवं तंबाकू पर 150%, खनिज व धातु पर 187%, और रसायन पर 56% का उच्च शुल्क है। भारत की औसत शुल्क दर 17% है, जो अमेरिका की 3.3% से अधिक है लेकिन दक्षिण कोरिया 13.4% और चीन 7.5% जैसी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समान है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव घोटाले में पूर्व राष्ट्रपति का गिरफ्तारी वारंट

सोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल का गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है। उन पर चुनावों में दखलंदाजी करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

यून को दो बार समन जारी हुआ लेकिन वे दोनों बार नहीं आए। यून पर आरोप है कि उन्होंने और और उनकी पत्नी ने साल 2022 के चुनावों से पहले एक जनमत सर्वेक्षण करवाया था। संदेह है कि सर्वेक्षण एक राजनीतिक दलाल ने निशुल्क किया और इसकी एवज में उसने अपनी पसंद के एक व्यक्ति का नामांकन संसद में करवाया।

भारी बारिश से बंद हुआ केदारनाथ हाईवे, दो दिन के लिए रोकी गई यात्रा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बुधवार रात हुयी भारी बारिश से सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में सड़क क्षतिग्रस्त होने से केदारनाथ वाला हाईवे पूरी तरह से बंद होने से इस धाम की यात्रा को अब दो दिन के लिए रोक दिया गया है।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से लगभग दो हज़ार यात्री बीच में ही रोक दिए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान केदारनाथ में फंसे ढाई हजार यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाने में जुटे है। मुनकटिया के पास भूस्खलन से केदारनाथ हाईवे पर करीब 50 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से इस रास्ते पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। बारिश के कारण वैकल्पिक पैदल मार्ग को भी नुकसान हो गया है जिससे केदारनाथ से आने वाले श्रद्धालु गौरीकुंड में फंस गए। डीएम प्रतीक जैन ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भूस्खलन के बाद केदारनाथ धाम के रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं को उतारते बचाव दल के सदस्य। ● एजेंसी

वर्ल्ड ब्रीफ

रक्षा सहयोग बढ़ाने को भारत-ब्राजील की बैठक

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील के शीर्ष अधिकारियों ने ब्राजील में एक महत्वपूर्ण रक्षा बैठक की, जिसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय सुरक्षा को मज़बूत बनाना और सैन्य सहयोग व रक्षा उद्योग संबंधों को प्रगाढ़ करना था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 30 जुलाई को ब्रासीलिया में 8वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक में हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में सैन्य सहयोग, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

म्यांमार में नई संघीय सरकार की घोषणा

यांगून। म्यांमार राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को नई संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

सिंगापुर : भारतीय को 14 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में 11 साल की बच्ची का दो बार यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिक को 14 साल से अधिक की सजा सुनाई। रामलिंगम सेल्वासेकरन (58) की उम्र अधिक होने के कारण उसे कोड़े नहीं मारे जाएंगे लेकिन उसे सुनाई गई 14 वर्ष, तीन महीने और दो सप्ताह की सजा में 15 कोड़ों के बदले बदले अतिरिक्त कारावास की सजा शामिल है।

गाजा: कुपोषण से सात और लोगों की मौत

दुबई, एजेंसी

गाजा पट्टी में भुखमरी के हालात लगातार विकराल होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटों में यहां कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है।

इज़राइल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है , लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों ने स्वीकार नहीं किया है। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़राइल की यात्रा पर जाएंगे।

● दो साल में कुपोषण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 154 हुई

खाने का इंतजार करते लोगों पर चलाईं गोलियां, 48 मारे गए

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री की प्रतीक्षा कर रहे कम से कम 48 फलस्तीनी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राजदूत संघर्ष समाप्त कराने संबंधी वार्ता के लिए इजराइल पहुंच रहे हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि ये लोग ज़िकिम क्रॉसिंग पर मौजूद भीड़ का हिस्सा थे। इसी क्रॉसिंग से उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई जाती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गोलीबारी किसने की और क्रॉसिंग पर नियंत्रण रखने वाली इजराइल की सेना ने भी इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यूक्रेन: रूसी हमलों में 9 मरे, 124 घायल

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में नौ लोग मारे गए और 124 घायल हो गए।

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक छह साल का बच्चा भी है। शहर में 27 जगह हमला हुआ जहां बचाव अभियान जारी है, पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने 300 से ज्यादा ड्रोन हमले किए और आठ मिसाइलें दागीं।

तमिलनाडु: मां-बेटी ने साथ पास की नीट

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में 49 वर्षीय एक फिजियोथेरेपिस्ट महिला और उसकी बेटी ने मजबूत इरादों से अपने सपनों को पूरा करने की एक अद्भुत मिसाल कायम की है। दोनों ने अपनी लगन और मेहनत से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास कर ली।

नीट पास करने के बाद महिला को अपने गृह जिले के नज़दीकी सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट मिल गई जबकि बेटी भी चिकित्सा क्षेत्र में सफर शुरू करने के लिए तैयार है। अमुथवल्ली मणिवन्नन को अपने स्कूल के दिनों की तुलना में इस बार पाठ्यक्रम बहुत अलग और काफी कठिन लगा लेकिन फिर भी अपनी बेटी की राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की तैयारी से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी तैयारी शुरू की।

अमुथवल्ली ने कहा, अपनी बेटी को नीट की तैयारी करते देखकर मेरी महत्वाकांक्षा फिर से जागृत हो गई और वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की। सीबीएसई की छात्रा एम. संयुक्ता ने कोचिंग क्लास ली और जिन किताबों का उसने गहन अध्ययन किया था, उनसे ही उसकी मां को भी मदद मिली।

● अमुथवल्ली ने बेटी की किताबों से ही पढ़कर की नीट की तैयारी

इमरान की पार्टी के कई सांसदों समेत 166 सदस्यों को 10-10 साल कैद

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई।

खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-

● आईएसआई भवन और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले का मामला

ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया।

पाकिस्तान के साथ विशाल तेल भंडार विकसित करेगा अमेरिका

समझौते पर हस्ताक्षर कर ट्रंप ने की घोषणा, शगूफा भी छोड़ा- क्या कभी भारत को तेल बेचेगा पाकिस्तान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुे कहा कि अमेरिका विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि ट्रंप पाकिस्तान में किस विशाल तेल भंडार की बात कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर यह भी सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान कभी भारत को तेल बेच सकता है। ट्रंप ने बुधवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अमेरिका पाकिस्तान के विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, हम उस तेल कंपनी को

पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने ट्रंप को कहा शुक्रिया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया और इससे दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने की उम्मीद जाहिर की। शरीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूत करेगा ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार हो सके।

चुनने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे। पाकिस्तान लंबे समय से अपने अपतटीय क्षेत्र पर बड़े तेल भंडार होने का दावा करता रहा है, लेकिन इन भंडारों का दोहन करने में कोई प्रगति नहीं हुई है। वह इन भंडारों का दोहन करने के लिए निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। देश फिलहाल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिम एशिया से तेल आयात करता है।

चीन से प्रक्षेपित किया रिमोट सेंसिंग उपग्रह

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान ने जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों की निगरानी और प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाने के लिए चीन के सिचुआन प्रांत से एक नए रिमोट सेंसिंग उपग्रह का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। पाकिस्तान के अंतरिक्ष एवं ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग के तकनीकी सहयोग से शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र पर कुआइझोउ-1ए (केजेड-1ए) रॉकेट के जरिये पाकिस्तान रिमोट-सेंसिंग सैटेलाइट (पीआरएसएस-1) को प्रक्षेपित किया गया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

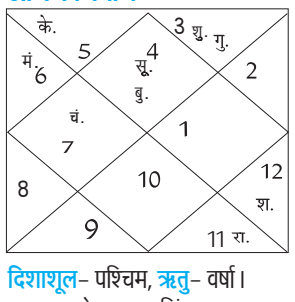

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-स्वाती 02 अगस्त 03.40 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों से आपको सहायता मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को शानदार परिणाम मिल सकते हैं।

वृष — आज विदेश से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। कारोबार को बढ़ाने के नए तरीके अपनायेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

मिथुन — आज अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता आयेगी। पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक कार्यों में आप सहयोग देंगे। प्रेम संबंधों से जुड़ी परेशानियां कम होंगी।

कर्क — आज बड़े निर्णय लेते समय आपको व्यवहारिक रहना होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करेंगे। अधिक मसालेदार भोजन करने से बचें। त्वचा में एलर्जी जैसी परेशानी हो सकती है। किसी मूल्यवान वस्तु के गुम होने की आशंका है।

सिंह — आज समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पुराने मित्रों के साथ मिलने का अवसर मिलेगा। बदनदर्द की शिकायत हो सकती है। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपकी प्रतिभा उभरकर सामने आयेगी। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका उठना-बैठना होगा।

कन्या — आज कारोबार में नई डील कर सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य की कुछ चिंता हो सकती है। आपको भरपूर नींद लेनी चाहिए। किसी व्यक्ति से थोड़ी बहस हो सकती है। बड़े-बुजुर्गों से मार्गदर्शन लेते रहें। नौकरीपेशा लोग नयी जॉब का विचार बनायेंगे।

तुला — आज घर में मेहमान आ सकते हैं। यात्रा सामान्य रूप से काफी अच्छी रहेगी। कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त हो सकती है। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को शानदार लाभ होगा। अच्छे कार्यों में आप रुचि लेंगे। तकनीकी संबंधी कार्यों में रुचि लेंगे।

वृश्चिक — आज आपको अपनी वर्तमान परियोजनाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। मेहमानों पर आप धन खर्च करेंगे। आपको नया काम शुरू करने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

धनु — आत धार्मिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। विद्यार्थियों को कम मेहनत से ही सफलता मिल जायेगी। पुराने मामलों में आपको बेहतरीन सफलता मिलेगी। जूनियर्स के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। कोई बड़ा लक्ष्य आप प्राप्त कर लेंगे।

मकर — आज भूमि-संपत्ति से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्त होगा। नवविवाहित लोग आज किसी उत्सव समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। रेस्टोरेन्ट के व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।

कुंभ — आज विवाह से जुड़े मामलों का समाधान प्राप्त होगा। शरीर में ऊर्जा की कमी रहेगी। सन्तान की शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति होगी। विश्वासपात्र लोगों की सलाह आपको बहुत काम आयेगी। लवमेट के साथ रिश्तों में गहराई आयेगी। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में पूंजी निवेश से आपको लाभ प्राप्त होगा। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। पर्याप्त मात्रा में जल पियें। दांपत्य संबंधों में परेशानी आ सकती है। एक से ज्यादा काम हाथ में न लें। किसी प्रियजन से आपकी बहस हो सकती है।

सुडोकू-56

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5	6		1		8		7
			7				3	
	3					5		2
		7		9	4			
1								5
			8	2		4		
9		5			6		8	
	4				3			
8		3				2	1	

सुडोकू - 55 का हल

6	1	7	3	2	4	9	8	5
2	9	8	5	6	1	3	4	7
5	3	4	9	8	7	1	2	6
9	8	5	4	1	3	6	7	2
1	7	2	8	9	6	4	5	3
4	6	3	7	5	2	8	9	1
3	2	9	1	4	5	7	6	8
8	5	1	6	7	9	2	3	4
7	4	6	2	3	8	5	1	9

विदेश की चुनौतियों से पार पाना हमेशा विशेष होता है। अगर आप विदेश में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपको ऊंचा दर्जा देंगे, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं बस मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करना चाहता हूं।
–ध्रुव जुरेल, विकेटकीपर-बल्लेबाज

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेस्सी के करिश्मे से जीता इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने मैच के अंतिम पलों में दिखाए गए करिश्मे से इंटर मियामी ने लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में एटलस को 2-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर द्वारा ऑल-स्टार भाग नहीं देने से एक मैच के लिए निलंबित किए जाने के बाद मेस्सी और उनके साथी जोर्डी अल्बा का यह पहला मैच था। उन्होंने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में मार्सेलो वीगन्ड्र की विजयी गोल करने में मदद की। वीडियो समीक्षा प्रणाली के बाद ही यह गोल मान्य माना गया। मेस्सी ने इससे पहले 58वें मिनट में टेलास्को सेगोविया के गोल में भी मदद की थी।

राष्ट्रमंडल खेलों की माल्टा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। माल्टा 2027 में राष्ट्रमंडल युवा खेलों के आठवें चरण की मेजबानी करेगा, जिसमें 74 देशों के 14 से 18 वर्ष के खिलाड़ी आठ खेलों में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की संचालन संस्था ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रमंडल खेलों की संस्था ने हालांकि इनकी तारीखों की घोषणा नहीं की कि लेकिन कहा कि यह 2027 के अंत में आयोजित होंगे। राष्ट्रमंडल खेल के अनुसार, माल्टा 2027 में 74 देशों और क्षेत्रों के 14 से 18 वर्ष के 1150 खिलाड़ियों का स्वागत करेगा।

स्क्वाश चैंपियनशिप नई दिल्ली में 23 अगस्त से

नई दिल्ली। सीनियर राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप 23 से 28 अगस्त तक नई दिल्ली में होगा। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसआरएफआई) ने गुरुवार को यह घोषणा की। एसआरएफआई के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा, सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तीन हफ्ते बाद दिल्ली के ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित होगी। एसआरएफआई ने टेक दिग्गज एचसीएल के साथ मिलकर एचसीएल इंडिया स्क्वाश टूर 2025-26 का भी शुभारंभ किया। पेशेवर स्क्वाश संघ (पीएसए) टूर का भारत के छह शहरों में विस्तार हो चुका है और पीएसए देश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा लाएगा।

चार शहरों में खेली जाएगी प्रो कबड्डी लीग

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12वां सत्र 29 अगस्त से शुरू होगा और इसे चार शहरों विशाखापट्टनम, जयपुर, चेन्नई और नई दिल्ली में खेला जाएगा। आयोजकों ने गुरुवार को बताया कि नए सत्र के पहले दिन विशाखापतनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगू टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से और बेंगलुरु बुल्स का पुनेरी पल्टन से होगा। विशाखापट्टनम में 2018 के बाद पहली बार पीकेएल के मैच खेले जाएंगे। पीकेएल का दूसरा चरण 12 सितंबर से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में होगा, जहां टूर्नामेंट ने 2023-24 के सत्र में अपने 1,000 मैच पूरे किए थे।

जू. महिला राष्ट्रीय हॉकी में 30 टीमें लेंगी भाग

काकीनाडा। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुक्रवार से शुरू होगी, जिसमें कल 30 टीम भाग लेंगी। इस बार यह प्रतियोगिता डिवीजन आधारित प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें टीमों को तीन डिवीजन ए, बी और सी में बांटा गया है। ए व बी डिवीजन में नीचे की दो टीमें अगले वर्ष बी व सी में रेलीगेट होंगी जबकि बी व सी डिवीजन की शीर्ष दो टीमें ए और बी डिवीजन में जगह मिलेगी। डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें शामिल हैं।

रचना-अश्विनी अंडर-17 विश्व चैंपियन

एथेंस। भारतीय पहलवान रचना (43 किग्रा) और अश्विनी विश्नोई (65 किग्रा) गुरुवार को अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में चैंपियन बनीं जबकि मोनी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक से चूक गईं। रचना ने फाइनल में चीन की शिन हुआंग को 3-0 से हराया जबकि अश्विनी ने उज्बेकिस्तान की मुखय्यो राखिमजोनोवा को इसी अंतर से मात दी। मोनी को कजाकिस्तान की मदखिया उस्मानोवा के खिलाफ कड़े मुकाबले में 5-6 से मिली हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कोमल वर्मा ने 49 किग्रा वर्ग में देश को कांस्य पदक दिलाया।

नायर का अर्धशतक, भारत के छह विकेट पर 204 रन

अंतिम टेस्ट के पहले दिन एटकिंसन-टंग की गेंदबाजी से इंग्लैंड का पलड़ा रहा भारी

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन गस एटकिंसन और जोश टंग की धारदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन गुरुवार को मेहमान टीम का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 204 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। एटकिंसन (31 रन पर दो विकेट) और टंग (47 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और गेंदबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में नायर के अलावा उसका कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। बारिश के कारण पहले दिन 64 ओवर का ही खेल संभव हो पाया।

भारत ने 153 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद नायर (नाबाद 52 रन) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 19 रन) ने सातवें विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी कर टीम को वापसी दिलाने का प्रयास किया। भारत के लिए पहले दो सत्र की तरह तीसरे सत्र में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक छोर पर टिककर खेल रहे साई सुदर्शन (38) टंग की आउटस्विंगर पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों लपके गए, जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 101 रन हो गया। नायर ने टंग के अगले ओवर में दो चौके मारे लेकिन इस गेंदबाज ने रविंद्र जडेजा (9) को स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया।

जडेजा ने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर वाशिंगटन के साथ मिलकर भारत को हार से बचाया था। ध्रुव जुरेल (19 रन) अच्छी लय में दिखे। वह गस एटकिंसन की अंदर आती गेंद पर पगबाधा होने से बचे, लेकिन अगली गेंद पर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक को कैच दे बैठे। नायर ने जेमी ओवरटन पर लगातार दो चौकों के साथ दबाव कम करने का प्रयास किया। नायर और वाशिंगटन ने इंग्लैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नायर ने 62वें ओवर में जैकब बेथेल की गेंद पर दो रन के साथ 89 गेंद में अपने करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया और साथ ही टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया।

इससे पहले बारिश के कारण लंच और चाय के बीच सिर्फ छह ओवर का खेल हो गया, जिसमें भारत ने कप्तान शुभमन गिल (21) का विकेट गंवाकर 13 रन बनाए। लंच से पहले अचानक आई बारिश से दूसरे सत्र का खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू हुआ। क्रीज पर नजर जमाने के बाद गिल ने एटकिंसन की गेंद पर गैर जरूरी रन लेने का प्रयास किया और इस गेंदबाज ने उन्हें रन आउट कर दिया। इसके कुछ देकर बाद फिर बारिश होने लगी और खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा, जिसके कुछ देकर बाद चाय का ब्रेक लिया गया।

भारत ने घास वाली पिच पर सुबह के सत्र में अपने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के विकेट गंवाए, लेकिन लंच तक दो विकेट पर 72 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया। श्रृंखला में सबसे अधिक घास वाली पिच पर इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गिल ने मौजूदा श्रृंखला में पांचों बार टॉस गंवाया। गेंद उम्मीद के मुताबिक सीम तो कर रही थी लेकिन बहुत ज्यादा स्विंग नहीं कर रही थी। श्रृंखला का अपना पहला मैच खेल रहे एटकिंसन ने अपने दूसरे ओवर में जायसवाल (2) को आउट किया। मैदानी अंपायर ने आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें फैसला बदलना पड़ा क्योंकि अंदर आती गेंद स्टंप्स पर लगती। अन्य तेज गेंदबाजों जोश टंग और जेमी ओवरटन को नियंत्रण बनाए रखने में दिक्कत हुई। टंग ने अपने पहले ओवर में 12 रन दिए, जिसमें स्टंप के दोनों ओर दो वाइड के जरिए 10 रन शामिल थे।

खेल के पहले घंटे में भारत का स्कोर एक विकेट पर 36 रन हो गया। अच्छी फॉर्म में चल रहे राहुल (14 रन) आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। क्रिस वोक्स की शॉर्ट गेंद को कट करने की कोशिश में वह विकेटों पर खेल गए। सुदर्शन ने टंग और वोक्स की गेंदों पर चौके जड़े जबकि मौजूदा श्रृंखला के सबसे सफल बल्लेबाज गिल ने ओवरटन की गेंद को कवर के ऊपर से चार रन के लिए भेजा और फिर पुल करके दोनों ओर बाउंड्री लगाई।

भारत ने एकादश में चार बदलाव करते हुए जसप्रीत बुमराह, अंशुल कंबोज, शारदुल ठाकुर और चोटिल ऋषभ पंत की जगह फिट हो चुके आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर और ध्रुव जुरेल को शामिल किया। इंग्लैंड ने भी चार बदलाव किए। टीम ने बुधवार को ही इसकी घोषणा कर दी थी क्योंकि चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

भारत-इंग्लैंड के बीच द ओवल में खेले जा रहे पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन विकेटों के बीच दौड़ते भारतीय बल्लेबाज। एजेंसी

भारत की पहली पारी में बारिश से पहले बल्लेबाजी करते कप्तान शुभमन गिल।

भारत पहली पारी

204/6 (64 ओवर)

यशस्वी पगबधा को एटकिंसन	02
लोकेश राहुल बो वोक्स	14
साई सुदर्शन का स्मिथ बो टंग	38
शुभमन गिल रन आउट	21
करुण नायर खेल रहे हैं	52
रविंद्र जडेजा का स्मिथ बो टंग	09
ध्रुव जुरेल का ब्रूक बो एटकिंसन	19
वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं	19

अतिरिक्त: 30, **गेंदबाजी:** वोक्स 14-1-46-1, एटकिंसन 19-7-31-2, टंग 13-3-47-2, ओवरटन 16-0-66-0, बेथेल 2-1-4-0

शुभमन गिल ने गावस्कर को पछाड़ा

लंदन। कप्तान शुभमन गिल वर्षा से प्रभावित पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पछाड़कर एक टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। गिल इस श्रृंखला में अब तक 743 रन बना चुके हैं और उन्होंने गावस्कर को पछाड़ा जिन्होंने 1978-79 की टेस्ट श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे। गिल को पांचवें टेस्ट से पूर्व गावस्कर के 47 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 11 रन की दरकार थी। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन की गेंद को कवर क्षेत्र में चौके के लिए खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। भारतीय कप्तान हालांकि 21 रन बनाने के बाद तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की गेंद पर गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। गिल ने इस श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में 269 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी भी खेली थी।

कुलदीप को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में खेलना चाहिए था : गांगुली

कोलकाता। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि कुलदीप यादव को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में नहीं खिलाकर भारत बड़े मौके से चूक गया क्योंकि टेस्ट मैच के आखिरी दो दिन यह स्पिनर अहम भूमिका निभा सकता था। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। गांगुली ने गुरुवार को कहा, काश कुलदीप मैनचेस्टर में, लॉर्ड्स में और बर्मिंघम में भी खेलते क्योंकि बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के बिना टेस्ट के चौथे और पांचवें दिन टीमों को आउट करना मुश्किल होता। गांगुली ने मैनचेस्टर में हुए चौथे टेस्ट का उदाहरण दिया जहां भारत के निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को निराश किया और पांचवें दिन की पिच पर 143 ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने कहा कि आपने देखा कि इंग्लैंड के साथ क्या हुआ जब भारत ने एक ऐसी पिच पर बल्लेबाजी की जो थोड़ी टूट चुकी थी और थोड़ा टर्न भी मिल रहा था लेकिन एक भी अच्छा स्पिनर नहीं था इसलिए इंग्लैंड 20 विकेट नहीं ले सका। गांगुली ने कहा कि अतीत में महान टीमों के पास बेहतरीन स्पिनर होते थे, चाहे वह शेन वॉर्न हों, मुरलीधरन हों, इंग्लैंड के ग्रीम स्वान हों, मोंटी पनेसर हों, भारत के अनिल कुंबले हों, हरभजन सिंह हों या रविचंद्रन अश्विन हों। इसलिए मुझे लगता है कि कुलदीप ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारत भविष्य में खिलाने पर विचार करता रहेगा। गांगुली का मानना है कि भारत का पांचवें टेस्ट के लिए कुलदीप को बाहर रखना ठीक है क्योंकि विकेट से तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिल सकती है।

क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित

- छह से 10 अगस्त तक म्यांमार के यांगून में आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने गुरुवार को 2026 एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की जो छह से 10 अगस्त तक म्यांमार के यांगून में होगा। भारतीय टीम ग्रुप डी में है। उसका सामना छह को इंडोनेशिया, 8 को तुर्कमेनिस्तान और 10 अगस्त को मेजबान म्यांमा से होगा।

ग्रुप विजेता व सभी आठ ग्रुप में से तीन सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान की टीम अगले साल अप्रैल में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत क्वालीफायर के लिए बेंगलुरु स्थित पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में ट्रेनिंग ले रहा था और अपनी तैयारियों के तहत इस महीने की शुरुआत में उज्बेकिस्तान अंडर-20 के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए ताशकंद गया था। भारत ने पहले मैच में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे मैच में 4-1 से जीत हासिल की। खिलाड़ियों ने लौटने के बाद बेंगलुरु में शिविर जारी रखा।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप

भारतीय टीम

गोलकीपर: मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरंगथेम, रिबांसी जामू। **डिफेंडर:** एलिना चिंगखम, सिंडी रेमरूअटपुई कोल्नी, जूही सिंह, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोईबिसाना चानू तोइजाम, विक्सित बारा। **मिडफील्डर:** अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा। **फॉरवर्ड:** बबीता कुमारी, दीपिका पाल, खुशबू काशीराम सरोज, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

- महिला एकल में रक्षिता व मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो हारीं

मकाऊ, एजेंसी

भारत के तरुण मन्नेपल्ली शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग के ली चियुक यू को हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वहीं लक्ष्य सेन ने भी जीत के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली है।

तरुण ने दुनिया के 15वीं रैंकिंग वाले ली को 19-21, 21-14, 22-40 से हराया। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे थे। अब उनका सामना चीन के हू झे अन से होगा। राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्डोयो को 21-14, 14-21, 21-17 से मात दी। वहीं आयुष शेट्टी को मलेशिया के जस्टिन होह ने 21-18, 21-16 से हरा दिया।

महिला एकल में रक्षिता रामराज को थाईलैंड की बुसानन आंगबामरूंगफान ने 14-21, 21-10, 21-10 से मात दी। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को मलेशिया के जिम्मी वोंग और लेइ पेइ जिंग की जोड़ी ने 19-21, 21-13, 21-18 से हराया। पुरुष युगल में पृथ्वी रॉय और के साइ प्रतीक को मलेशिया के चौथी वरीयता प्राप्त जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप ने 21-18, 21-18 से मात दी।

लक्ष्य सेन

तरुण, लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में

मैं दबाव के बारे में अधिक नहीं सोचती : दिव्या

नागपुर, एजेंसी

फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख ने गुरुवार को कहा कि वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं और उनके लिए दबाव अधिक मायने नहीं रखता। 19 वर्षीय दिव्या 28 जुलाई को जॉर्जिया के बातुमी में महिला विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए फाइनल में टाईब्रेकर में कोनेरू हम्पी को हराया। इस जीत ने ना केवल उन्हें प्रतिष्ठित खिताब दिलाया, बल्कि उन्हें ग्रैंडमास्टर भी बना दिया।

दिव्या ने कहा कि उनके लिए रणनीति व आक्रामक पोजिशन में जाना आसान है। दबाव मेरे लिए अधिक मायने नहीं रखता। जो मायने रखता है वह है मेरी अपनी उम्मीदें और लक्ष्य। अपनी आक्रामकता और मानसिक दृढ़ता के लिए पहचाने जाने वाले भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अक्सर होने वाली तुलना पर दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि आक्रामकता हमेशा से मेरे खेल का हिस्सा रही है। मेरे लिए रणनीति व आक्रामक पोजिशन अपनाना आसान है। दिसंबर में चीन के डिंग लिरेन हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने 18 साल के डी गुकेश के साथ समानताओं पर दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि हम दोनों का अंत तक लड़ना सबसे बड़ी समानता है।

ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख।

- कोनेरू हम्पी को हराकर बनीं हैं सबसे कम उम्र की ग्रैंडमास्टर

न्यूजीलैंड को मिली पहली पारी में बढ़त

बुलावायो (जिम्बाब्वे)। डेवोन कॉनवे और डेरिल मिचेल गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शतक से चूक गए, लेकिन न्यूजीलैंड ने शिकंजा कसे रखा। कॉनवे ने 88 और मिचेल 80 रन पर आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे, जिससे न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 307 रन पर सिमट गई।

न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाजों ने इसके बाद बेन कुरेन (11) और ब्रायन बेनेट (18) को आउट करके स्टंप तक जिम्बाब्वे का स्कोर दो विकेट पर 31 रन कर दिया। जिम्बाब्वे अब भी 127 रन से पीछे है। जिम्बाब्वे पहली पारी में 149 रन पर सिमट गया था। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी जिम्बाब्वे के बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 73 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि तनाका चिवांगा ने 51 रन देकर दो विकेट चटकाए। बाद में मिचेल ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई। नौवें नंबर के बल्लेबाज नाथन स्मिथ पेट में चोट से 22 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए।

नेशनल बैंक ओपन | इगा स्वियातेक ने विजय अभियान 24 मैचों तक पहुंचाया

तीसरे दौर में पहुंचीं विंबलडन चैंपियन इगा

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन की गुओ हान्यू को 6-3, 6-1 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। विंबलडन के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराने के बाद पहली बार कोई मैच खेल रही स्वियातेक ने 4-0 की बढ़त बना ली और फिर अपने विजय अभियान को 24 मैच तक पहुंचा दिया।

पोलैंड की विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा, जिन्होंने रूस की अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। अमेरिका की दो बार की गत विजेता जेसिका पेगुला ने भी यूनान की मारिया सक्कारी को 7-5, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा ने न्यूज़ीलैंड की लुलु सुन को 6-4, 7-6 (5) से हराया। अमेरिका की ही छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ ने जर्मनी की लॉरा सीगेमंड को 6-2, 6-1 से और जापान की नाओमी ओसाका ने रूस की लियुडमिला सैमसोनोवा को 4-6, 7-6 (6), 6-3 से हराया।

- पोलैंड की स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा

कनाडा के गैब्रियल डायलो भी आगे बढ़े

टोरंटो। कनाडा के लंबे कद के खिलाड़ी गैब्रियल डायलो ने इटली के माटेओ गिगांटे को 6-3, 7-6 (5) से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। मॉन्ट्रियल के रहने वाले छह फुट आठ इंच लंबे दाएं हाथ के खिलाड़ी डायलो ने बारिश से प्रभावित मैच में एक घंटे 46 मिनट में जीत दर्ज की। डायलो ने पिछले महीने नीदरलैंड में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। अब उनका सामना अमेरिका के दूसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज़ से होगा, जिन्होंने स्पेन के रॉबर्टो कार्बालेस बाएना को 7-5, 7-6 (1) से हराया। दूसरे दौर के अन्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के क्वालीफायर एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से और रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराया।